मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.2	27.5
जमशेदपुर	35.1	25.7
डालटनगंज	35.4	24.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 07 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 89 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चैंबर के सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में हेमंत ने कहा- झारखंड का सर्वांगीण विकास प्राथमिकता

अब स्टार्ट अप पर जोर

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य में जो भी उद्योग हैं और जो भी नए उद्योग आने वाले हैं, उनके प्रति सरकार की सकारात्मक सोच है. राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो. अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों. हमारी सरकार उद्योगों और उद्योग स्थापित करने वालों को पूरा सहयोग करेगी. सीएम शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि झारखंड में कई उद्योग हैं जो पुराने हैं. उद्यमियों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी यहां व्यवसाय कर रही. वे आर्थिक- सामाजिक और भौगोलिक स्थितियों से वाकिफ हैं. वे अच्छी तरह इस राज्य को समझ सकते हैं. दूसरे नहीं समझ सकते हैं. ऐसे में आपके साथ मिल कर राज्य का सर्वांगीण विकास करना हमारा उद्देश्य है. उन्होंने कहा, युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए अब सरकार स्टार्टअप पर पूरा जोर लगाएगी. कान्क्लेव में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, पूर्व सांसद महेश पोद्दार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव विप्रा भाल, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सचिव परेश गट्टानी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे.

मुख्यमंत्री को सम्मानित करते चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री. साथ में सांसद महुआ माजी भी हैं.

देश के नीति- निर्धारकों ने समझा था राज्य की अहमियत को

सीएम ने कहा कि आजादी के बाद देश के नीति-निर्धारकों ने इस राज्य की अहमियत को समझा था. इसी का नतीजा था कि हमारे राज्य में कई बड़े उद्योग स्थापित हुए. टाटा और बिरला जैसे कई उद्योग समूहों ने अपने उद्योग लगाए. इसी राज्य में कोल इंडिया की सबसे ज्यादा गतिविधियां संचालित हो रही है. देश का पहली फर्टिलाइजर इंडस्ट्री लेकर माइनिंग इंस्टीट्यूट एवं उद्योग जगत की जननी से मशहूर हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) भी हमारे राज्य में स्थापित है. लेकिन, जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया और परिस्थितियों कुछ ऐसी बनती गई कि यहां के कई उद्योग -धंधे बंद हो गए. जिन उद्योगों का विस्तार होना था, वे सिमटते गए. इस वजह से लोग बेरोजगार भी हुए. लेकिन, हमारी सरकार उद्योगों की ऐसी बुनियाद डालना चाहती है, जिसका लाभ लोगों को पीढ़ी-दर- पीढ़ी मिल सके. इसमें झारखंड चैंबर्स का जो भी सुझाव होगा, उस पर सरकार सकारात्मक अमल करते हुए पूरा सहयोग करेगी.

बोले सीएम

- उद्योग और उद्योगपतियों के प्रति सरकार की है सकारात्मक सोच
- अधिक से अधिक रोजगार सृजन के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- युवा स्टार्टअप शुरू करें, राज्य सरकार करेगी पूरा सहयोग

स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए सरकार करेगी सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने स्टार्टअप पॉलिसी बनाई है. हालांकि, इस राज्य में स्टार्टअप को जितना बढ़ावा मिलना चाहिए था, उसमें थोड़ा पीछे हैं. लेकिन, सरकार जल्द ही स्टार्टअप को मजबूती और बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाएगी. स्टार्टअप के जरिए युवा रोजगार से जुड़े और दूसरों को भी रोजगार दें, इस सोच के साथ सरकार आगे बढ़ेगी.

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आज

नेत्रदान के साथ भाई-बहन संग भगवान जगन्नाथ ने दिए दर्शन : नेत्रदान अनुष्ठान के बाद शनिवार की शाम दर्शन मंडप में भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग विराजे भगवान जगन्नाथ और भगवान की स्तुति कर जयघोष करते पुरोहित और श्रद्धालु. भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा आज निकाली जाएगी. **(फोटो : सैयद जावेद रमीज)**

विश्वासमत से पहले सत्ता पक्ष के विधायकों की आज बैठक, कल की बनेगी रणनीति

कोई दिक्कत नहीं, हम एकजुट: ठाकुर

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा में सोमवार को विश्वास मत हासिल करने से पहले गठबंधन में शामिल दलों के विधायकों की बैठक रविवार को होगी. इस बैठक में फ्लोर टेस्ट के लिए रणनीति तय की जाएगी. फ्लोर टेस्ट के बाद उसी दिन कैबिनेट का विस्तार भी प्रस्तावित है. बैठक कांके रोड में सीएम आवास में होगी. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया, रविवार को फ्लोर टेस्ट में रणनीति तय करने के लिए सीएम आवास में बैठक बुलाई गई है. हम लोग पूरी तरह एकजुट हैं.

बीजेपी ने उठाए सवाल

हेमंत में नहीं है हिम्मत कि विश्वास मत से पहले कर लें कैबिनेट का विस्तार

इधर, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सीएम पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि हेमंत में हिम्मत नहीं है कि वे विश्वास मत से पहले कैबिनेट का विस्तार कर लें. नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन तो बस मुखौटा हैं. उनके पीछे सत्ता चलाने वालों से कुछ दिन भी रुका नहीं गया और उन्होंने तख्ता पलट करवा दिया. उन्होंने एक्स पर लिखा- सदन में विश्वास मत हासिल करने से पूर्व मंत्रिमंडल विस्तार आखिर क्यों नहीं? मैं चुनौती देता हूं कि चंपाई के साथ किए गए दुर्व्यवहार के बाद ऐसा करने की हेमंत हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे. जिस तरह से चंपाई सोरेन को हटाकर वे राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं, वो न्यायसंगत नहीं है. इस तरह का अनुचित कदम उठाने के बाद हेमंत सोरेन में इतना साहस नहीं रह गया है कि वो विश्वास मत से पहले किसी को मंत्री बना सकें. जिस प्रकार चंपाई सोरेन को बेइज्जत किया गया, उस पर सोरेन परिवार के प्रति पूरे राज्य भर से बेहद ही खराब प्रतिक्रिया आ रही है.

सूचना

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पर विशेष आयोजन देखें पेज 9 पर. आज आनेवाला 'आखर' पेज अब मंगलवार को आएगा.

ब्रीफ खबरें

केजरीवाल षडयंत्र के शिकार: सुनीता

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि केजरीवाल को गहरी साजिश का शिकार बनाया गया है और ईडी ने एक गवाह के झूठे बयान पर उन्हें गिरफ्तार किया. उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईडी ने केजरीवाल को तेदेपा के सांसद के बयान पर गिरफ्तार किया था. तेदेपा सत्तारूढ़ एनडीए का घटक दल है. सुनीता केजरीवाल ने लोगों से अपने पति का समर्थन करने का अनुरोध किया.

हाथरस भगदड़ कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)। यूपी के हाथरस में दो जुलाई को मची भगदड़ के मामले में मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर को हाथरस पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

बसपा नेता की हत्या में आठ पकड़े गए

चेन्नई। बसपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में कम से कम आठ संदिग्धों को पकड़ा गया है. इस बीच, बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने नेता की मौत पर गहरा दुख दुख व्यक्त किया है.

कश्मीर में आतंकी मुठभेड़, सैनिक शहीद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया. सेना पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश में जुट गयी है.

मैं चुनावी दौड़ से बाहर नहीं: बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुई पहली बहस में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके चुनावी दौड़ से बाहर होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें मुकाबले से बाहर होने के लिए राजी कर सकते हैं. **-पेज 12 भी देखें**

1,84,268 कर्मी दूसरे स्थानों से, निजी क्षेत्र में 75% आरक्षण लागू करना चुनौती

राज्य के निजी क्षेत्रों में कार्यरत 2,30,156 कर्मचारियों में सिर्फ 45,887 ही स्थानीय

संडे खास

रवि भारती। रांची

झारखंड के निजी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों में से दो तिहाई बाहरी हैं. मात्र एक तिहाई लोग ही स्थानीय हैं. संख्या के हिसाब से बात करें, तो राज्य की विभिन्न कंपनियों काम कर रहे कुल 2,30,158 कर्मचारियों में से मात्र 45,887 कर्मचारी ही स्थानीय हैं. बाकी बचे 1,84,268 कर्मचारी दूसरे स्थानों के हैं.

बता दें कि राज्य सरकार ने निजी क्षेत्र की कंपनियों और प्रतिष्ठानों में नौकरी के लिए 75 फीसदी आरक्षण स्थानीय लोगों को देने के लिए एक्ट बनाया है, लेकिन इस नियम का पालन कहीं नहीं हो रहा है. जबकि यह नियम 12 सितंबर 2022 से राज्य में लागू है. इस नियम के तहत प्रावधान है कि वैसी निजी कंपनियां या प्रतिष्ठान जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, उन कंपनियों और प्रतिष्ठानों को झारनियोजन के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना आनिवार्य है. अगर इन संस्थानों में कोई भी वैकेंसी निकाली जाती है, तो 40 हजार तक के पदों पर नियुक्ति में 75 फीसदी स्थानीय को ही नियुक्त करना है.

झारखंड में हैं कुल 6998 नियोक्ता

बता दें कि झारखंड में कुल 6998 नियोक्ता हैं. इन नियोक्ताओं ने मौजूदा समय में सिर्फ 45,887 स्थानीय लोगों को ही नौकरी दी है. इसमें 36,677 स्थानीय पुरुष कर्मचारी हैं, जबकि महिला स्थानीय कर्मचारियों की संख्या 9210 ही है. बात करें दूसरे राज्यों के कर्मचारियों की, तो इस कटेगरी में पुरुष कर्मचारियों की संख्या 1,60,458 है. जबकि दूसरे स्थानों की महिला कर्मचारियों की संख्या 23,003 है.

निजी क्षेत्रों में किस साल कितने को मिली नौकरी

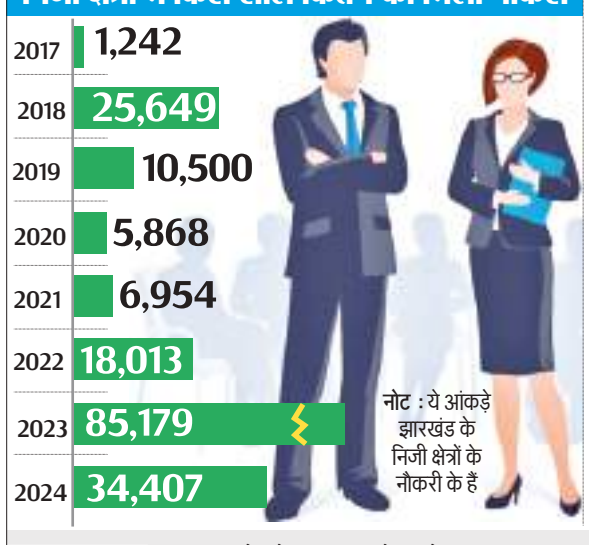

झारखंड के निजी क्षेत्रों में कैसा रहा है सैलरी का ट्रेंड

कैटेगरी	कर्मचारी
12 हजार से अधिक	81,234
14 से 16 हजार	33,937
16 से 18 हजार	19,848
18 से 20 हजार	13,309
20 से 25 हजार	16,585
25 से 30 हजार	14,973
30 से 35 हजार	9,719
35 से 40 हजार	6,010

क्या है निजी उद्योगपतियों का तर्क

निजी क्षेत्र में स्थानीय नियोजन में 75 फीसदी आरक्षण नियम को लेकर उद्योगपतियों के अपने तर्क हैं. इस नियम की वजह से कुशल मजदूर मिलने में कठिनाई हो रही है. नियम की वजह से लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों में छंटनी का डर सताने लगा है. जिससे ऐसे संस्थानों का कामकाज प्रभावित हो रहा है. स्थानीय कर्मचारी ज्यादा दिन तक श्रम कानूनों के मुताबिक काम नहीं करते हैं. जब तक झारखंड कुशल मजदूर तैयार करने में सक्षम नहीं होता, तब तक 75 फीसदी स्थानीय मजदूर रखने की बाध्यता शिथिल होनी चाहिए.

23 जुलाई को बजट पेश करेंगी वित्त मंत्री

नयी दिल्ली। देश में 18वीं लोकसभा के गठन के बाद अब मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है. केंद्रीय बजट 2024 की तारीखों का ऐलान भी हो गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करेंगी. दरअसल, 18वीं लोकसभा का पहला सत्र समाप्त हो चुका है. इसमें नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण हुआ और संसद की संयुक्त बैठक हुई थी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया था.

- तारीखों का ऐलान, 22 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का बजट सत्र

अब सबकी निगाहें बजट सत्र पर टिकी हैं. 22 से 12 अगस्त तक संसद सत्र चलेगा. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बजट सत्र की जानकारी एक्स हैंडल पर दी. उन्होंने बताया, सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. केंद्रीय बजट 2024-25, 23 को लोकसभा में पेश किया जाएगा.

बजट से इसलिए भी अधिक उम्मीदें हैं क्योंकि राष्ट्रपति ने संसद के अपने संयुक्त संबोधन में कहा था कि इस बार कई ऐतिहासिक कदम देखने को मिलेंगे. उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में तेजी से सुधार होने की भी बात कही थी.

अहमदाबाद में प्रतिपक्ष ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अयोध्या में हराया, गुजरात में भी भाजपा को हराएंगे: राहुल

एजेंसी। अहमदाबाद

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव में भाजपा को उसी तरह हराएगी, जैसे उसने हालिया लोकसभा चुनाव में अयोध्या में उसे हराया. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की.

गांधी ने कहा, भाजपा ने हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचा कर हमें चुनौती दी है. मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिल कर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे, जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है. यह लिख कर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेंद्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नयी शुरुआत करेगी. बता दें कि अहमदाबाद के पालडी इलाके में कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव गांधी भवन के बाहर दो जुलाई को कांग्रेस और भाजपा के सदस्यों के बीच उस समय झड़प हो गई थी, जब भाजपा की युवा शाखा के सदस्य हिंदुओं के बारे में गांधी की टिप्पणी का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे. राहुल ने इसी घटना का जिक्र करते हुए यह बात की.

राम मंदिर के कार्यक्रम में अडानी-अंबानी दिखे लेकिन आडवाणी नहीं

राहुल ने कहा, आपने भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को रथयात्रा में रथ पर देखा था, मोदी ने मदद की थी, ये कहा जाता है. मैं पार्लियामेंट में सोच रहा था कि राम मंदिर के कार्यक्रम में अडानी-अंबानी दिखे, लेकिन गरीब नहीं दिखे. आडवाणी नहीं दिखे. मंदिर से भाजपा ने राजनीति की शुरुआत की, पर अयोध्या हार गए. मुझे बताया गया कि अयोध्या में बहुत लोगों से जमीन ली गई, दुकानें तोड़ी और उन्हें मुआवजा नहीं मिला. एयरपोर्ट बना, किसानों की जमीन गई, सही मुआवजा नहीं मिला. अयोध्या की जनता को गुस्सा आया कि राम मंदिर के उद्घाटन में अयोध्या का कोई नहीं था.

विडंबना एनसीआईएसएम ने आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा और सोवा-रिग्पा के लिए 'नेक्स्ट' परीक्षा का निर्णय लिया है

मेडिकल एजुकेशन के साथ लाखों छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

डॉ अनुज कुमार

एक जरूरी खबर, जो मेन स्ट्रीम मीडिया से लगभग गायब है. पढ़िये और समझिए कि मेडिकल एजुकेशन के साथ-साथ लाखों छात्रों के भविष्य के साथ कैसे मनमाने ढंग से खेला जा रहा है. नेशनल कमिशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने आयुर्वेदिक, यूनानी, सिद्धा और सोवा-रिग्पा के छात्रों के लिए 'नेक्स्ट' परीक्षा का निर्णय लिया है. यानी अपनी ग्रेजुएशन की सारी पढ़ाई पूरी कर लेने के बाद, फाइनल परीक्षा पास करने के बाद छात्रों को फिर से एक परीक्षा देनी होगी, ताकि वो प्रैक्टिस कर सकें या पीजी में एडमिशन ले सकें. किसी भी अन्य कोर्स में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है.ऐसे में ...

- **पहला सवाल** यह है कि मेडिकल एजुकेशन में ही छात्रों पर यह अतिरिक्त परीक्षा का बोझ क्यों?
- **दूसरा सवाल** कि अपने नोटिफिकेशन में एनसीआईएसएम ने कहा है कि जिन छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप 20 दिसंबर 2023 को या इसके बाद शुरू की, उन्हें ये परीक्षा देनी होगी. इसका मतलब ये हुआ कि 2016/ 2017 / 2018 बैच के कुछ छात्र 'नेक्स्ट' परीक्षा देंगे और कुछ नहीं. यानी एक ही बैच के छात्रों पर दो अलग-अलग नियम लागू होंगे. ये कैसे तर्क संगत है. क्या एनसीआईएसएम के पास इसका जवाब है?
- **तीसरा सवाल** कि इन सारे बैच के छात्रों ने जब एडमिशन लिया, तो उन्हें कुछ और जानकारी थी कि जिस कोर्स में उन्होंने एडमिशन लिया, उसमें क्या-क्या परीक्षाएं उन्हें देनी होंगी. छात्रों के एडमिशन लेने के बाद उनके माथे पर एक और परीक्षा को जबरन ला के रख दिया गया. ये नैसर्गिक न्याय नहीं. अगर परीक्षा लेनी ही थी, तो नये सत्र से क्यों नहीं लागू किया जा रहा? एनसीआईएसएम को अचानक इतनी क्या जल्दी आ पड़ी कि पिछले सत्र के छात्रों पर भी इसे लागू कर दिया. किसी कोर्स में जब कोई छात्र एडमिशन ले रहा है, तभी उसे स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि उसे क्या-क्या परीक्षा देनी है. अचानक सरकार जागती है और बीच सत्र में इतना बड़ा परिवर्तन कर देती ही. ये कैसे उचित है?
- **चौथा सवाल** कि एमबीबीएस के छात्रों पर भी 'नेक्स्ट' परीक्षा लागू होनी थी, लेकिन उसे टाल दिया गया. पर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन में इसको आनन-फानन में लागू कर दिया गया. इसकी वजह क्या है? क्या यह वजह है कि बड़े-बड़े अधिकारियों और मंत्रियों के बच्चे अल्टरनेटिव मेडिसिन में नहीं, बल्कि एमबीबीएस का कोर्स करते हैं. मेडिकल एजुकेशन में एक समान नियम सरकार क्यों नहीं ला पा रही है? इसकी क्या वजह है?
- **पाचवां सवाल** कि सारा बोझ बच्चों पर क्यों? अगर किसी कॉलेज के 50 फीसदी से ज्यादा बच्चे 'नेक्स्ट' परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होते हैं, तो एनसीआईएसएम उस कॉलेज पर क्या कर्रवाई करेगा? क्या एनसीआईएसएम ने इसको लेकर कोई रूपरेखा बनायी है? अगर नहीं बनायी है, तो इसका मतलब स्पष्ट है कि इस परीक्षा का उद्देश्य शिक्षा के स्तर को सुधारना नहीं, बल्कि मात्र एक खानापूर्ति है, जो सिर्फ छात्रों की मानसिक और आर्थिक परेशानी को बढ़ायेगा. सरकार को चाहिए कि इस नोटिफिकेशन को तत्काल रद्द करे. अगर इसे लागू करना भी है, तो नये सत्र से करे और वो भी इस परीक्षा के सही उद्देशों को स्पष्ट करने के बाद. मेडिकल एजुकेशन और हेल्थ पॉलिसी को लेकर सरकार को और काफी ज्यादा सजग और संजीदा होने की आवश्यकता है.

(डॉ. अनुज कुमार पेशे से एक मैक्सिलोफेशियल सर्जन और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट हैं.)

नीट यूजी की काउंसलिंग टली जल्द घोषित होंगी नई तिथियां

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट यूजी काउंसिलिंग को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है. एनटीए ने शनिवार को होने वाली काउंसलिंग टाल दी. शिक्षा मंत्रालय जल्द ही नई संशोधित तारीखों की घोषणा करेगा. यह स्थगन तब हुआ, जब सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग में देरी करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह कोई खुली और बंद प्रक्रिया नहीं है. कोर्ट ने दोहराया था कि नीट यूजी काउंसलिंग को रोका नहीं जाएगा. सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई सोमवार करेगा. जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस असदुद्दीन इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं.

इससे पहले शुक्रवार को केंद्र ने परीक्षा रद्द न करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था. सरकार ने कहा था नीट की परीक्षा रद्द नहीं की जा सकती, इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों के भविष्य पर उल्टा प्रभाव पड़ेगा.

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मामले की सुनवाई

कांग्रेस ने कहा-पीएम और शिक्षा मंत्री असंवेदनशील

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित होने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, पूरा नीट यूजी मामला हर दिन बदतर होता जा रहा है. इससे साफ होता है कि प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री इस मामले में कितने अक्षम और असंवेदनशील हैं. हमारे लाखों युवाओं का भविष्य उनके हाथों में बिल्कुल सुरक्षित नहीं है.

दूसरे राज्यों में छिप नहीं पाएंगे क्रिमिनल, हवाई जहाज से जाकर दबोचेगा जांच दल

प्रमुख संवाददाता। रांची

गृह, कारा व आपदा प्रबंधन विभाग ने अपराध पर नियंत्रण, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने और व्यापक न्यायहित में समय की बचत के लिए हाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया था. प्रस्ताव में कहा गया था कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से अपराधों की जांच करने वाली पुलिस टीमों को वायुयान यात्रा की अनुमति दी जाए. इस पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस सुविधा का उपभोग तभी किया जाय, जब यात्रा का गंतव्य बिंदू सड़क मार्ग से 400 किलोमीटर से अधिक हो, बशर्ते हवाई यात्रा से पूर्व विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रधान संचिव

या सचिव से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा.

क्या था गृह विभाग का प्रस्ताव

गृह, कारा व आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया गया था कि राज्य में विभिन्न अपराध की घटनाओं में दर्ज किए गए मामलों की संख्या के साथ-साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले में भारी वृद्धि हुई है. अपराधी द्वारा सिम कार्ड उपयोगकर्ता बैंक खाताधारक और आईपी पते द्वारा देश के विभिन्न स्थानों से साइबर अपराध किया जाता है. डिजिटल डाटा को आसानी से

- 400 किलोमीटर से अधिक दूर जाने पर मिलेगी हवाई यात्रा की सुविधा
- अविलंब गिरफ्तारी और सजा दिलाने में होगी समय की बचत
- हवाई यात्रा की सुविधा देश की सीमा के अंदर ही अनुमान्य होगी
- गृहकारा-आपदा प्रबंधन विभाग के प्रस्ताव पर लगी मुहर, संकल्प जारी

हेरफेर किया जा सकता है या मिटाया जा सकता है. विभिन्न अपराध के अपराधियों को दूर-दराज एवं भीड़-माड वाली जगहों से सड़क या रेल मार्ग से ट्रांजिट रिमांड पर लाना असुरक्षित और जोखिम भरा है. लंबी यात्रा में अतिरिक्त पुलिस बल और अधिक खर्च की संभावना रहती है. देश के अन्य हिस्सों में अपराधियों को गिरफ्तार किये जाने पर स्थानीय मजिस्ट्रेट द्वारा अनिच्छा से अक्सर 24-48 घंटे से अधिक लंबी अवधि का ट्रांजिट रिमांड दिया जाता है, जिससे गिरफ्तार अभियुक्त को वापस लाना मुश्किल होता है.

वर्तमान में हवाई यात्रा के ये हैं हकदार

- लेवल 15, लेवल 16 एवं लेवल I 17 का वेतनमान प्राप्त करने वाले सरकारी अफसर एक्जेक्यूटिव श्रेणी में यात्रा के हकदार
- लेवल 12, लेवल 13, लेवल 13ए एवं लेवल 14 का वेतनमान प्राप्त करने वाले इकोनोमी श्रेणी में यात्रा के हकदार होंगे
- लेवल 10 व लेवल 11 का वेतनमान प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों को वायुयान से इकोनोमी श्रेणी में यात्रा की अनुमति विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रधान सचिव या सचिव के द्वारा शर्तों के अधीन दी जा सकेगी. जिसमें इस प्रावधान का उपयोग अत्यंत ही विशेष परिस्थिति में किया जाय. यात्रा व्यय मद में उपबंधित राशि को भी ध्यान में रखा जाय. स्वीकृति आदेश में अत्यंत विशेष परिस्थिति को स्पष्ट किया जाय

इन शर्तों पर मिली है हवाई यात्रा की स्वीकृति

- विभिन्न अपराधों से संबंधित वादों की जांच के लिए पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल एवं गिरफ्तार आरोपी व अभियुक्त को वायुयान से यात्रा के लिए महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी प्रमुख व निगरानी प्रमुख से अनुमति अनिवार्य होगी
- वायुयान से यात्रा की सुविधा का उपयोग केवल तभी किया जाएगा, जब ऑपरेशनल जस्टिफिकेशन सक्षम प्राधिकार द्वारा अनुमोदित किया गया हो
- इस तरह की यात्रा की अनुमति देने वाले प्राधिकार यह सुनिश्चित करेंगे कि जांच के लिए गठित पुलिस टीम में आवश्यकता के अनुरूप व न्यूनतम व्यक्ति अनुमान्य किए जाय
- हवाई यात्रा देश की सीमा के अंदर ही अनुमान्य होगी
- वायुयान से यात्रा की अनुमति के पूर्व प्रारंभिक जांच से संतुष्ट होकर ही अनुमति दी जाए
- वायुयान यात्रा के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा कि समान परिस्थितियों में न्यूनतम किराया वाली हवाई यात्रा का चयन किया जाय

ब्रीफ खबरें

सीएम हेमंत से मिलीं डॉ. अजिता भट्टाचार्य

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ. अजिता भट्टाचार्य ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी.

10वीं व 12वीं की पूरक परीक्षा की तिथि जारी

रांची। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने 10 वीं और 12 वीं की पूरक परीक्षाओं की तिथि की घोषणा कर दी है. 10 वीं की पूरक परीक्षा नौ से 13 जुलाई तक चलेगी. वहीं 12 वीं की पूरक परीक्षा नौ से 16 जुलाई तक चलेगी. 10वीं और 12वीं की परीक्षा दो पालियों में होगी. पहली पाली की परीक्षा सुबह सुबह 9:45 बजे से दोपहर एक बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी.

10वीं की पूरक परीक्षा नौ से 13 जुलाई तक चलेगी. नौ से 16 जुलाई तक होगी12वीं की पूरक परीक्षा

सचिव ने 18 जुलाई को समीक्षा बैठक बुलायी

रांची। पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक 18 जुलाई को बुलायी है. बैठक में खेल निदेशक, पर्यटन निदेशक और सांस्कृतिक निदेशक भी शामिल रहेंगे. इस बैठक में 12 बिंदुओं पर समीक्षा की जाएगी. इनमें स्वीकृत / निर्मित प्रखंड स्तरीय स्टेडियम की डिटेल रिपोर्ट, जहां रिपेयरिंग/रेनोवेशन की जरूरत हो, उससे जुड़ा प्रस्ताव, सिदो कान्हू युवा क्लब निबंधन की मौजूदा स्थिति, जहां-जहां प्रखंड स्तरीय स्टेडियम नहीं है, उसके प्रस्ताव की समीक्षा की जाएगी. इस संबंध में विभाग ने पांच जुलाई को पत्र जारी किया है.

सत्र के दौरान अफसर रहें उपस्थित : दादेल

रांची। कैबिनेट विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने आदेश जारी कर कहा है कि आठ जुलाई को होने वाले विधानसभा के 16वां सत्र के दौरान सभी पदाधिकारियों को दिन के 11 बजे उपस्थित रहना अनिवार्य है. विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने तक सभी पदाधिकारी सदन की दीर्घा में मौजूद रहेंगे. बताते चलें कि आठ जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विश्वासमत हासिल करेंगे.

चैंबर के स्टार्टअप कॉन्क्लेव मों कैश डॉटकॉम के सीईओ ने कहा

युवा, स्टार्टअप करें रिस्क लें सफलता हर हाल में मिलेगी

रेहान अहमद। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वावधान पर शनिवार को आर्यभट्ट सभागार में झारखंड में स्टार्टअप के क्षेत्र में बेहतर इकोसिस्टम स्थापित करने के उद्देश्य से स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश्पोद्दार, स्टार्टअप के चेयरमैन अमित अग्रवाल, रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, आईटी सचिव विपरा भाल, इंद्रजीत यादव, चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री आदि अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया. कैश डाटकाम के सीईओ सुजाता बसु ने कहा कि जॉब छोड़ कर नौकरी कर रहा हूं. मुंबई में ऑफिस है. जिन्होंने तय कर लिया स्टार्टअप करना है, तो रिस्क लेना है, बिना रिस्क के कोई सक्सेस नहीं मिल सकता है. महेंद्र सिंह धौनी ने रिस्क लिया तो आज उनसे रांची व झारखंड की अलग पहचान है, वे एक ब्रांड एंबेस्डर हैं. वे एक बड़े हीरो हैं. उसी तरह हम आप सभी को सक्सेस के लिए रिस्क लेने की जरूरत है.

2023 झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी बनी है : आईटी सचिव

आईटी सचिव विपरा भाल ने कहा कि 2023 झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी बनी है. यह पॉलिसी पूरी तरह से ट्रांसपैरेंट होगा और फ्रेंडली होगी, जिससे स्टार्टअप करने वालों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे.

युवाओं को लाभ होगा, राज्य विकास की ओर अग्रसर होगा : किशोर

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा कार्यक्रम चैंबर की पहल पर राज्य में आयोजित

कॉन्क्लेव में शामिल सीएम हेमंत सोरेन और कंपनियों के पदाधिकारी.

बस लोग अपने स्टार्टअप को पहचानें और आगे बढ़ें : डॉ उरांव

इस अवसर पर वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि रोजगार, नौकरी 2 सेक्टर होते हैं. गारमेंट सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर होते हैं. आजादी से पहले गारमेंट सेक्टर में बहुत नौकरियां थीं, तब प्राइवेट सेक्टर नहीं थे. लेकिन इस समय प्राइवेट सेक्टर अन लिमिटेड नौकरियां हैं. बस लोग अपने स्टार्टअप को पहचानें और आगे बढ़ें. मौके पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मौके पर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, उत्तर प्रदेश, कोलकाता समेत अन्य राज्यों के बिजनेस मैन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में अपने विचार साझा किये. मौके पर बड़ी संख्या में राजधानीवासी शामिल थे.

दूसरी जगह काम के लिए जाते हैं, उन्हें रोकें : डॉ महुआ

राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी ने कहा कि अपने झारखंड राज्य के लोग दूसरे जगह काम के लिए जाते हैं. उन्हें यहां रोका जाये और यहां कैसे रोजगार प्रदान करें, इस पर कार्य होने चाहिए. इस तरह अपना राज्य और तेजी से बढ़ेगा. कोलकाता में पूजा पंडाल में सजावट के निर्माण के लिए गांव की महिलाएं साल भर घर में उससे तैयार करती हैं, एक-एक पंडाल को तैयार करने में 30 से 35 लाख तक का खर्च आता है. झारखंड के गांव से दुर्गा पूजा के समय काम लिये जाये तो ये काम के लिए बाहर नहीं जाएंगे, उन्हें अपने राज्य में रोजगार मिल जाएगा. इस दिशा में पहल करने की जरूरत है.

किया गया. नौकरी कराना नहीं, नौकरी देने के लिये प्रयास किया है. यहां के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के अवसर दें, इस पर स्टार्टअप कॉन्क्लेव के आयोजन में कई सुझाव निकल कर आये हैं. इससे युवाओं को लाभ होगा और राज्य विकसित मार्ग की ओर अग्रसर होगा.

झारखंड में नए युग की शुरुआत हुई : अमित अग्रवाल

स्टार्टअप के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने कहा कि झारखंड में नये युग की शुरुआत हुई है. सरकार ने 2023 पॉलिसी बनायी है. 10,000 वर्गफीट में उद्योग सेंटर बनेंगे. इस तरह बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ा जायेगा.

चैंबर की अच्छी पहल : महेश

पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने कहा कि चीन में स्टार्टअप से बहुत विकास हुआ है, पूरे भारत में जोश का माहौल है, सभी में कुछ ना कुछ करने का हौसला है. स्किल में बदलाव हुआ है. रोजगार को बढ़ाने का अवसर है. चैंबर की यह बहुत अच्छी पहल है.

कुछ बनाने के लिए पैसे नहीं हिम्मत जरूरी : प्रभास

फिलिप कारबन के फाउंडर प्रभास निर्भय ने कहा कि 2014 में फिलिप कार्ड कंपनी शुरू किया. 2022 में झारखंड एंगल्स की शुरुआत की. कुछ बनाने के लिए पैसे नहीं हिम्मत की जरूरत होती है, हार्ड वर्क की नहीं स्मार्ट वर्क की जरूरत है. यदि हम सोचें की हम क्या दे सकते हैं, सिर्फ लेने वाली इच्छा को दूर करना होगा. हम खुद क्या कर सकते हैं, जब यह अपने में आ जाएगा तो सक्सेस मिल जाएगा.

स्टार्टअप की एडवाइजरी पर करते हैं पूरा सपोर्ट : आशीष

मुंबई एचडीएफसी बैंक के हेड आशिष अग्रवाल ने कहा कि स्टार्टअप से संबंधित ऑफर देते हैं. लीगल हैंड बुक तैयार किया है, इसमें इसकी जानकारी से लोग अवगत होते हैं. 15-20 सॉफ्टवेयर यूज करनी होती है. यदि कोई स्टार्टअप की एडवाइजरी के लिए आते हैं, तो उन्हें हम पूरा सपोर्ट करते हैं.

बेसिक प्रॉब्लम ढूंढ़ कर दूर करेंगे, तो सक्सेस मिलेगी : गर्ग

ग्रीप के फाउंडर (सीईओ) सनी गर्ग ने कहा कि बेसिक प्रॉब्लम ढूंढ़ कर उसे करना चाहिए. दिल्ली में 1 पीची हॉस्टल, फ्लैट ढूढने में लोग बहुत परेशान होते थे. हम लोगों ने इस प्रोबलम पर 20 बेड से 2017 में शुरुआत की. ढाई साल में 600 बेड हो गये. हमारी टीम ने लोन लिया, ढाई साल में चुका भी दिया. इस तरह हम आगे से आगे बढ़ते गये. उन्होंने कहा कि कॉलेज के युवा 18 से 26 की उम्र में स्टार्टअप शुरू करने का अवसर होता है. तभी सक्सेस मिलेगा.

अपने क्षमता को समझें, फोकस करें : कुणाल

बैमडर के फाउंडर कुणाल प्रसाद ने कहा कि 2010 से काम शुरू किया. बीआईटी मेसरा से मैकेनिकल की पढ़ाई की. आप अपनी क्षमता को समझें, क्या कर सकते हैं, उसी पर फोकस करें, आप को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है. मैकेनिकल की पढ़ाई के बाद भी मैंने एग्रीकल्चर में फोकस किया और सक्सेस मिला, क्योंकि मेरा यही लक्ष्य था और उसे मैंने अच्छी तरह समझा. इसके लिये अच्छी टीम भी जरूरी है, जुनून है, तो परेशानी दूर होगी नहीं तो खुद दूर हो जाएंगे.

कोर्ट की खबरें

ईडी कंप्लेन केस में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर सीएम हेमंत की याचिका पर 15 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन पर ईडी (इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर याचिका पर रांची सिविल कोर्ट में अब 15 जुलाई को सुनवाई होगी. एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और अगली सुनवाई के लिए 15 जुलाई की तिथि तय की है.

प्रथम दृष्टया कोर्ट ने माना कि हेमंत ने ईडी के समन का उल्लंघन किया : एमपी एमएलए के विशेष कोर्ट में चल रही सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. दरअसल जमीन घोटाला से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को अलग-अलग तारीख को 10 बार समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे. आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे,जिसे समन की अवहेलना माना गया है. इस मामले में हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट का भी रुख कर चुके हैं.

आलमगीर ने विस सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी

रांची। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम ने विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी है. इसे लेकर आलमगीर ने अपने अधिवक्ता के जरिये रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई होगी. टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने आलमगीर आलम को 15 मई को गिरफ्तार किया था. फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं. ईडी उनके खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल कर चुकी है, जिसपर कोर्ट जल्द संज्ञान ले सकता है.

मोदी सरनेम केस : राहुल के खिलाफ 29 जुलाई को पेश की जाएगी गवाही

रांची। रांची एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी से जुड़े एक मामले में गवाही की तिथि निर्धारित कर दी गयी है. शनिवार को कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ केस करने वाले शिकायतकर्ता को गवाह प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. अब इस मामले में कोर्ट 29 जुलाई को सुनवाई करेगा. दरअसल रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी नाम के व्यक्ति ने राहुल गांधी के खिलाफ मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर मानहानि का केस किया है. जिसपर रांची एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई चल रही है.

शाह मामले में राहुल के खिलाफ दायर याचिका पर कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व रायबरेली के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज केस में रांची सिविल कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई में रांची के एमपीएमएलए विशेष कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया था. अब तक कोर्ट को यह जानकारी नहीं मिली है कि राहुल गांधी को समन सर्व हुआ है या नहीं, क्योंकि कोर्ट को समन की सर्विस रिपोर्ट नहीं मिली है. राहुल के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने केस दर्ज कराया था.

संजीव लाल की बेल पर अब 13 को सुनवाई

रांची। टेंडर घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर अब 13 जुलाई को सुनवाई होगी. पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था. शनिवार को न्यायालय में सुनवाई नहीं होने के कारण अगली सुनवाई के किए तिथि मिली है.संजीव लाल ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है.

दुबई-हांगकांग में बैठकर ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

सौरभ सिंह। रांची

दुबई और हांगकांग में रहकर झारखंड में ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ सीआईडी ने लुकआउट नोटिस जारी किया है. दरअसल झारखंड में बीते कुछ महीने के दौरान हुई साइबर ठगी की वारदातों में विदेशी कनेक्शन सामने आया है. साइबर अपराधी विदेश में बैठकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं. ऐसे में सीआईडी ने विदेश में बैठे 12 साइबर अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया है, ताकि ये अपराधी अगर देश के किसी भी हिस्से के एयरपोर्ट पर नजर आयें, तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सके.

- विदेश में बैठकर झारखंड में ठगी कर रहे साइबर अपराधी
- सीआईडी ने 12 साइबर अपराधियों का लुकआउट नोटिस जारी किया

सीआईडी साइबर क्राइम ब्रांच को एयर सर्विस भी करायी जा रही मुहैया : देश के अलग-अलग हिस्सों से हाल के दिनों में साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की गयी है. इसके लिए सीआईडी की ओर से साइबर क्राइम ब्रांच को एयर सर्विस भी मुहैया करायी जा रही है, ताकि साइबर अपराधियों तक पहुंचने में देर ना हो. झारखंड पुलिस अब यूपी, असम, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी छापेमारी कर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर रही है. सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार, विदेश में बैठकर जितनी भी ठगी की जा रही है, उनमें से अधिकांश को टेलीग्राम ऐप द्वारा अंजाम दिया जा रहा है.

संकल्प जारी | झारखंड सेवा संहिता के नियम 21 के तहत हुई घोषणा

पेंशन, सांस्थिक वित्त, अंकेक्षण निदेशालय के हेड होंगे निदेशक

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार के वित्त विभाग के अधीन गठित निदेशालयों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट निदेशक ही होंगे. बताते चलें कि वित्त विभाग को पुनर्गठित करते हुए तीन निदेशालयों पहला, पेंशन व लेखा निदेशालय दूसरा कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय और तीसरा अंकेक्षण निदेशालय का गठन किया गया है. इन तीनों निदेशालयों के निदेशकों को विभागाध्यक्ष घोषित करने की आवश्यकता है, ताकि निदेशालय के निदेशक द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों का प्रयोग किया जा सके. इस आवश्यकता को देखते हुए पेंशन एवं लेखा निदेशालय, कोषागार एवं सांस्थिक वित्त निदेशालय तथा अंकेक्षण निदेशालय के निदेशकों को झारखंड सेवा संहिता के नियम 21 के तहत विभागाध्यक्ष घोषित किया गया है. वित्त विभाग ने इसका संकल्प जारी कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार निदेशकों को झारखंड सेवा संहिता, झारखंड वित्त नियमावली एवं झारखंड सरकार के अन्य नियमों एवं संहिताओं में प्रदत्त विभिन्न शक्तियों (प्रशासनिक एवं वित्तीय आदि) का प्रयोग करने की अनुमति दी गयी है.

वित्तीय प्रबंधन प्रणाली में भी हो चुका है संशोधन

इससे पहले वित्त विभाग वित्तीय प्रबंधन प्राणाली में संशोधन कर चुका है. नयी वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के तहत नेक्स्ट जेन इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (आइएफएमएस) सरकार द्वारा इस्तेमाल किया जाएगा. यह एक वेब-आधारित समाधान है. इसे राज्य में वित्तीय नियोजन और खर्च नियंत्रण में दक्षता लाने के लिए डिजाइन किया गया है. इस अत्याधुनिक पोर्टल ने विभिन्न हितधारकों जैसे वित्त विभाग, कोषागार, प्रशासनिक विभाग, महालेखाकार, आरबीआई और बैंकों को भूमिका आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड के साथ एक प्लेटफॉर्म में आ जाएंगे.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, रविवार 07 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 89 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सीआईडी डीजी ने जारी किया आदेश- एक जुलाई के पहले की घटना पर सिर्फ कानूनी प्रावधान आईपीसी से निर्धारित होगा

नये क्रिमिनल लॉ के तहत होगी एक जुलाई से पहले दर्ज केस की जांच

सौरभ सिंह। रांची

एक जुलाई से पहले हुई घटनाओं में दर्ज केस की जांच नये क्रिमिनल लॉ के तहत होगी. इसको लेकर सीआईडी डीजी ने पुलिस आदेश जारी किया है. इस आदेश पर डीजीपी का अनुमोदन प्राप्त है. पुलिस आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि एक जुलाई या उसके बाद कोई अपराध से संबंधित मामले में केस दर्ज किया जाता है, जिसमें घटना की तिथि एक जुलाई के पहले की है, तो कानूनी प्रावधान आईपीसी से निर्धारित होगा, लेकिन घटना का

अनुसंधान नये क्रिमिनल लॉ (बीएनएसएस) के तहत होगा.

असमंजस दूर करने के लिए जारी किया गया आदेश : इस आदेश को जारी करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि आपराधिक घटना के घटित होने की तिथि और आपराधिक घटना में केस दर्ज होने के संबंध में पुलिसकर्मियों के बीच जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, उसे दूर किया जा सके. उदाहरण के तौर पर अगर कोई घटना 30 जून को हुई और उस मामले को लेकर संबंधित थाने में केस एक जुलाई को दर्ज हुआ, तो उक्त केस आईपीसी के धारा के तहत भले ही दर्ज किया जायेगा, लेकिन इसका अनुसंधान नये क्रिमिनल लॉ के तहत किया जायेगा.

देशभर में एक जुलाई से लागू हो चुका नए क्रिमिनल लॉ : देश में एक जुलाई से नये आपराधिक कानून लागू हो गये हैं. इसके बाद आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सीआरपीसी की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को लागू किया गया है. पिछले साल ही संसद में पास होकर तीनों नये प्रावधान कानून का रूप ले चुके हैं.

भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस) में मुख्य परिवर्तन

- आईपीसी में धाराओं की संख्या 511 से घटा कर बीएनएस में 358 कर दी गयी है.
- **20 नये अपराधों को जोड़ा गया है.**
- कई अपराधों के लिए अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान किया गया है.
- **छह छोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है.**
- कई अपराधों में जुर्माना बढ़ाया गया है.
- **कई अपराधों में सजा की अवधि बढ़ा दी गयी है.**

जानें किस अपराध में कौन सी धारा लगेगी

हत्या :	धारा 103	लापरवाही से मौत :	धारा 106
हत्या का प्रयास :	धारा 109	आपराधिक षडयंत्र :	धारा 61
गैर इरादतन हत्या :	धारा 105	देश के खिलाफ युद्ध :	धारा 147, 148
दहेज हत्या :	धारा 80	मानहानि :	धारा 356
चोरी :	धारा 303	लूट :	धारा 309
दुष्कर्म :	धारा 64	डकैती :	धारा 310
छेड़छाड़ :	धारा 74	पुलिस रिमांड :	धारा 187(2)
धोखाधड़ी :	धारा 318		
पति द्वारा क्रूरता :	धारा 85		

हजारीबाग में दो युवकों ने फंदे से झूल कर दी जान

हजारीबाग। जिले के कोर्रा थाना क्षेत्र में दो दो छात्रों ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी. पहला मामला दीपूगढ़ा गोलंबर स्थित भगत सिंह कॉलोनी में सामने आया. यहां उदय मेहता के पुत्र कुणाल कुमार (18) ने अपने अपने घर पर फांसी लगा ली. बताया जाता है कि भाई से किसी बात पर बहस के बाद कुणाल ने अपने रूम में फांसी लगा ली. वहीं, सिंदूर में भी एक युवक ने फांसी लगा ली. मृतक की पहचान महेश यादव के पुत्र ऋतिक रौशन (20) के रूप में की गयी है. फांसी लगाने के कारण का पता नहीं चल सका है. पोस्टमार्टम के बाद दोनों मृतकों के परिजनों को शव सौंप दिया गया.

ब्रीफ खबरें

लोहरदगा के डीएफओ ने पदभार संभाला

लोहरदगा। जिले के नव पदस्थापित वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) अभिषेक कुमार ने शनिवार को पदभार संभाल लिया. निवर्तमान डीएफओ अरविंद कुमार ने उन्हें पदभार सौंपा. नये डीएफओ ने कहा है कि लोहरदगा जिला को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बढ़ावा देना और लकड़ी माफियाओं पर शिकंजा कसना पहली प्राथमिकता होगी. उन्होंने कहा कि जिलावासियों के साथ समन्वय स्थापित कर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने की कोशिश करेंगे.

बीएसएफ जवान की सड़क हादसे में मौत

मेदिनीनगर। सड़क दुर्घटना में बीएसएफ के जवान अमित शुक्ला (30) की मौत हो गई. अमित शुक्ला सदर प्रखंड के सिंगरा गांव निवासी उपेंद्र शुक्ला के पुत्र थे. जानकारी के अनुसार अमित शुक्ला के घर में चचेरे भाई की शादी है. इसी में शामिल होने के लिए वह छुट्टी लेकर घर आ रहे थे. शुक्रवार की रात 10 बजे छिंदवाड़ा कैंप से जम्मू रेलवे स्टेशन जाने के लिए जाइलो वाहन से निकले थे. इस क्रम में शनिवार की अहले सुबह चार बजे के करीब जम्मू के चिनैनी नासरी टनल में तेज रफ्तार जाइलो पलट गई. इस घटना में अमित शुक्ला की मौत हो गई.

भाजपा विधायक दल की बैठक आज होगी

रांची। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में रविवार की शाम सात बजे से भाजपा विधायक दल की बैठक होगी. इसमें पार्टी के सभी विधायक मौजूद रहेंगे. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि आज संथाल परगना घुसपैठियों की धरती बन गई है. आदिवासी समाज के जमीन पर घुसपैठिए कब्जा कर रहे. लव जिहाद, लैंड जिहाद चरम पर है. सीएनटी एसपीटी एक्ट की सुरक्षा की बात करने वाले झामुमो को बताना चाहिए कि इतने कब्रिस्तान किस एक्ट के तहत बने.

गुमला के कुटमा-बामड़ा सड़क व हरिनाखाड़ इलाके में मिले केन बम

नक्सली साजिश विफल 35 आईईडी हुए बरामद

संवाददाता। गुमला

भाकपा माओवादियों की साजिश को विफल करते हुए पुलिस ने नक्सलियों द्वारा प्लांट किये गये 35 आईईडी बरामद किये हैं. सभी बम निर्माधाधीन सड़क पर लगाए गए थे. बम निरोधक दस्ता ने सभी आइईडी को सुरक्षित निष्क्रिय कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार, नक्सल प्रभावित कुरुमगढ़ थाना क्षेत्र के कुटमा-बामड़ा सड़क से बीते शुक्रवार को पुलिस ने पांच आईईडी बरामद किया था, जिसे बीती रात ही निष्क्रिय कर दिया.

वहीं हरिनाखाड़ इलाके से 30 आईईडी बरामद हुए, जिन्हें शनिवार को निष्क्रिय कर दिया गया. बताया जा रहा है कि माओवादियों ने पुलिस को निशाना बनाने के उद्देश्य से आईईडी प्लांट किया था. बता दें कि इससे पहले भी गुमला के कई गांवों में जमीन में गाड़े गए बम बरामद हो चुके हैं. यह इलाका माओवादियों के लिए सेफ जोन हुआ करता था. लेकिन, पिछले कुछ समय से माओवादियों की गतिविधियां थमी हुई हैं. पिछले साल भी इस इलाके में आईईडी बम की चपेट में पुलिस और ग्रामीण आ गए थे.

गुमला के हरिणाखाड़ जंगल में बरामद आईईडी.

जमीन से तार निकला देख ग्रामीणों ने दी थी सूचना

ग्रामीणों को जमीन से एक तार निकला हुआ दिखा था, जिसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी. सूचना पर गुमला पुलिस ने रांची से बम निरोधक दस्ता को बुलाया. इसके बाद टीम के साथ पुलिस गांव पहुंची और जांच की. जहां आईडी से जुड़े करीब पांच केन बम बरामद किये गये. बम निरोधक दस्ता ने सभी बमों को निष्क्रिय कर दिया.

बम डिफ्यूज करने के दौरान विस्फोट से थर्रा उठा इलाका

केन बमों को बरामद किए जाने के बाद पुलिस टीम ने एक-एक कर हरिणखाड़ जंगल में सभी बमो को डिफ्यूज कर दिया. इस दौरान विस्फोट की आवाज से पूरा इलाका थर्रा उठा. विस्फोट की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण पुलिस व नक्सली के बीच मुठभेड़ की आशंका से भयभीत हो गये. सभी अपने-अपने घरों में दुबक गए. कुछ समय बीतने के बाद जब उन्हें सच्चाई का पता चला, तो फिर से अपने दिनचर्या के कामों में जुट गए.

सफलता

- बम निरोधक दस्ता ने सभी बमों को सुरक्षित निष्क्रिय किया
- इलाके में सर्च अभियान जारी रहेगा : एसपी

"भारी मात्रा में केन बम बरामद हुए हैं. सुरक्षा कारणों से टीम शुक्रवार की रात वापस लौट गई थी. फिर शनिवार को गांव में सर्च अभियान चलाया गया. इस दौरान कई केन बम बराद हुए. सभी बमों को सुरक्षित निष्क्रिय कर दिया गया है. ये बम कितने पुराने हैं, इसकी भी जांच की जाएगी. इलाके में सर्च अभियान जारी रहेगा.

– शंभू कुमार सिंह, एसपी, गुमला

कांटाघर के पास गोलीबारी शांति समिति का कर्मी घायल

घायल को लगी है दो गोली रिम्स में चल रहा है इलाज

रिम्स में इलाजरत घायल कर्मी.

संवाददाता। खलारी

सीसीएल एनके एरिया अंतर्गत पुरनाडीह परियोजना के कांटा घर के पास अपराधियों ने गोलीबारी की है. घटना शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे की है. गोलीबारी की इस घटना में परियोजना में संचालित शांति समिति का कर्मी कौशल यादव (45) घायल हुआ है. उसे एक गोली कंधा और दूसरी पीठ में लगी है. उसे डकरा स्थित सीसीएल सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है.

अपराधियों ने 8 से 10 राउंड चलायी गोली : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दो बाइक पर पांच नकाबपोश युवक आये थे. इन अपराधियों ने दशहत फैलाने के उद्देश्य से दौड़ा दौड़ा कर वहां मौजूद लोगों पर गोलीबारी की. अपराधियों ने करीब 8 से 10 राउंड गोलियां चलाई. इस घटना के बाद से कोयला व्यवसायियों, उनके स्टाफ और सीसीएल कर्मियों में दहशत का माहौल है. आशंका जताई जा रही है कि टीएसपीसी उग्रवादियों ने वारदात को अंजाम दिया है.

अपराधियों ने कोयला कारोबारी को मारी गोली, हालत गंभीर

- रांची के मेदांता अस्पताल में चल रहा घायल का इलाज
- अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी कर रही पुलिस

संवाददाता। रामगढ़

जिले के उरीमारी में शुक्रवार की देर रात कोयला कारोबार से जुड़े सयाल निवासी ओमप्रकाश साव को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी. घटना बीते शुक्रवार रात की है. गंभीर रूप से घायल कोयला कारोबारी का रांची के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है. जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब साढ़े नौ बजे ओमप्रकाश पोडा गेट पर कुछ काम से गए थे.

घायल ओमप्रकाश साव (फाइल फोटो)

इस बीच पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने ताबड़तोड़ तीन राउंड गोलीबारी की. इस हमले में एक गोली ओमप्रकाश के कमर में लगी और वह वहीं पर गिर गये. अपराधी उन्हें मरा हुआ समझ कर घटनास्थल से फरार हो गए. इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद भुरकुंडा पुलिस और ओमप्रकाश के परिजन मौके पर पहुंचे. गंभीर हालत में घायल कोयला कारोबारी को नजदीक के अस्पताल ले जाया गया. चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर ओमप्रकाश को रांची के मेंदाता अस्पताल रेफर कर दिया. इस घटना के बाद से क्षेत्र में भय का माहौल है और कोयला करोबार से जुड़े लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं. पुलिस ने जल्द ही अपराधियों को पकड़ने का दावा किया है. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है.

स्कॉर्पियो से 206 किलो गांजा बरामद

एक गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

लोहरदगा पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर कार्रवाई

नगड़ी में एक स्कॉर्पियो से 206 किलो गांजा बरामद हुआ है. लोहरदगा एसपी हरीश बिन जमा से मिले इनपुट पर रांची एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर रांची पुलिस ने शुक्रवार देर रात कार्रवाई की. पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार लोहरदगा निवासी सज्जाद अंसारी को गिरफ्तार किया है. एसएसपी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी.

बताया जा रहा है कि ओडिशा से स्कॉर्पियो में गांजा लोड कर लोहरदगा की तरफ लाया जा रहा था. जानकारी मिलने पर लोहरदगा पुलिस ने गांजा तस्करों का पीछा करना शुरू किया. इसके बाद तस्कर स्कॉर्पियो लेकर रांची जाने वाले रास्ता में भागने लगे. इस दौरान तस्करों की गाड़ी ने नगड़ी में एक कार को टक्कर मार दी. लोहरदगा पुलिस मौके पर पहुंची और रांची पुलिस को सूचना दी. रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो और गांजा को जब्त कर लिया.

नगड़ी के पास पकड़े गये स्कॉर्पियो में लदा गांजा.

भाकपा माओवादियों का कोल्हान बंद 10 को

जमशेदपुर। भाकपा माओवादी की दक्षिणी जोनल कमेटी ने 10 जुलाई को कोल्हान प्रमंडल बंद का आह्वान किया है. दक्षिणी जोनल कमेटी ने कहा है कि ऑपरेशन कगार के तहत झारखंड पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने लोवादा में ऑपरेशन क्लीन चला कर हमारे छह साथियों का नरसंहार किया है. इसके खिलाफ 10 जुलाई को 24 घंटे का कोल्हान प्रमंडल बंद बुलाया गया है. भाकपा माओवादियों ने कहा है कि 23 मई को लोवादा गांव के पास जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में कामरेड बुधराम को शारीरिक यातना देने के बाद सिर में गोली मार दी गई.

उद्घाटन से पहले ही जेल की दीवार में दरार

चक्रधरपुर में करोड़ों रुपये की लागत से डेढ़ दशक में बना जेल

- भवन निर्माण में घटिया सामान के इस्तेमाल का आरोप
- डेढ़ दशक से बन रहे जेल की हो रही रंगाई-पोताई

सुकेश कुमार। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले में कैदियों को रखने के लिए चक्रधरपुर स्थित नेशनल हाईवे के पास दूसरे जेल का निर्माण हो चुका है. इसकी रंगाई-पोताई का काम चल रहा है. करोड़ों रुपये की लागत से बने इस जेल के उद्घाटन से पहले ही भवन में दरारें पड़ने लगी हैं. अब आरोप लग रहे हैं कि डेढ़ दशक से बन रहे इस जेल के निर्माण में घटिया सामान का उपयोग किया गया है. इसी वजह से दीवारों में अभी से ही दरारें आ गई हैं.

अगस्त माह के अंत तक इस जेल का निर्माण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य है. बताया जाता है कि जेल के अंदर 300 कैदियों को रखने की क्षमता है. इसमें महिला कैदियों के लिए अलग से बैरक का निर्माण किया गया है. जेल में अस्पताल के अलावा महिला कैदी को काम सिखाने के लिए अलग से सेंटर बैरक का निर्माण किया गया है. वहीं पुरुष कैदियों के लिए फीडिंग प्लेटफॉर्म बनाया गया है.

चक्रधरपुर में नेशनल हाईवे के किनारे बना नया जेल.

बांग्लादेशियों को मार-मार कर संथाल से भगाएंगे : निशिकांत

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर विवादित बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को मार-मार कर संथाल परगना से भगाएंगे. उन्होंने कहा कि अगर हिंदू समुदाय मुसलमानों से परेशान होकर भी भाजपा के लिए वोट कर रहे हैं, तो उनके लिए नमो भवन बनवाएंगे. निशिकांत दुबे ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र में जहां-जहां भाजपा को 60 फीसदी से ज्यादा मत मिले, वहां पर 50 लाख से एक करोड़ की लागत से नमो भवन बनेंगे. वैसे बूथ, जहां पर मुस्लिम द्वारा हिंदुओं को प्रताड़ित किया जाता है और वहां भारतीय

जहां-जहां भाजपा को 60% वोट मिले, वहां बनाएंगे नमो भवन

नमो भवन बनेंगे. भाजपा सांसद ने कहा कि विपक्ष आरोप रहा है कि हम पक्षपात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस 75 साल में कई बार कर चुकी है.

यह घोषणा संविधान के विपरित नहीं : निशिकांत दुबे ने कहा कि यह घोषणा संविधान के विपरीत नहीं है. उन्होंने कहा कि हिंदू मुसलमान से प्रताड़ित होकर भी अगर कोई भाजपा को वोट देता है, तो वहां उन्हें विशेष सुविधा नमो भवन के जरिए जरूर देंगे और बांग्लादेशी घुसपैठियों को मार-मार कर संथाल परगना से भगाएंगे. झारखंड का मिथिलांचल कहे जाने वाले गोड्डा सीट से निशिकांत दुबे ने लगातार चौथी बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता है.

संथालपरगना में एक सीट पर ही भाजपा को जीती : बता दें कि संथालपरगना प्रमंडल में तीन लोकसभा और 18 विधानसभा सीटें आती हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा ने यहां से तीन में से दो सीटें जीती थीं, तो वहीं इस बार यहां से झामुमो ने दो सीटों राजमहल और दुमका पर कब्जा कर लिया, जबकि भाजपा केवल गोड्डा सीट ही जीत सकी.

हैप्पी बर्थडे माही पूर्व कप्तान के जन्मदिन को लेकर रांची से लेकर चेन्नई तक उत्सव का माहौल

आज 43 साल के हो जाएंगे क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी

शुभम किशोर। रांची

भारत के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी रविवार को 43 साल के हो जाएंगे. 7 जुलाई 1981 को धौनी का का जन्म तत्कालीन बिहार के रांची में हुआ. भारत ने महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में 2007 का टी 20 वर्ल्ड कप, 2011 का वनडे वर्ल्ड कप और 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम किया. साथ ही धौनी की कप्तानी में टीम इंडिया टेस्ट फॉर्मेट में नंबर वन बनी. धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. हालांकि, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना जारी रखा है.

बर्थडे के लिए 100 फीट का कटआउट लगाया गया : रांची के राजकुमार के जन्मदिन पर उनके होम टाउन रांची में तो उत्सव मनाया जाता है. धौनी की लोकप्रियता दक्षिण में भी बहुत है, खासकर चेन्नई में. उनके जन्मदिन को लेकर चेन्नई में उनके फैंस ने 100 फीट का कटआउट लगाया है. यह कटआउट सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है.

टी 20 वर्ल्ड कप जीतने पर कहा- शानदार बर्थडे गिफ्ट : भारत ने 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी का सूखा 2024 का टी 20 वर्ड कप जीत कर खत्म किया. धौनीने वर्ल्ड कप जीत को अपने जन्मदिन का अनमोल तोहफा बताया. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- अरे जन्मदिन के अनमोल तोहफे के लिए धन्यवाद. महेंद्र सिंह धौनी के जन्मदिन से आठ दिन पहले टीम इंडिया का टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतना, वास्तव में धौनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है.

धोनी का रिकॉर्ड

टेस्ट : एमएस धौनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैच खेले हैं. इन 90 टेस्ट मैचों में उन्होंने 59.1 की स्ट्राइक रेट से 4876 रन बनाए हैं. जिसमें 33 अर्धशतक और 6 शतक शामिल हैं.

वनडे : एमएस धौनीने अपने करियर में 350 वनडे मैच खेले हैं. इन मैचों में उन्होंने 87.6 की स्ट्राइक रेट से 10,773 रन बनाए हैं. इसमें 73 अर्धशतक और 10 शतक शामिल हैं. वनडे में एमएस धौनी का बेस्ट स्कोर नाबाद 183 रन है.

टी20 इंटरनेशनल : एमएस धौनी ने 98 टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेले हैं. इन मैचों में उन्होंने 126.1 की स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं.

आईपीएल : एमएस धौनी ने अब तक 264 आईपीएल मैच खेले हैं. इन मैचों में उन्होंने 137.5 की स्ट्राइक रेट से 5243 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

ट्रेन की चपेट में आकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

मेदिनीनगर। रेड़मा ओवर बृज के नीचे रेलवे ट्रैक पर शनिवार की सुबह करीब 5:00 बजे मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आकर एक अज्ञात व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. राहगीरों ने इस घटना की जानकारी रेलवे जीआरपी थाना को दी गई. घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी थाना प्रभारी अशोक कुमार और एएसआइ रविन्द्र उरांव घटना स्थल पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है. वही इस घटना के बाद से जीआरपी थाना की पुलिस अज्ञात मृत व्यक्ति के परिजनों का पता लगाने में जुट गई है.

सर्पदंश से वृद्ध अचेत सदर अस्पताल रेफर

बालूमाथ (लातेहार)। बारियातू

प्रखंड में गोनिया पंचायत के नावाडीह ग्राम निवासी रामेश्वर गंझू सर्पदंश से अचेत अचेत हो गया. इसके बाद उसे परिजनों के सहयोग से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया. यहां डॉ संजय कुमार सिद्धार्थ के द्वारा प्राथमिक इलाज किया गया. जांच के पश्चात मरीज की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

आरके इलेक्ट्रानिक दुकान का उद्घाटन

चंदवा (लातेहार)। शहर के थाना गेट के सामने शनिवार को आरके इलेक्ट्रानिक नामक एक प्रतिष्ठान का उदघाटन किया गया. युवा समाजसेवी रिकी वर्मा ने फीता काट कर प्रतिष्ठान का उदघाटन किया. उन्होने दुकान के मालिक रोनी रिहान को निरंतर आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी. रोनी रिहान एक लेखक भी हैं. उन्होने लोगों को आश्वस्त किया कि उनके प्रतिष्ठान में उचित मूल्य पर इलेक्ट्रानिक उपकरण ग्राहक को मिलेगा.

पीड़ित परिवार से मिले मंडल अध्यक्ष, ढांढस बंधाया

बालूमाथ (लातेहार)। पिछले दिनों बालूमाथ-मुरपा मार्ग में प्रसाद पेट्रोल पंप के पास हुई बाइक दुर्घटना में मारंगलोइया ग्रा निवासी मो राजिक मिया घायल हो गये थे. इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गयी. मौत की खबर पा कर भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा ने पीड़ित परिवार से मुलाात की और उन्हें ढांढ़स बंधाया. दुर्घटना के शिकार मो राजिक मिया घायल होने के बाद कई दिनों जीवन और मृत्यु के बीच लड़ाई लड़ने के बाद शुक्रवार को जीवन से जंग हार गया. उन्होने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की.

बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

मेदिनीनगर।चैनपुर थाना क्षेत्र के पुरबडीहा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में किन्नी गांव निवासी श्रीकांत पांडे की शनिवार की दोपहर मौत गई.जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर श्रीकांत पांडे डाल्टनगंज से बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे.इसी बीच रास्ते में पूर्वडीहा मोड़ के पास गढ़वा की और से आ रही पूर्णिमा नामक बस ने उन्हें धक्का मार दिया और वह मोटरसाइकिल सहित बस में फस गए.जिसमें उनकी स्थिति गंभीर हो गई. इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी चैनपुर थाना की पुलिस को दी गई.

लातेहार में 190 सालों से निकल रही है रथ यात्रा, भगवान जगन्नाथ आज देंगे भक्तों को दर्शन

रथ मेला आज, मौसीबाड़ी जाएंगे भगवान जगन्नाथ

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार में पिछले 190 सालों से भगवान जगन्नाथ, माता सुभ्रदा और भाई बलराम की रथ यात्रा निकाली जा रही है. इस बार भी रथ यात्रा की तैयारी कर ली गयी है.

बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि साल 1833 से लातेहार के बाजारटांड़ के प्राचीन शिव मंदिर परिसर से रथ यात्रा निकल रही है.

प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी मनोज दास शर्मा ने भी शुभम संदेश से बातचीत करते हुए बताया कि उनके पूर्वज महंत पूरनदास जी महाराज ने 1833 में प्राचीन शिव मंदिर से रथ यात्रा की शुरूआत की थी. प्राचीन शिव मंदिर का इतिहास दो सौ वर्षों से भी पुराना है. वह अंग्रेजों का समय था. इसी समय बाजारटांड़ से रथ यात्रा निकालने की परंपरा शुरू की गयी.

महंत पूरन दास जी के निधन के बाद उनके वंशज महंत शरण दास, महंत जनक दास, महंत यदुवंशी दास ने रथ यात्रा निकालने की जिम्मेवारी संभाली. साल 1970 से महंत मुनी दास जी महाराज ने यह जिम्मेवारी संभाली. दिवगंत मुनी दास जी प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी मनोज दास शर्मा जी के पिता हैं. पुजारी मनोज दास ने आगे बताया कि साल 1994 तक बाजारटांड़ परिसर से ही रथ यात्रा निकाली गयी. यहां से भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा व बलभद्र के विग्रहों को रथों पर आरूढ़ कराकर यह यात्रा निकाली जाती थी. नगर भ्रमण के बाद तीनों विग्रहों को धर्मपुर के मौसीबाड़ी ले जाया जाता था. नौ दिनों के बाद तीनों विग्रहों को पुनः बाजारटांड़ प्राचीन शिव मंदिर में लाया जाता था.

भगवान जगन्नाथ के पूजा-अर्चना करने पहुंचे श्रद्धालु.

वर्ष 1995 से ठाकुरबाड़ी से निकाली जा रही है रथ यात्रा

शहर के ठीक बीचोबीच मेन रोड में अविस्थत ठाकुरबाड़ी का साल 1995 में जीर्णोद्धार किया गया. उसके बाद से रथ यात्रा यहां से निकाली जाने लगी. तब से मंदिर समिति के संरक्षक योगेश्वर प्रसाद सपत्नीक यहां रथ यात्रा के मौके पर भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा और भाई बलराम की पूजा अर्चना करते आ रहे हैं. उन्होने बताया कि रथ यात्रा के एक दिन पहले नेत्र दान अनुष्ठान किया जाता है. आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से इस रथ यात्रा का आयोजन होता है. इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजते हैं. मान्यता है कि रथ यात्रा का साक्षात दर्शन करने भर से ही 1000 यज्ञों का पुण्य फल मिल जाता है.

संघ भवन निर्माण के लिए विधायक कोटा से दिए पांच लाख

पलामू में बनेगा सुसज्जित संघ का नया भवन : शशिभूषण मेहता

संवाददाता । मेदिनीनगर

पलामू जिला अधिवक्ता संघ कार्यालय में शनिवार को स्वागत समारोह आयोजित किया गया. समारोह की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव व संचालन उपाध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने किया. समारोह में पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया. मौके पर विधायक डॉ मेहता ने कहा कि पलामू अधिवक्ता संघ की स्थापना 1892 में हुई थी और उस समय का खपरैल भवन आज भी विद्यमान है. उन्होंने कहा कि कचहरी परिसर स्थित सभी भवन पक्के के हो गए लेकिन अधिवक्ता शंकाया भवन आज भी पुराना है जिसे बनाए जाने की जरूरत है. उन्होंने अब तक राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ता को 10 लाख का बीमा, 5 लाख तक का मेडिकल क्लेम के साथ ही अधिवक्ता कल्याण कोष गठन का मुद्दा विधानसभा का आगामी सत्र में उठाऊंगा. उन्होंने कहा कि मैं विधानसभा में अधिवक्ता संघ की आवाज बनेगा और इस चुनाव के बाद के सत्र में मेदिनीनगर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अधिवक्ता संघ भवन परिसर निर्माण के लिए अन्य जगहों पर बने अधिवक्ता संघ भवन से दोगुनी राशि स्वीकृत कराऊंगा. उनका प्रयास है कि जिला बेहतर हो. उन्होंने खपरैल भवन की मरमति के लिए विधायक कोटा से 5 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा की रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि पलामू जिला अधिवक्ता संघ का नया भवन बने इसके लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा. मौके पर विनोद तिवारी लाल प्रसाद यादव अधिवक्ता शिवकुमार तिवारी ने विधायक से आगरा किया कि जिस तरह दूसरे जिला में अधिवक्ता का अधिवक्ता संघ का भवन सुसज्जित बना है इस तरह यहां भी बने साथी उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विधायक को मंत्री के रूप में हम लोग देखना चाहते हैं. मौके पर संघ के महासचिव अजय कुमार पांडे, कोषाध्यक्ष जयकिशोर पाठक, सहायक कोषाध्यक्ष देव कुमार शुक्ला, संयुक्त सचिव नितिन कुमार पांडे, संयुक्त सचिव संतोष कुमार तिवारी, शंकर त्रिपाठी, संजय कुमार पांडे, प्रभु दयाल गुप्ता, वीरेंद्र कुमार तिवारी, ललित कुमार शुक्ला, उमेश कुमार, देवेंद्र कुमार पांडे, धीरज कुमार दुबे, गोपाल मिश्रा, सरजू प्रसाद चौबे, राहुल सत्यार्थी, श्याम बिहारी राय, ज्ञान रंजन, मुनव्वर जमा, राजेश दुबे, लाला प्रसाद यादव समेत कई अधिवक्ता मौजूद थे.

पांकी विधायक डॉ मेहता का स्वागत करते अधिवक्ता.

पंचायत प्रतिनिधियों ने भानु प्रताप को सौंपा मांग पत्र

मांग पत्र सौंपते पंचायत प्रतिनिधि.

भवनाथपुर। भवनाथपुर पंचायत समिति सदस्य संघ के प्रखंड अध्यक्ष चन्दन कुमार ठाकुर के नेतृत्व में भवनाथपुर प्रखण्ड के पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य एवं उप मुखिया का प्रतिनिधि मंडल ने भवनाथपुर विस क्षेत्र के विधायक भानु प्रताप साही से मुलाकात कर पंचायत प्रतिनिधियों के हित से जुड़ी चार सूत्री मांग पत्र सौंपा. सौंपे गए मांग पत्र में पंचायत प्रतिनिधियों ने लिखा है कि विधायक भानु प्रताप शाही द्वारा पिछले वर्ष झारखण्ड विधानसभा में पंचायत प्रतिनिधियों के मामला को पुरजोर तरीका से उठाने के बाद राज्य सरकार ने मानदेय लागू किया. लेकिन पंचायत प्रतिनिधियों को सरकार द्वारा दी जा रही मानदेय दैनिक मजदूरी दर से भी काम है. जिस से पंचायत प्रतिनिधियों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है. सौंपे गए मांग पत्र में राज्य के पंचायत प्रतिनिधियों को श्रम कानून के तहत मानदेय भुक्तान करने, राज्य के पंचायत समिति सदस्य को बीस से पच्चीस हजार, वार्ड सदस्य को पांच से दस हजार, उप मुखिया को दस से पन्द्रह हजार प्रतिमाह मानदेय हेतु सदन में मामला उठाने का आश्वासन दिया.

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन 10 से प्रारंभ होगा

लातेहार । मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जुलाई और अगस्त

महीने में बीपीएल धारी हिंदू, मुस्लिम और इसाई धर्मावलंबियों को गोवा, द्वारिका-सोमनाथ, अजमरे शरीफ-आगरा और फतेहपुर सिकरी का भ्रमण कराया जायेगा. इसको लेकर जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी सह जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) से बीपीएल श्रेणी के लाभुक तीर्थयात्रियों की सूची उपलब्ध कराने को कहा है. संजीत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन आगामी 10 जुलाई से हटिया-गोवा से प्रारंभ होगी. इसके बाद 20 जुलाई को हटिया-द्वारिका-सोमनाथ और दो अगस्त को हटिया- अजमेर-फतेहपुर सिकरी-आगरा के लिए यात्रा निकलेगी.

तीर्थयात्री प्रखंड, अनुमंडल या डीसी कार्यालय में जमा कर सकते हैं आवेदन : संजीत कुमार ने बताया कि वैसे प्रखंड जहां से पहले एक भी तीर्थयात्री यात्रा पर नहीं गये हैं, उन प्रखंडों से सूची मांगी गयी है. इसके तहत बालुमाथ, बारियातू, बरवाडीह, चंदवा, गारू, लातेहार, महुआडांड़ और मनिका से दो-दो और हेरहंज व सरयु से एक-एक लाभुकों की सूची मांगी है. तीर्थयात्रियों की उम्र 60 वर्ष से अधिक और झारखंड का निवासी तथा बीपीएल श्रेणी होना चाहिए. जिन तीर्थयात्री ने पहले इस योजना का लाभ नहीं लिया हो, उनके परिवार से एक और सदस्य शामिल हो सकते हैं.

सभी कार्यालय में है भ्रष्टाचार, बिना रिश्वत दिए काम नहीं होता: चौधरी

मेदिनीनगर सीओ को ज्ञापन सौंपते आजसू नेता.

संवाददाता । मेदिनीनगर

आजसू पार्टी ने आज मेदिनीनगर सदर प्रखंड में हल्ला बोल कार्यक्रम किया. कार्यक्रम में पलामू जिलाध्यक्ष दिलीप चौधरी, केंद्रीय समिति सदस्य चंद्रशेखर सिंह छोटू, केंद्रीय सचिव बबलू गुप्ता, संजू सिंह, प्रमिला देवी, अभिषेक राज आदि शामिल थे. जिलाध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि पलामू जिला के लगभग सभी प्रखंड मुख्यालय में पदाधिकारियों का कार्य संतोषजनक नहीं है.

लोग कार्यालय का चक्कर लगाते लगाते थक जाते हैं फिर भी बिना रिश्वत दिए काम नहीं होता. यह वर्तमान सरकार की असफलता एवं कमजोर नीति का परिणाम है. उन्होंने कहा कि हल्ला बोल कार्यक्रम के माध्यम से पदाधिकारी को चेतावनी दी जाती है जनहित में कार्य करें. वृद्धा पेंशन, अबुआ आवास जेनुइन व्यक्ति को मिलना चाहिए.

केंद्रीय सदस्य चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार की सभी योजनाएं फेल हैं जनता के काम कम और नेताओं का काम ज्यादा होता है. जिला उपाध्यक्ष विशाल वर्मा ने कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार से प्रदेशवासी हताश और निराशा हैं. छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा कि आजसू पार्टी झारखंड के सभी प्रखंडों में जाकर जनता को बताने और जागने की काम कर रही है कि यह सरकार जनता के भावनाओं से खिलवाड़ कर रही है.

जिलाध्यक्ष ने मां के नाम पर लगाया पौधा

लातेहार। पर्यावरण रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां के नाम पर पौधे लगाने की अपील देशवासियों से की है. भाजपा नेता व कार्यकर्ता एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं. शनिवार को भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष बबन कुमार पासवान ने अपनी मां के साथ आम का पौधारोपण किया. मौके पर पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण रक्षा के लिए एक पौधा अपनी मां के नाम पर लगाने की अपील की है. आज पूरा विश्व असंतुलित होते पर्यावरण के कारण चिंतित व परेशान है. कहीं बाढ़ है तो कहीं सूखा है. गरमी प्रति वर्ष बेतहाशा बढ़ती जा रही है. यह सब असुलित पर्यावरण के कारण ही हो रहा है.

भारत के महान क्रांतिकारी थे डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी: प्रवीण सिंह

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी में बोलते प्रवीण सिंह.

संवाददाता । लातेहार

पूर्व एमएलसी सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रवीण सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत के एक महान क्रांतिकारी थे. उन्होंने शिक्षा का अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया था. वे सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे. भारतीय जन संघ के फाउंडर होने के साथ-साथ आजाद भारत के पहले उद्योग व आपूर्ति मंत्री थे. श्री सिंह शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती के मौके पर आयोजित संगोष्ठि को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने किया. आगे कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़े थे लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ विचारों के टकराव के कारण वो पार्टी से अलग हो गए थे. प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजधनी प्रसाद यादव ने कहा कि डा मुखर्जी एक कुशल संगठनकर्ता थे और राजनीति के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया. झारखंड का सिंदरी खाद कारखाना डॉ मुखर्जी की देन है. डॉ मुख़र्जी जनसंघ काल स्थापना से ही जम्मू कश्मीर में लागू धारा 370 का प्रबल विरोध किया था. पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने कहा की डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1946 में बंगाल के विभाजन की मांग की ताकि मुस्लिम बहुल पूर्वी पाकिस्तान में इसके हिंदू बहुल क्षेत्रों को शामिल करने से रोका जा सके.

समीक्षा बैठक झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने की समीक्षा बैठक

लोगों को मिले कल्याणकारी योजनाओं का लाभ: खान

प्रतिनिधि । मेदिनीनगर

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग की तीन सदस्यीय समिति टीम ने शुक्रवार की शाम स्थानीय परिसदन में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं की जिलास्तरीय समीक्षा बैठक की. टीम में आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, सदस्य डॉ. एम तौसीफ व कारी बरकत अली मौजूद थे. अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने पदाधिकारी को सभी विभागों मे चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं में अल्पसंख्यकों को उनके जनसंख्या के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

आयोग ने सभी विभागों में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए चलाये जा रहे योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी ली. उन्होंने कहा कि झारखण्ड के समस्त 24 जिलों में आयोग की टीम द्वारा समीक्षा बैठक की जा रही है. सदस्य डॉ. एम. तौसीफ ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी अपनी रिपोर्ट लेकर आयोग के समक्ष पेश हुए और सभी ने विस्तार के साथ किए गए कार्यों को रखा. अधिकतर विभागों में बहुत अच्छा काम हुआ है कुछ विभागों में और बेहतर काम करने की आवश्यकता है, जिसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है.

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के लिए जो स्कीम राज्य सरकार चला रही है उसका पूरा लाभ मिलना चाहिए . साथ ही साथ आम लोगों की भी समस्याओं का समाधान के लिए निर्देश दिया गया है.

डॉ. तौसीफ ने जिला अधिकारियों से अल्पसंख्यक के इलावा जिला में चल रही विकास योजनाएं भी जानकारी लिया और सभी अधिकारियों से कहा कि जितना जल्द हो सभी विकास योजना को पूरा करें. आयोग ने समीक्षा रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संतोष व्यक्त किया. इससे पूर्व जिला के अधिकारियों व झामुमो नेताओं ने पुष्प गुच्छ देकर अध्यक्ष व सदस्यों का स्वागत किया.

परिसदन में पदाधिकारियों के साथ बैठक करती अल्पसंख्यक आयोग की टीम.

खास बातें

- कुछ विभागों में और बेहतर काम करने की जरूरत है
- आयोग ने समीक्षा रिपोर्ट पर संतोष व्यक्त किया

सड़क निर्माण में अनियमितता, ग्रामीण गोलबंद

कमरुल आरफी । बालूमाथ (लातेहार)

प्रखंड कार्यालय के समीप रांची-चतरा मुख्य मार्ग स्थित एनएच 22 से जोगियाडीह होते सोपराम तक लगभग 2.5 किलोमीटर सड़क ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा बनाया जा रहा है. इस सड़क निर्माण में व्यापक अनियमितता बरते जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है. ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दिनों मूसलाधार बारिश के बावजूद संवेदक द्वारा रोड कालीकरण का कार्य किया जा रहा था.इस पर आपत्ति जताते हुए पंचायत समिति सदस्य पिंटू नायक, ग्राम प्रधान हरि गंझु एवं ग्रामीणों ने पथ कालीकरण का काम बंद करा दिया था. लेकिन संवेदक के द्वारा ग्रामीणों को डरा धमका कर जबरन पथ कालीकरण का कार्य दूसरे दिन भी कराया गया.यही नहीं विभाग के सहायक अभियंता के द्वारा भी संवेदक को बारिश में अलकतरा का काम करने से मना किया गया था. ग्रामीणों का कहना है कि इसके बावजूद संवेदक द्वारा जैसे तैसे सेकेंड लेयर का कालीकरण का कार्य कराया गया है. ग्रामीणों का आरोप है कि बारिश में कीचड़ पर बिना एमलसन एसएस-1 व आरएस-1 डाले सड़क की पिचिंग कर दी गई है. ग्रामीणों के अनुसार गुणवत्ता के लिहाज से कालीकरण के लिए सड़क पर डाले जा रहे मेटेरियल का तापमान 150 से160 डिग्री होना चाहिए, परन्तु बारिश के दौरान सड़क की पिचिंग से गुणवत्ता के लिहाज से मेटेरियल का तापमान मेंटेन नहीं होने से कमजोर सड़क बन रही है. उक्त सड़क निर्माण में इसके पूर्व भी अनियमितता देखने को मिली थी. ग्रामीणों ने कलवर्ट निर्माण में भी घटिया क्वालिटी के पत्थर स्थानीय जंगलों से लाकर लगा दिए जाने का आरोप लगाया था. ग्रामीणों ने एक स्वर में जिले के उपायुक्त गरिमा सिंह से सड़क की गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं अनियमितता की जांच कर सम्बंधित एजेंसी पर कार्रवाई की मांग की है.

चौंकिए नहीं, यह खेत नहीं सड़क है.

न्यूज अपडेट

बेसंमो ने बाबू जगजीवन राम को किया नमन

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 38वी पुण्य तिथि मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत जगजीवन राम की तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर की गई. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि जगजीवन राम सामाजिक बदलाव के प्रतीक थे. सामाजिक असमानता दंश सहने के बाद दलितों के लिए आवाज उठाने की ठानी और 19 अक्टूबर 1935 को पहली बार दलितों के लिए मतदान के अधिकार की मांग की. संजय कुमार ने जगजीवन राम की जीवनी प्रकाश डाला. कहा कि 6 जुलाई 1986 का निधन हुआ था. मौके पर जयपाल मोची, सुधीर कुमार यशवंत कुमार,संजीत कुमार, राकेश कुमार आदि उपस्थित थे.

जगजीवन राम को नमन करते मोर्चा के सदस्य.

प्रशिक्षण से कार्य में दक्षता आती है: डीडीसी

लातेहार । बनवारी साहू महाविद्यालय यूनिवर्सिटी) में डिजिटल पंचायत प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया. मौके पर प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से कार्य में दक्षता आती है. प्रशिक्षण हमें कौशल ज्ञान देता है और यह जरूरी है. उन्होंने सभी से पूरी इमानदारी व तत्परता से कार्य करने की अपील की, ताकि पंचायतीराज का लाभ ग्रामीणों को मिल सके. कहा कि भारत गांवों का देश है और गांव के विकास के लिए पंचायतीराज विभाग कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करता है.

प्रशिक्षण शिविर में शामिल पदाधिकारी.

लातेहार में इग्नू अध्ययन केंद्र में नामांकन जारी

लातेहार। शहर के बनवारी साहू महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र (कोड 32054) में जुलाई-2024 सत्र में नामांकन की प्रक्रिया जारी है. इस आशय की जानकारी इग्नू के समन्वयक प्रो शत्रुघ्न मेहता ने दी. उन्होंने ने बताया की इस विश्वविद्यालय के माध्यम से स्नातकोत्तर , स्नातक. पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स एवं अन्य रोजगार परक कोर्स में नामांकन लेने वाले इच्छुक छात्र व छात्राएं आगामी 15 जुलाई तक ऑनलाइन नामांकन करा सकते हैं. नामांकन की अंतिम तिथि 15 जुलाई ही निर्धारित है. वैसे भी विद्यार्थी नामांकन ले सकते हैं जो रेगुलर माध्यम से कक्षाएं कर रहे हैं. एसटी व एसएसी समुदाय के छात्र व छात्रों के लिए स्नातक जनरल कार्यक्रम में निः शुल्क नामांकन का प्रावधान है.

बनवारी साहू महाविद्यालय.

सीएम एसओई में 11वीं की कक्षाएं 15 जुलाई से

लातेहार । जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (सीएम एसओई), लातेहार में नव नामांकित छात्र एवं छात्राओं की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई से शुरू होगी. इसकी जानकारी स्कूल की प्राचार्य तृप्ति भारती ने दी. उन्होंने बच्चों से निर्धारित तिथि और समय पर स्कूल पहुंचने की अपील की है. तृप्ति भारती ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में कम से कम 75 प्रतिशत और एसओई विद्यालयों में कम से कम 90 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है. बताया कि हर दिन छात्रों की उपिस्थति का ब्यौरा राज्य मुख्यालय को भेजा जाता है. उपिस्थति कम होने की स्थिति में वार्षिक परीक्षाओं में फॉर्म भरने से वंचित किया जा सकता है.

जानकारी देतीं प्राचार्य.

शिविर के लिए 14 को रवाना होगा जत्था

मेदिनीनगर। देवघर के विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में कांवरियों की सेवा को लेकर माता हीरामणि देवी निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर का 200 सदस्यीय जत्था 14 जुलाई को डालटनगंज से देवघर के लिए रवाना होगा. इसे लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में शिविर के सेवादार प्रमोद अग्रवाल, पप्पन अग्रवाल व कंचन अग्रवाल ने बताया कि सुदना स्थित कैंप कार्यालय से कांवरियों के जत्थे की रवानगी सुबह 11:30 बजे होगी, जो पूरे श्रावण मास में की सेवा करता रहेगा. उन्होंने बताया कि वर्ष 1998 से संस्था यह सेवा शिविर लगातार चलाते आया है. शिविर में कांवरियों को सुबह, दोपहर और शाम में लंगर का प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा. प्रेस वार्ता में राजू अग्रवाल, अजय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राकेश अग्रवाल ''टुन्नु'', संजीव अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, शुभम अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

प्रेस वार्ता में जानकारी देते संस्था के सदस्य.

सहकार भारती ने किया संगोष्ठी का आयोजन

बालूमाथ (लातेहार)। सहकार भारती, झारखंड प्रदेश के लातेहार ईकाई के द्वारा अंतराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर बालुमाथ के होटल देवइन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस संगोष्ठी के क्रम में झारखंड प्रदेश के महामंत्री धनंजय ने कहा कि सहकार भारती केवल संगठन नहीं बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है. समाज परिवर्तन का एक सशक्त साधन है. सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाला सहकार भारती यह एक मात्र स्वयंसेवी संगठन है. इससे पूर्व सहकार भारती के द्वारा संगोष्ठी में आए कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. संगोष्ठी में सहकार भारती के अखिलेश पाठक, रविन्द्र प्रसाद, रामजी सिंह, अरविन्द भगत, अखिलेश भोगता, विजय ठाकुर, मंजु देवी ,सूरज साह, विशाल तिवारी, संजीव गुप्ता के अलावा विभिन्न पंचायतों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता.

लोहरदगा के किस्को और भंडरा में आम की बागवानी से किसान को मिली आर्थिक मजबूती

आम की पैदावार किसानों के जीवन में घोल रही है मिठास

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

इन दिनों लोहरदगा जिला में आम की खेती को बढ़ावा देने वाले किसान आम की बेहतर पैदावारी से अपनी आय को दोगुना करने में जुटे हुए हैं. यहां पर आम की खेती कर लोग आर्थिक स्थिति में सुधार करने और जीविकोपार्जन को सशक्त बनाने में दिन रात जोर-शोर से लगे हुए हैं. बता दें कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों में बड़े पैमाने पर आम की बागवानी हो रही है. जिससे प्रतिदिन हजारों क्विंटल विभिन्न प्रकार के आम चौक चौराहे और बाजारों में किसान बेच रहे हैं .बेहतर मुनाफा कमा रहे हैं. जिले के भंडरा प्रखंड के गडरपो पंचायत के धानामुंजी गांव में बड़ी संख्या में लोग आम की बागवानी करे रहे. जहां प्रतिदिन किसान आम की बिक्री कर अपने जीवन में मिठास घोल रहे हैं.

लोहरदगा में आम की बिक्री करते किसान.

विभिन्न प्रकार के आम की खेती

बना आकर्षण का केंद्र : लोहरदगा जिला के किस्को प्रखंड, पेशरार, कैरो, भंडरा एवं सेन्हा प्रखंड के विभिन्न गांवों में बड़ी मात्रा में आम की खेती क्षेत्र के किसानों ने आम्रपाली, लंगड़ा, हिंद सागर, मालदा, मलिका, गुलाब खास किस्म के आम की बागवानी लगाया गया है. जहां से रोज बड़ी और छोटी गाड़ियों से बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे प्रदेशों में आम की बिक्री कर किसान आर्थिक स्वावलंबी की दिशा में मजबूती के साथ लगे हुए हैं. साथ ही लोहरदगा शहरी और चौक चौराहे पर विभिन्न किस्मों के आम से बाजार पटा हुआ रहता है.

आम की खेती ने पलायन पर लगाया अंकुश

लोहरदगा जिला के लोग गांव घर पर रोजगार नहीं मिल पाने से कभी रोजगार की तलाश को लेकर 6 महीने दूसरे प्रदेशों में पलायन कर जाते थे. लेकिन अब पलायन पर आम की खेती भारी पड़ गया है. यहां के बहुत से गरीब बेरोजगार परिवार के लोग में आम की खेती को बढ़ावा देने और घर पर रहकर अपनी जिंदगी को मजबूती प्रदान करने को लेकर जागरूकता आई है. लोग आम की खेती कर आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं और पलायन करने से परहेज़ कर रहे हैं.

आम की खेती से किसानों में आई खुशियां : लोहरदगा जिला अंतर्गत सभी प्रखंड क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में आम की खेती की गई है. एक समय ऐसा था कि लोहरदगा जिला के गरीब बेरोजगार परिवार रोजगार नहीं मिल पाने से तंगहाल जिंदगी गुजारने को मजबूर रहते थे, आम की खेती को बढ़ावा देकर सैकड़ों गरीब और बेरोजगार परिवार आज ना सिर्फ अपने जीवन में खुशियां लाने का कार्य कर दिखाया है बल्कि आर्थिक तंगी को दूर कर खुशहाल भरी जीवन यापन कर रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

भवनाथपुर में ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनायी सड़क

भवनाथपुर। भवनाथपुर पंचायत के ढिकुलिया में ग्रामीणों ने श्रमदान कर सात सौ मीटर की दूरी तक सड़क बनाया. ढिकुलिया से रजदहवा नदी शमशान घाट तक सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को शव के अंतिम संस्कार के लिए काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता था. भूस्वामी के द्वारा भूमि नहीं देने से सड़क का निर्माण नहीं हो सका था. ग्रामीण अमर चंद्रवंशी, बबन पासवान, परमवीर राम, राकेश कुमार रवि, राम पवन विश्वकर्मा, अशोक बैठा ने बताया कि करीब आठ सौ घरों की आबादी के लोगों अपने परिजनों के मरणोपरांत अंतिम संस्कार के लिए रजदहवा नदी शमशान घाट पर ले जाते हैं.

भाजपाइयों ने कांग्रेस पार्टी का फूंका पुतला

कैरो/लोहरदगा। भाजपा कैरो मंडल ने मुख्य चौक में कांग्रेस पार्टी का पुतला दहन मंडल अध्यक्ष लखन उरांव की अध्यक्षता में की . कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुसूचित जन जाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री बिन्देश्वर उरांव ने कहा की गत एक जुलाई को एक गुट कांग्रेस कार्यकर्ता ने अपने ही कार्यालय में एक आदिवासी जिला अध्यक्ष को भारी सभा मे बेइज्जत कर मारपीट किया. कार्यक्रम में अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बजरंग उरांव जिला उपाध्यक्ष लाखो उरांव, सुखन उरांव, चिखु उरांव, राधेश्याम साहू इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

अस्पताल में महिला चिकित्सक की पदस्थापना हो : पुष्पा देवी

मेदिनीनगर। छतरपुर -पाटन विधायक पुष्पा देवी व पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार ने क्षेत्र का दौरा किया. इस दौरान छतरपुर अस्पताल का निरीक्षण किया. अस्पताल निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की कमियों को देखा तथा रोगियों से बात की.रोगियों से प्राप्त शिकायत के बाद उन्होंने पलामू सीएस से बात कर छतरपुर अस्पताल में महिला चिकित्सक के पदस्थापना की मांग की. इसके बाद विधायक पुष्पा देवी कवलबास बालिका उच्च विद्यालय पहुंची और छात्राओं की उपस्थिति देखकर खुशी जाहिर किया. उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया.

जायंट्स सहेली ने किया खिचड़ी का वितरण

गढ़वा। जायन्ट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा सहेली के तत्वावधान में शहर के चौधराना बाजार स्थित शनि देव मंदिर के समीप प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया गया. मौके पर जायंट्स पदाधिकारियां ने कहा कि सभी लोगों को ऐसा कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों को भोजन कराकर पुण्य का भागी बनना चाहिए. मौके पर गढ़वा सहेली ग्रुप की फाउंडर अध्यक्ष रश्मि गुप्ता, सहेली ग्रुप की पूर्व अध्यक्ष सीमा केशरी, माला केशरी, लता गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष रितु जायसवाल, जायन्ट्स सहेली उपाध्यक्ष संध्या केशरी, प्रशासनिक निदेशक रीमा स्वरूप, विमला केशरी, वर्षा अग्रवाल, मधुबाला गुप्ता आदि उपस्थित थी.

अभियान में कई वाहनों के काटे गये चालान

सिमडेगा। मोटर यान निरीक्षक सिमडेगा में चलाया वाहन जांच अभियान चलाया. अभियान में सिमडेगा रांची रोड के कई बसों के चालान काटे गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार आज कोलेबिरा नेशनल हाईवे 143 पर मोटर यान निरीक्षक ने वाहन जांच अभियान चलाया.अभियान में बस ,ट्रक का परमिट के साथ वाहन की कागजात की जांच की गई. जिसमें कई गाड़ी को परमिट नहीं होने से उसके चालान काटे गए. आज लगभग 45000 का आज चालान काटे गए.

जिला स्तर पर संपूर्णता अभियान नगर भवन में आयोजित हुआ

हमें निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करना है : डॉ. बानुश्री

- नीति आयोग की वरीय विशेषज्ञ और डीसी, जिप अध्यक्ष, जिप उपाध्यक्ष ने किया शुभारंभ
- निर्धारित इंडिकेटर्स में संपूर्णता अभियान में हर हाल में उपलब्धि हासिल करनी है

संवाददाता। लोहरदगा

केंद्र सरकार के महत्वकांक्षी कार्यक्रम अंतर्गत शनिवार को जिला स्तर पर संपूर्णता अभियान की शुरूआत नगर भवन, लोहरदगा में हुई. इस अभियान का शुभारंभ नीति आयोग की वरीय विशेषज्ञ डॉ बानुश्री वेल्पंडियन, उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में नीति आयोग की वरीय विशेषज्ञ ने कहा कि हमें आकांक्षी जिला होने के कारण कुछ निर्धारित इंडिकेटर्स में संपूर्णता अभियान में उपलब्धि हासिल करनी है. इसमें अपने शारीरिक क्षमता, मानसिक संकल्प के अनुसार कार्य करना है.

स्वास्थ्य, कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वयं सहायता समूह और शिक्षा के क्षेत्र में कुछ बिंदु निर्धारित किये गये हैं जिनमें सफलता के लिए तेजी से कार्य करना है.

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते अतिथि.

सभी क्षेत्र में संपूर्णता हासिल करना ही लक्ष्य : डीसी

उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने अभियान के शुभारंभ पर कहा कि केंद्र सरकार की यह योजना स्वास्थ्य, स्वयं सहायता, शिक्षा, कृषि, स्वयं सहायता समूह के क्षेत्र की बेहतरी के लिए शुरूआत की गई है. स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत गर्भवती महिलाओं के दौरान प्रथम तीन माह बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं. ऐसे में उनकी प्रसव पूर्व जांच बहुत ही जरूरी है. इस बच्चों का स्वास्थ्य निर्भर करता है. गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच के लिए रजिस्ट्रेशन, उन्हें पूरक आहार समय पर दिया जाना अतिमहत्वपूर्ण चरण है.

हमारे लिए यह गौरव की बात : रीना कुमारी

जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ने कहा कि आकांक्षी जिला अंतर्गत चयनित जिला होने के कारण यह अभियान आज प्रारंभ किया जा रहा है. हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हम सभी को इस अभियान का हिस्सा बनाया गया है. वर्ष 2018 में इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी. नीति आयोग के इस कार्यक्रम में जिला के विकास के लिए कई योजनाएं सरकार के द्वारा दी जा रही है. हम सभी को इसका लाभ उठाना है ताकि जिला को आकांक्षी जिला से प्रेरक जिला की ओर हम ले जा सकें.

आप भी जागरूक हों, अन्य को भी जागरूक करें:बानुश्री

नीति आयोग की वरीय विशेषज्ञ बानुश्री ने कहा कि उपलब्धि हासिल करने के लिए आप सभी को जागरूक होना होगा. सरकार की सुविधाओं को आपको प्राप्त करना है. आप सभी इसके लिए जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें. जब लोग सक्षम होंगे तो सभी का विकास होगा. भारत सर्वक्षेष्ठ बनेगा.

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, पेशरार जिप सदस्य रूबी कुमारी, कैरो जिप सदस्य सुखदेव उरांव, सेन्हा जिप सदस्य राधा तिर्की, समाजसेवी चंद्रशेखर अग्रवाल, सुखैर भगत, जिला योजना पदाधिकारी अरूण सिहं, जिला कृषि पदाधिकारी शिवपूजन राम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुजाता कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम आइलिन टोप्पो, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक, पीपीआईए फेलो हेमलता बजाज, पीरामल फाउंडेशन से कासिम अली व स्वाति कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे.

भाजपाइयों ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123 वीं जयंती

गुमला। बिरसा मुंडा पार्क गुमला में शनिवार को भाजपाइयों ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123 वीं जयंती मनाई . बैठक में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मान एवं संकल्प सभा कार्यक्रम के आयोजन पर विचार विमर्श किया गया. 20 जुलाई को रांची में होने वाली कार्यसमिति बैठक की जानकारी दी गई. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद साहू ने की. निवर्तमान सांसद सुदर्शन भगत ने डॉ श्यामा प्रसाद के राजनीतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया. बैठक को पूर्व विधायक कमलेश उरांव, निवर्तमान जिलाध्यक्ष अनूप चन्द्र अधिकारी, भूपन साहू, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवीन्द्र सिन्हा आदि ने विचार व्यक्त किये. बैठक में प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू, जिप अध्यक्ष सह महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष किरण माला बाड़ा, उपाध्यक्ष संयुक्ता देवी, प्रदीप प्रसाद, गायत्री देवी, यशवंत सिंह, जिला महामंत्री मिसिर कुजूर, सत्यनारायण पटेल आदि शामिल थे.

नामांकन परीक्षा संपन्न

लातेहार। इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय और नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर संचालित होने वाले विद्यालय मे प्रवेश के लिए नामांकन परीक्षा का आयोजन शनिवार को किया गया. शहर के उत्क्रमित उच्च विद्यालय चंदनडीह मे बनाये गये परीक्षा केंद्र मे शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न हुआ. एक माह पूर्व परीक्षा के लिए आवेदन फार्म भरा गया था. विद्यालय मे नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा के लिए जिले भर से कुल 103 बच्चो ने आवेदन फार्म भरा था. जिसमे 92 परीक्षार्थी उपस्थित रहे. जबकि 11 अनुपस्थित रहे.

दौड़ प्रतियोगिता में गिरा छात्र,रिम्स में हुई मौत

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

खास बातें

- खेल प्रतियोगिता में बच्चा गिरकर घायल हो गया था
- रिम्स में इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया

खेलो इंडिया के तहत भंडरा प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय बिटपी का एक स्कूली छात्र प्रेम उरांव उम्र (7 वर्ष) गिरकर शुक्रवार को गंभीर रूप से घायल हो गया था. घायल बच्चे को शिक्षकों ने इलाज के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया था. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा में प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा रेफर कर दिया गया था.

प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल लोहरदगा ने बच्चे की नाजुक स्थिति को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया था. इधर मामले को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय तिर्की ने बताया कि खेलो इंडिया कार्यक्रम विद्यालय के खेल प्रांगण में चल रहा था. इसी क्रम में प्रेम अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था. इसी बीच अचानक गिर पड़ा इसके बाद बच्चे को इलाज हेतु तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया था. प्रधानाध्यापक अजय तिर्की ने बताया कि विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा छात्र की चिकित्सा के लिए विद्यालय परिवार के द्वारा सहयोग किया गया. यहां पर छात्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर किया गया था, परंतु गंभीर चोट के कारण बच्चे की रांची रिम्स में इलाज के क्रम में मौत हो गई.

एकांतवास से बाहर आये महाप्रभु, हुआ नेत्रदान

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

भंडरा में ऐतिहासिक रथ यात्रा को लेकर प्रशासन चौकन्ना है. यहां पर भगवान जगन्नाथ प्रभु 15 दिनों के एकांतवास के बाद शनिवार को भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ बाहर आये उनके आगमन की खुशी में शुक्रवार को नेत्रदान अनुष्ठान किया गया इसके बाद भगवान भक्तों को दर्शन दिए 108 दीपों से भगवान की मंगल आरती, जगन्नाथ, अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति की गई मालपुआ सहित अन्य मिष्ठानों का भोग लगाया गया भगवान रविवार की सुबह भक्तों को दर्शन मंडप में दर्शन देंगे.

आज भगवान जगन्नाथ सपिरवार होंगे रथ पर सवार : भंडरा में ऐतिहासिक रथ यात्रा है. भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा को भक्तजन रथ पर बैठाकर सवारी कराएंगे. यहां पर सुबह चार बजे से ही भक्तजन भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की पूजा के लिए कतारबद्ध होने लगेंगे. इस बीच दोपहर एक बजे के बाद भगवान को बारी-बारी से रथारूढ़ किया जायेगा रथ के ऊपर भगवान के सभी विग्रहों का श्रृंगार होगा विष्णु सहस्त्रनाम अर्चना होगी इस अनुष्ठान के बाद विष्णु सहस्त्रनाम अर्चना और मंगल आरती होगी फिर रथ में रस्सा बंधन होगा और दोपहर दो बजे रथयात्रा शुरू होगी सभी भक्त रस्सी के सहारे भगवान का रथ खींचकर मौसीबाड़ी लायेंगे, जहां पर भक्तजन रथ पर सवार भगवान जगन्नाथ व बहन सुभद्रा की पूजा करेंगे. तत्पश्चात सभी विग्रहों को मौसीबाड़ी में रखा जायेगा. इस बीच आरती और भोग निवेदन किया जायेगा. साथ ही रात में भगवान का पट बंद कर दिया जायेगा.

भंडरा में भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की पूजा करते अर्चक.

मौसी बाड़ी में नियमित होगा पूजा -पाठ

फिर अगले दिन सुबह पांच बजे पट खुलेगा और प्रभु भगवान जगन्नाथ की पूजा होगी. वहीं सुबह छह बजे मंगल आरती व बाल भोग लगाया जायेगा और दोपहर 12 बजे अन्न भोग लगाया जायेगा. इसी तरह दोपहर 12:10 बजे पट बंद हो जायेगा तीन बजे मंदिर का पट पुनः खुलेगा.

समस्या — भंडरा के धानामुंजी गांव में आज भी पेयजल की किल्लत झेल रहे हैं लोग

पेयजल विभाग के ढुलमुल रवैये से ग्रामीणों में आक्रोश

शकील अहमद। भंडरा/लोहरदगा

- चार जलमीनार सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गयी
- विभाग कागजों में झूठी वाहवाही बटोरने में महारत

जलमीनार और नल शोभा की वस्तु बनकर ग्रामीणों को चिढ़ाता.

जिला के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के गडरपो पंचायत के धानामुंजी गांव में लगभग 150 परिवार निवास करते हैं. यहां पर एक बानगी पेयजल विभाग की ढुलमूल रवैया से दिन ब दिन गांव वालों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यहां के लोग बरसात के मौसम में भी पेयजल की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग को जनता की समस्यायों को दूर करने में सकारात्मक भूमिका नहीं निभा रहे हैं, जिससे दिन ब दिन धानामुंजी गांव के लोगों का विभाग के कार्यशैली को लेकर आक्रोश पनपने लगा है.

चार जलमीनार है, सब फेल : ग्राम पंचायत गडरपो के ग्राम धानामुंजी गांव में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग की ओर से चार जलमीनार का निर्माण कार्य तो कराया गया है, लेकिन विभागीय उदासीनता कहें या फिर लापरवाही जलमीनार निर्माण कराए जाने के महीनों गुजर बीत जाने के बाद भी बोरिंग नहीं कराया गया है. जिससे गांव वालों को जलमीनार से कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है. उक्त सभी जलमीनार सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर ग्रामीणों को मुंह चिढ़ा रही है. इससे धानामुंजी गांव के डेढ़ सौ परिवार वालों में नाराजगी है. यहां पर जलमीनार का संचालन शुरू नहीं हो पाने से लोगों को दूर-दराज से इधर-उधर भागदौड़ कर पीने की पानी जुगाड़ कर जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है. गांव के दानियल लकड़ा, सोमरा तिग्गा, चिड़ा उरांव, घरिया उरांव, सोमेश्वर उरांव, गोबे उरांव, तेम्बु उरांव, गौरी उरांव, संतोषी तिग्गा, बिरसमनी उरांव, चिंता उरांव, सरस्वती उरांव, मुनका लकड़ा, सरिता लकड़ा, जयश्री उरांव, आरगेन लकड़ा, सलोनी लकड़ा, नेदो उरांव समेत अन्य लोगों का कहना है कि पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग के जेई और अन्य अधिकारियों को कितने बार बनाई गई जलमीनार को शीघ्र चालू कराए जाने को लेकर बात रखी जा चुकी है बावजूद विभागीय अधिकारियों और कर्मियों की आंखों से काली पट्टी हट नहीं रहा है. इन लोगों का कहना है कि अब बरसात का दिन आ गया है ऐसे में पीने की पानी की उपलब्धता हेतु हमारे समक्ष बड़ी चुनौती बनी हुई है.

कनीय अभियंता के बिगड़े बोल

लोहरदगा पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग में कार्यरत कनीय अभियंता अजय कुमार से धानामुंजी गांव में पानी की समस्या को दूर कैसे की जाएगी. इस संदर्भ में दूरभाष पर बात किया गया तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि खबर भेज दीजिए. अब यह सवाल उठता है कि जिनके जिम्मे जनता की समस्यायों को दूर करने की जिम्मेदारी सरकार की ओर से सौंपा गया है. उसके जुबान से इस तरह के बिगड़े बोल से सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की बू आती है.

नल-जल योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट : भंडरा के धानामुंजी गांव में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग द्वारा नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई गई है . जगह-जगह पर नल का निर्माण कार्य कराया गया है .जो पूरी तरह से लीपापोती कर दिया गया है. यहां पर नल-जल योजना की तस्वीर को देखने से यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि योजना की राशि को बंदरबांट कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया है.

न्यूज अपडेट

आकांक्षी प्रखंड में जागरूकता अभियान को लेकर बैठक

मझिआंव। समाज कल्याण विभाग के निर्देश पर महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के द्वारा आकांक्षी प्रखंड मझिआंव के सभागार में जागरूकता अभियान को लेकर सेविकाओं के साथ बैठक की गई. बैठक के दौरान महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा परियोजना विभाग गढ़वा के सुपरवाइजर शिमला कुमारी एवं प्रतिमा कुमारी के द्वारा उपस्थित सेविकाओं को पोषण टेकर विषय पर चर्चा करते हुए जागरूक किया गया. जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य दुष्कर्म पीड़ित, घरेलू हिंसा से पीड़ित, यौन शोषण से पीड़ित को बचाना, बाल विवाह, दहेज उत्पीड़न, एसिड अटैक, साइबर क्राइम आदि के बारे में जागरूकता फैलाना है.

बैठक करते लोग

टिंकू महतो ने डॉ श्यामा प्रसाद को किया नमन

लोहरदगा। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा किसान मोर्चा के लोहरदगा विधानसभा प्रभारी टिंकू महतो ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी . राष्ट्रीय कार्यालय नई दिल्ली में भाजपा नेता राकेश राम एवं टिंकू महतो ने उनके प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. मौके पर भाजपा नेता टिंकू महतो ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार करने हेतु उनके आदर्शों पर चलकर लोहरदगा विधानसभा और समुचे भारत देश के विकास में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा.इस बीच जयंती के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सम्मानित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते टिंकू महतो

कांडी के होनहार ने जीता गोल्ड मेडल, लोगों ने दी बधाई

कांडी। कक्षा 2 के एक विद्यार्थी ने इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करके स्वजनों के साथ-साथ जिला एवं राज्य का नाम रौशन किया है. कांडी प्रखंड क्षेत्र के अधौरा गांव निवासी पत्रकार प्रियरंजन सिन्हा का नाती आदित्य श्रीवास्तव ने एसओएफ इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड में भाग लिया था. इस प्रतियोगिता में लाखों की संख्या में छात्रों ने भाग लिया था. जिसमें आदित्य श्रीवास्तव ने इंटरनेशनल रैंक 74, रीजनल रैंक 69, जोनल रैंक 45 एवं स्कूल में प्रथम रैंक हासिल किया है. सफल विद्यार्थी को सर्टिफिकेट के साथ-साथ गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है. विद्यालय स्तर पर एक्सीलेंस में भी एक्सीलेंस प्रदर्शन के लिए उसे अलग से पुरस्कृत किया गया है.

बालू की समस्या का समाधान करे प्रशासन: अमित पांडेय

लातेहार। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को आजसू पार्टी, लातेहार ने जिला खनन कार्यालय का घेराव किया गया. कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अमीत पांडेय ने किया. पांडेय ने कहा कि जिले में बालू की समस्या विकराल है. एनजीटी ने बरसात के मौसम में बालू उठाव में प्रतिबंध लगाने के कारण जिले में चल रही है विभिन्न सरकारी व निजी निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं. जिले में एकमात्र बालू का स्टॉक चंदवा के मरमर नदी में है. लेकिन दोनों तरफ से नदी होने के कारण वहां से बालू उठाव संभव नहीं है. वहां से ट्रक से ही बालू लाने की अनुमति है. कार्यक्रम में केंदीय सचिव जितेंद्र सिंह, बिरेंद्र ठाकुर, केंद्रीय सदस्य राकेश सिंह, पंकज साहू महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रीमा देवी, जिला उपाध्यक्ष सरवन पासवान, बिट्टू दास, जिला कोषाध्यक्ष सद्दाम अंसारी व नितेश जायसवाल समेत काफी संख्या में आजसू नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे.

हल्ला बोल में आजसू नेता.

विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन ने किया सम्मानित

कुडू/लोहरदगा। होली फेथ पब्लिक स्कूल टीको में इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड में सत्र 2023/024 में सफल हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता में 2023/024 में विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल रैंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया है. सफल विद्यार्थियों में वर्ग एक के रोशनी परवीन 48वीं, रीता कुमारी 362 वीं लायबा रहमती 369 वीं समीर अंसारी 122 वीं और वर्ग 2 में हनी राज 153वीं और रिहान राजा 168 वीं एवं वर्ग 3 में रेहान राजा 168वीं व वर्ग 4 में जूही कुमारी 303वीं, साक्षी उरांव 303वीं असमीरा जन्नत 388वीं, अनुप उरांव 303वीं, जीशान अंसारी 387वीं और इंद्रदेव मुंडा 303वीं शामिल हैं. साथ ही वर्ग 5 में पवन गांझू 1314वीं और राम वर्ग 6 में राम उरांव 989वीं रैंक प्राप्त किया जो विद्यालय के लिए गौरव की बात है.

विद्यार्थियों को सम्मानित करते विद्यालय प्रबंधन

खिलाड़ियों के सहयोग के लिए कृतसंकल्पित है :अनिल

लोहरदगा। झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अधिकारी सह पूर्व विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत के छोटे भाई अनिल कुमार भगत इन दिनों लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का लगातार दौरा कर जनता से मुखातिब हो रहे हैं और उनकी समस्याओं से अवगत होते हुए निपटारा कराए जाने को लेकर गंभीर हैं. इस बीच झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत शनिवार को लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कैरो और कुडू प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया एवं जनसमस्याओं को सूचीबद्ध कर निष्पादन हेतु जनता को भरोसा दिया. क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के तहत झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत कैरो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोपालगंज में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि शरीक हुए और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की तरक्की हेतु हमेशा कृतसंकल्पित रहेंगे. उन्होंने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता का साथ मिला तो खिलाड़ियों और क्षेत्र का कायाकल्प कर दिखाऊंगा.मौके पर आशीष भगत, सनी उरांव, राजेश उरांव व बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व ग्रामीण मौजूद थे.

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते अनिल भगत.

मवेशी लदा वाहन दुर्घटनाग्रस्त तीन तस्करों को पुलिस ने दबोचा

सिमडेगा। ओडिशा से तस्करी के लिए रांची की तरफ जा रहा मवेशी लदा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया. जिसमे दो मवेशी की मौत हो गई. इधर, इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. ओडिशा से मवेशी लदी एक ट्रक शनिवार सुबह रांची की तरफ जा रही थी. इसी दौरान ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के अंबापानी रोड में ट्रक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. जब स्थानीय लोगों ने ट्रक में मवेशी लदी हुई देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी. सूचना मिलते मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक में लदे13 मवेशी को मुक्त कराया.. मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन पशु तस्कर को हिरासत में लिया है. ट्रक और मवेशी को जब्त कर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी है.

ब्रीफ खबरें

रथयात्रा आज, हजारों भक्तों का होगा महाजुटान

चौपारण। भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर है. रथयात्रा में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से हजार से अधिक महिला, पुरुष भक्तों का जमावड़ा लग रहा है. विदेश से भी भक्त चार दिनों के प्रवास पर रहेंगे. जानकारी देते हुए आयोजक डॉ केश्वानंद तथा बंगाल के हल्दिया से आये कुमार लीला प्रभु ने बताया कि आयोजन ऐतिहासिक होगा. इस आयोजन में हल्दिया, आसनसोल, कोलकाता, पूना, औरंगाबाद महाराष्ट्र, मुंबई, कानपुर, गोरखपुर,दरभंगा, नवादा, पटना, धनबाद, हजारीबाग, रांची, बगोदर, बिष्णुगढ, इसरी, सिंदरी, बरही, ईटखोरी, चौपारण, मयुरहंड, चंदवारा, पदमा से बडी संख्या में लोग जुटेंगे. इस्कान के धर्म गुरु कुमारलीला प्रभु से जुड़े लगभग डेढ सौ इंजीनियर तथा अन्य क्षेत्रों में सेवा दे रही टीम सेवा में लगी है.

एनसीसी कैडेट्स ने दिया नशामुक्ति का संदेश

हजारीबाग। नशा मुक्त भारत पखवाड़े के तहत शनिवार को संत कोलंबा महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने आदर्श वाक्य 'जिंदगी को कहें हां, नशे को ना', के साथ जागरूकता रैली का आयोजन किया. रैली का नेतृत्व कॉलेज एनसीसी इकाई के कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ एसके पाण्डेय एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर जीआर दास ने किया. संत कोलंबस के एनसीसी कैडेट्स जोश भरे नारे लगा कर समाज को नशामुक्त रहने का संदेश दे रहे थे. रैली के बाद डॉ पांडेय ने कैडेटों को स्वयं एवं समुदाय की युवा पीढ़ी को नशामुक्त रहने की प्रतिज्ञा दिलाई. कार्यक्रम में 22 झारखंड एनसीसी बटालियन के हवलदार सुरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे.

सीसीएल कर्मी को ट्रक ने रौंदा, मौत

चौपारण। प्रखंड में एनएचएआई का कार्य प्रगति पर है, पर निर्माण कार्य करवा रही कंपनी की लापरवाही के कारण आए दिन निर्दोष लोग बेमौत मर रहे हैं. सिंघरावा में हुई घटना भी इसी का नतीजा है. घटना के संबंध में चौपारण थाना में दिए गए आवेदन में मृतक के पुत्र भीम बाबू ने बताया कि मेरे पिता बैजनाथ नोनिया (51) बोकारो जिला में सीसीएल में कार्यरत थे. शनिवार को सुबह बाइक से पैतृक गांव कुसुमा बसडीहा से बोकारो के लिए निकले थे. इसी क्रम में चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघरावा में निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के नीचे पीछे से तेज गति से आ रही ट्रक ने बाइक को धक्का मार दिया, जिससे घटना स्थल पर पिता की मौत हो गयी. पुत्र ने जांच कर गाड़ी और चालक पर कार्रवाई करने की मांग की है.

पति ने पत्नी और बेटे को घर से निकाला

रामगढ़। पति और पत्नी के बीच जब भी कोई लड़की की एंट्री हुई है, वह घर बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है. रामगढ़ में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जहां प्रेमिका के इश्क में डूबे पति ने अपनी पत्नी और बेटे को घर से बाहर निकाल दिया. प्रताड़ना की सारी हदें पार करने के बाद उसने अपने छोटे भाई चांदू बनर्जी के सहारे अपनी पत्नी का घर में प्रवेश भी बंद कर दिया है. यह मामला तब उजागर हुआ जब शनिवार के शाम पीड़िता रूपा बनर्जी अपने बेटे अंकित बनर्जी के साथ रामगढ़ थाने पहुंची. उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है. रूपा ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2004 में पतरातू बस्ती निवासी चंदन बनर्जी के साथ हुई थी. शादी के कुछ वर्षों बाद ही उसके पति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया.

डीटीओ कार्यालय के कर्मियों व एजेंट की मिलीभगत से बिना टेस्ट ड्राइव के बनाये जा रहे लाइसेंस

सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही मौतें, पांच महीने में 139 ने गंवाई जान

जिले में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार मौतें हो रही हैं. शनिवार को भी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिलवार में दो बाइक सवार आपस में टकरा गए. दुर्घटना में एक की मौत हो गयी, जबकि तीन घायल हो गए. सड़क दुर्घटना में मौत का आंकड़ा कम हो, इसके लिए वाहन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं. दोपहिया वाहन सवारों के हेल्मेट और चारपहिया वाहन चालकों के सीट बेल्ट की जांच भी की जा रही है. सरकार, जिला प्रशासन व समाजसेवी नुक्कड़ नाटक एवं तरह-तरह के जागरूकता अभियान के माध्यम से सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक कर रहे हैं. दूसरी ओर जिला परिवहन विभाग के कर्मचारी व एजेंट पैसे लेकर बिना ड्राइविंग टेस्ट के ही लाइसेंस निर्गत करवा दे रहे हैं. हालांकि, दिखावे के तौर पर जांच अभियान एवं जागरूकता अभियान जरूर चलाते हैं.

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले में किसी को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना है, तो एजेंट को पैसे देकर आसानी से लाइसेंस बन जाता है. चालकों की न तो ड्राइविंग टेस्ट ली जाती है और न ही उनकी उम्र देखी जा रही है. पैसे लेकर ताबड़तोड़ लाइसेंस बनाया जा रहा है. इस खेल में डीटीओ ऑफिस के कर्मचारी से लेकर एजेंट तक शामिल हैं, जो ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के एवज में मोटी रकम लेते हैं.

डीटीओ कार्यालय के कर्मचारियों की मिलीभगत से पहले आवेदक का ऑनलाइन आवेदन करवाया जाता है. इसके बाद डीटीओ कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस बनवा दिया जाता है. अगर सही तरीके में आवदेनकर्ता के अनुभव व कागजातों की जांच की जाए, तो कई लोगों का आवेदन रद्द हो जाएगा और सड़क दुर्घटनाओं में मौत के आकड़े में भी कमी जरूर आएगी. लेकिन, रिश्वत के आगे सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों की चिंता किसे है.

पोस्टमार्टम हाउस से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, हजारीबाग जिले में फरवरी महीने से लेकर एक जुलाई तक सड़क दुर्घटनाओं में 139 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके है. वहीं, 240 लोग घायल हुए हैं. लगभग तीन दर्जन लोग सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद दिव्यांग हो चुके हैं.

> हमारे यहां प्रत्येक दिन पुलिस लाइन में ड्राइविंग टेस्ट होता है. ड्राइविंग लाइसेंस के लिए लोग अब ऑनलाइन आवेदन करते हैं. अगर कोई नाबालिग या अन्य फर्जी कागजात देकर लाइसेंस लिया है या लेना चाहता है, तो वैसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.
>
> – बैजनाथ कांति
> डीटीओ, हजारीबाग

क्या कहते हैं समाजसेवी

समाजसेवी किशोरी राणा कहते हैं कि जिला परिवहन विभाग अगर ड्राइविंग टेस्ट लेकर लाइसेंस दे, तो वाहन चालकों के पास अच्छा अनुभव होगा और सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी. लेकिन, पैसे की लालच में, डीटीओ कार्यालय के कुछ कर्मचारी और एजेंट रिश्वत लेकर लाइसेंस बनावा देते हैं. इसके बाद बिना अनुभव वाले वाहन सवार सड़क पर सरपट वाहन दौड़ाने लगते हैं. अगर उनके पास लाइसेंस नहीं होता, तो उन्हें जिला प्रशासन की कार्रवाई का डर होता और सड़क पर वाहन नहीं निकालने के पहले कई बार सोचते. उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी से लेकर अभिभावक और समाजसेवी को आगे आकर युवाओं को जागरूक करना होगा, तभी सड़क दुर्घटनाओं में मौत के आंकड़े में कमी आएगी.

डीएसई की धांधली का विरोध करनेवाले शिक्षकों को मिली राहत

पांच शिक्षक निलंबन मुक्त डीसी बोलीं- जांच जारी रहेगी

- स्कूली बच्चों के बीच पोशाक वितरण में गड़बड़ी का मामला
- डीएसई के कदम पर शिक्षक नेताओं ने जतायी थी आपत्ति
- शिक्षक नेता को पत्र जारी करने पर डीएसई को शो कॉज

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में कक्षा एक से आठ तक पोशाक आपूर्ति को लेकर दिए गए ठेका में धांधली और वित्तीय अनियमितता के मामले में जांच की जद में चल रहे जिला शिक्षा अधीक्षक के आदेश पर आखिरकर उपायुक्त ने डंडा चला दिया है. इस मामले में पिछले छह माह से निलंबित चल रहे पांच शिक्षकों को निलंबनमुक्त कर दिया है. इन शिक्षकों पर जिला शिक्षा अधीक्षक के खिलाफ आवाज उठाने का आरोप था.

हालांकि उपायुक्त ने इन सब पर जांच जारी रखा है. निलंबन मुक्त होने के बाद अब पांचों शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में योगदान देंगे. ज्ञात हो कि जिले में कक्षा एक से आठ के 1.62 लाख विद्यार्थियों के बीच पोशाक का वितरण में अनियमित्ता बरती गई थी. इस मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक पर आरोप लगा था कि वे नियम विरुद्ध अपने चहेते को ठेका देकर पोशाक की आपूर्ति करा रहे थे. पूरे प्रकरण को लगातार न्यूज नेटवर्क ने प्रमुखता से उजागर किया था. इसके बाद शिक्षा सचिव नेहा अरोड़ा, उप निदेशक शिवेंद्र कुमार ने मामले की जांच कर संबंधित फाइलों को जब्त कर लिया था.

विपक्ष ने मुख्यमंत्री से जांच की मांग की थी : पोशाक वितरण घोटाला मामले में बकायदा नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मंरांडी ने मुख्यमंत्री और शिक्षा सचिव को पत्र भेज कर जांच की मांग की थी. वहीं, तत्कालीन सदर विधायक और वर्तमान सांसद मनीष जायसवाल ने उस वक्त विधानसभा के बाहर धरना देकर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए थे. इसके बाद विभागीय मंत्री ने जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया था.

खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षक हुए थे निलंबित

जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता ने उन सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निलंबित कर दिया था, जिनके विद्यालय में पोशाक की आपूर्ति को लेकर खबरें प्रकाशित हुई थीं. इनमें कन्या मध्य विद्यालय, लुपूंग, कटकमसांडी, मध्य विद्यालय, हेदलाग, कटकमसांडी, उच्च विद्यालय, नावाडीह, पदमा के शिक्षकों के अलावा शिक्षक नेता कुमार सतपाल और झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव प्रेम प्रसाद राणा आदि शामिल थे.

अनियमिता को लेकर दायर की गयी है याचिका

हजारीबाग जिले में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच पोशाक का वितरण होना था. पोशाक वितरण में अनियमितता को लेकर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है. इस पूरे प्रकरण में जिला शिक्षा अधीक्षक ने सहायक अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष चंदन मेहता को आचार संहिता के दौरान नियम विरुद्ध प्रतिनियोजन करने को लेकर पत्र जारी किया था. इस मामले में भी उपायुक्त ने संज्ञान लिया है और जिला शिक्षा अधीक्षक को उपायुक्त कार्यालय द्वारा शो कॉज किया गया है.

लिंग परीक्षण करनेवाले क्लीनिकों पर होगी कारवाई

केरेडारी में क्लीनिक से अल्ट्रासाउंड मशीन जब्त करते अंचल अधिकारी.

डीसी निर्देश

- अवैध संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कार्रवाई का निर्देश
- केरेडारी में एक अल्ट्रासाउंड क्लीनिक सील, मशीन जब्त

संवाददाता। हजारीबाग

गर्भ में लिंग की पहचान करने के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट को बेहतर ढंग से लागू करने को लेकर उपायुक्त नैंसी सहाय ने सभी बीडीओ व सीओ को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए है. उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या रोकने के लिये सरकार ने पीसीपीएनडीटी एक्ट तो लागू कर दिया है, लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब सभी इस जघन्य कृत्य को रोकने के लिए साथ आएंगे. उन्होंने अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू कराने के निर्देश दिए.

केरेडारी सीओ ने निजी क्लीनिक को सील किया

केरेडारी स्थित भारत पेट्रोलियम के नजदीक अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक चलने की सूचना पर अंचलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया. इस क्रम में अल्ट्रासाउंड मशीन को जब्त कर जिला स्तरीय टीम को सौंप दिया गया. वहीं, अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड क्लीनिक को सील कर दिया गया है.

आदिवासी समुदाय ही असल मूलवासी: डॉ दुर्गेश

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय में 'फॉरेस्टिंग एंटरप्रेन्योरशिप प्रिजर्विंग ट्राइबल कल्चर : करेंट आउटलुक, चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ आत्मनिर्भर भारत' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हुआ. दूसरे दिन के इस कार्यक्रम में कई शोधार्थियों व प्राध्यापक -प्रध्यापिकाओं ने आदिवासी समुदाय के कल्याण को लेकर तथ्यों पर आधारित कई महत्वपूर्ण विचार रखे. इससे पूर्व आमंत्रित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्राध्यापक डॉ दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि हआदिवासी समुदाय ही दरअसल मूल निवासी हैं. हमारी मूल संस्कृति को अब तक कोई बचा कर रखा है, तो वह आदिवासी समुदाय ही है. आरएनटीयू, भोपाल की प्राध्यापिका डॉ रचना चतुर्वेदी ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की आवश्यकता है. पर उनके संस्कृति को छेड़े बिना इसे अमल में लाया जाए, यह भी उतना ही जरूरी है. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने भी जनजातीय समुदाय को लेकर कई अहम विचार साझा किए.

भाजपाइयों ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद की जयंती

रामगढ़। भाजपा जिला कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्टी आयोजित की गई. कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री डॉ आदित्य साहू एवं मंचासीन पदाधिकारी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया. जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी का मंच संचालन महामंत्री प्रो. खिरोधर साहू ने किया. इस अवसर पर आदित्य साहू ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने मुखर होकर इसका विरोध किया था और बाद में उन्होंने जनसंघ की नींव रखी. धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री रंजन फौजी ने किया.

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों का चालान काटा गया

अलग ही अंदाज में दिखे एसपी

संवाददाता। हजारीबाग

सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन को लेकर एसपी अरविंद कुमार सिंह शनिवार को शहर की सड़कों पर अपने अलग अंदाज में दिखे. उन्होंने जिला परिषद चौक, इंद्रपुरी चौक, कल्लू चौक, तीन मूर्ति चौक, पीटीसी चौक सहित कई जगहों पर ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करनेवाले वाहन सवारों का चालान काटा. इस दौरान एसपी ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मौत न हो, इसके लिए वाहनों को रोक कर जांच की जा रही है.

इस क्रम में सभी थानेदारों व पुलिस कर्मियों को समझाया गया है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों का कैसे चालान काटें. किसे समझाएं और किसे फटकार लगाएं. इस दौरान उन्होंने दो युवतियों को बिना हेलमेट और बिना कागजात के दोपहिया वाहन चलाते पकड़ा. उनसे कारण पूछा कि क्यों ऐसा कर रही हैं. इससे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होता है और वाहन सवार की जान को खतरा भी है.वाहन चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहन सवारों को रोक कर उनके वाहन के कागजात, इंश्योरेंस व अन्य चीजों की जांच की गई.

चेकिंग के क्रम में सदर थाना, बड़ा बाजार ओपी, लोहसिंघना व मुफस्सिल थाना की पुलिस ने दो दर्जन से अधिक दो पहिया वाहनों का चालान काटा. एसपी ने आम लोगों को संदेश भी दिया है कि अभिभावक भी अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें. लगातार घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए अभिभावकों को भी आगे आना होगा.

स्कूटी सवार युवतियों को समझाते हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह.

वाहन चेकिंग

- पुलिसकर्मियों को सिखाए वाहन चेकिंग के तरीके
- फटकार लगाया, समझा कर बताया ट्रैफिक रूल

डीएवी बरकाकाना में बच्चों ने लगाए पौधे

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना में वन महोत्सव के समापन के अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने विद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण किया. बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'पेड़ ही जीवन है' का नारा लगाते हुए प्रभात फेरी निकाली. इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के महत्व को समाज के सामने रखना था. बच्चों की इस पहल को सभी ने सराहा और उनके जोश और उत्साह की प्रशंसा की. प्रधानाचार्य मो मुस्तफा माजिद ने कहा कि बच्चों के माध्यम से हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं. वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं. विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी इस अभियान में बच्चों का साथ दिया और पौधरोपण में सक्रिय भागीदारी निभाई. इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने-अपने विचार भी साझा किए और सभी से पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया.

आर्य बाल उच्च विद्यालय, नयानगर, बरकाकाना में पौधरोपण कार्यक्रम

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ा

पर्यावरण संरक्षण

- प्रकृति के उपहार के साथ छेड़छाड़ बंद करने की अपील
- समय रहते नहीं चेते, तो आने वाले समय संकटों से भरा

संवाददाता। रामगढ़

आर्य बाल उच्च विद्यालय नया नगर बरकाकाना में आयोजित वन महोत्सव शनिवार को संपन्न हो गया. समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष नेपाल यादव, उप कोषाध्यक्ष दुर्गा चरण पासवन, सह सचिव गीता देवी, उपाध्यक्ष रंजीत राम, सदस्य जूही सिंह, प्राचार्या आशा सिंह आदि मौजूद थे. अपने संबोधन में नेपाल यादव ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन से ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ रहा है.

यदि समय रहते हम सभी नहीं चेते, तो आने वाले दिनों में संकट उत्पन्न हो सकता है. पर्यावरण प्रदूषण का असर असमय मौसम परिवर्तन के रूप में साफ दिख रहा है. बेहिसाब गर्मी, बेहिसाब ठंड यह सब दूषित हो रहे पर्यावरण का ही असर है. प्रकृति के दिए उपहार के साथ छेड़छाड़ बंद कर हर व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए. पेड़-पौधे जीवदायिनी हैं. इनके पोषण से प्राणवायु को बढ़ावा मिलेगा.

इससे पूर्व प्रबंधक समिति, शिक्षक, शिक्षिकाओं और बच्चों ने विद्यालय परिसर और बाहर पौधरोपण किया गया. इस अवसर पर बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ. मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

विद्यालय परिसर में पौधरोपण करते शिक्षक-शिक्षिकाएं.

आयोजन

प्रेस क्लब रामगढ़ की वार्षिक आमसभा संपन्न, कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया

पत्रकार समाज का दर्पण, आपका दायित्व अहम : डॉ विमल कुमार

- स्वच्छ भारत निर्माण के लिए स्वच्छ पत्रकारिता करें : बंशीधर गोप

संवाददाता। रामगढ़

प्रेस क्लब रामगढ़ की वार्षिक आम सभा प्रेस क्लब के सभागार में संपन्न हुई. अध्यक्षता प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह और संचालन दिलीप सिंह व दुर्वेज आलम ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसपी डॉ विमल कुमार और अधिवक्ता संघ के वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. दोनों गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष व सचिव ने गुलदस्ता व मोमेंटो देकर अतिथियों का स्वागत किया. वार्षिक आमसभा को संबोधित करते हुए एसपी डॉ विमल कुमार ने कहा कि प्रेस क्लब को हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार हूं. उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के दर्पण हैं. आप सभी पत्रकारिता को और बेहतर बनाने का काम करें. उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार चौथा स्तंभ हैं, इसलिए आपका दायित्व काफी महत्वपूर्ण है. वहीं, वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप ने स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए स्वच्छ पत्रकारिता करने की बात कही.

वार्षिक आमसभा में कोषाध्यक्ष तरुण बागी ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया. समारोह में दिवंगत पत्रकारों की आत्मा के लिए एक मिनट का मौन रखा गया. अंत में राष्ट्रगान के बाद समारोह संपन्न हो गया. समारोह में भारी संख्या में पत्रकार एवं छायाकार उपस्थित थे.

प्रेस क्लब रामगढ़ में एसपी डॉ विमल कुमार को सम्मानित करते पत्रकार.

अभूतपूर्व रहा प्रेस क्लब रामगढ़ का एजीएम

रामगढ़। प्रेस क्लब रामगढ़ के एजीएम के बाद शनिवार को क्लब के पदाधिकारियों एवं और सदस्यों की बैठक हुई. इस दौरान 5 जुलाई को हुई वार्षिक आमसभा की समीक्षा की गई. सबसे पहले कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले गोदावरी कमोडिटीज लिमिटेड और जयनंदनी कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड का क्लब के सदस्यों ने आभार जताया. इसके साथ ही एसपी डॉ विमल कुमार, वरीय अधिवक्ता बंशीधर गोप, सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ-साथ प्रेस क्लब के सदस्यों का भी आभार जताया गया. बैठक में मौजूद पत्रकारों ने कहा कि जिलेभर से जिस तरह से पदाधिकारी और कार्यकर्ता एजीएम में शामिल हुए, यह प्रेस क्लब रामगढ़ की एकजुटता को दर्शाता है. बैठक में अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, सचिव योगेंद्र कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव दीपक प्रसाद, कोषाध्यक्ष तरुण बागी, कार्यकारिणी सदस्य देवांशु शेखर मिश्र, दुर्वेज आलम, मो वलीउल्ला, सत्येंद्र पाठक, राकेश पांडेय, दिनेश कुमार, उमेश सिन्हा, विनीत कुमार, अजीत कुमार, मनोहर लहरी सहित क्लब के अन्य सदस्य शामिल रहे.

आकांक्षी प्रखंड कटकमदाग में संपूर्णता अभियान शुरू

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमदाग प्रखंड कार्यालय में नीति आयोग द्वारा चलाये जा रहे संपूर्णता अभियान शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि कटकमदाग प्रखंड एक आकांक्षी प्रखंड है. नीति आयोग द्वारा चयनित 40 सूचकांकों पर सितंबर माह तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना है.

इस संपूर्णता अभियान में स्वास्थ्य के तीन मानकों पर कार्य करना आवश्यक है, जिसमें प्रसव पूर्व गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच करना, मधुमेह व हाइपरटेंशन के लक्षण की जांच करना और सभी गर्भवती महिलाओं को सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन प्रदान करना है. उपायुक्त ने कृषि के क्षेत्र में मृदा कार्ड बनाने के लक्ष्य को पूरा करने का भी निर्देश दिया. इसके साथ-साथ जेएसएलपीएस द्वारा गठित स्वयं सहायता ग्रुप को रिवाल्विंग फंड देने की बात कही. इस अवसर पर बीडीओ एकता वर्मा, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी मौजूद रहे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष चौथे भाव में चन्द्र शुक्र है. सुख के सामान एकत्र होंगे, पर माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. किसी से विवाद होगा, पर पराक्रम में वृद्धि करेगा. पर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बताएं.

वृषभ समय शुभ है. धन कुछ कम मिलेगा और मेहनत ज्यादा करना होगा. कार्य पूर्ण होंगे. प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा. नौकरी में सहयोगी सहायता करेंगे.

मिथुन धन का आगमन से मन प्रसन्न हो जाएगा. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. व्यस्तता रहेगी. थकान हो सकती है. आपके कार्य और प्रभाव से व्यापार ठीक चलेगा.

कर्क समय सामान्य है, पर रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. निवेश शुभ फल देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

सिंह कोई धार्मिक या सामाजिक यात्रा हो सकता है. खर्च पर नियंत्रण रखें. आर्थिक तंगी रहेगी. नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी. मन में दुविधा रहेगी. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार अच्छा चलेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या आय और नया कार्य के लिए दिन बहुत ही शुभ है. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. किसी समस्या का अंत होगा. प्रसन्नता व उत्साह में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ रहेगा. पितरों के नाम से अन्न दान करें.

तुला सरकारी कार्य में गति आएगी. न्यायालय से लाभ मिलता दिख रहा है. कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक समय सामान्य है. ससुराल से कोई लाभ का योग है. धर्म में मन लगेगा. सत्संग का लाभ प्राप्त होगा. कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी. चिंता में कमी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. अन्न दान करें.

धनु कुछ मानसिक तनाव वाला दिन होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. हताशा का अनुभव होगा. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार ठीक चलेगा. नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है. अन्न और जल पक्षियों को दें.

मकर जीवनसाथी के साथ सम्बंध मधुर होगा. कारोबार मनोनुकूल लाभ नहीं देगा. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. बाहरी वातावरण सुखद रहेगा. पर भाग्य का साथ रहेगा. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कुंभ मौसमी बीमारियों से बचाव आवश्यक है. परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी. आय में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है.

मीन शिक्षा में स्वास्थ को लेकर बाधा हो सकती है. माता से विवाद हो सकता है. आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे. मान-सम्मान मिलेगा. अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा.

वायु सेना के अधिकारी पहुंचे खूंटी

खूंटी। भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर एपी रेड्डी और कमांडिंग ऑफिसर 10 एयर मैन चयन केंद्र भर्ती अधिकारी विरेंद्र रेड्डी शनिवार को बिरसा कॉलेज, खूंटी पहुंचे और कॉलेज के सभागार में विद्यार्थियों के साथ बैठक कर भारतीय वायु सेना में जाने के प्रोत्साहित किया. वायु सेना के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को भर्ती प्रकिया की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायु सेना ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु पदों के लिए अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवारों की भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है. भारतीय वायुसेना के अग्निवीर वायु पद में भर्ती के लिए उम्मीदवार आठ जुलाई 2024 सुबह 11 बजे से 28 जुलाई 2024 रात 11 बजे तक भारतीय वायु सेना की वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं. भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा के विज्ञान संकाय में गणित, भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ कला और वाणिज्य संकाय में किसी भी विषय पर 50 फीसदी अंकों के साथ अंग्रेजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है.

इस्कॉन निकालेगी भव्य रथयात्रा

पलामू। हरे कृष्णा निवास डालटनगंज से रविवार दोपहर दो बजे इस्कॉन द्वारा भव्य रथयात्रा निकाली जायेगी. इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गयी है. शनिवार को इस सिलसिले में इस्कॉन मायापुर धाम के संकीर्तन डिपार्टमेंट प्रमुख गौरधाम प्रभु की अध्यक्षता में बैठक करने के बाद पत्रकारों को जानकारी दी गयी. मौके पर प्रथम उपमहापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह, सुंदर माधव दास (संजय पांडे) मौजूद रहे. गौरधाम प्रभु ने बताया गया कि कोई भी मनुष्य रथ पर सवार जगन्नाथ जी का दर्शन करते हैं तो उनका पुनर्जन्म नहीं होता एवं उनके दर्शन मात्र से ही पापों से मुक्त हो जाते हैं. प्रभु जी ने पूरे शहरवासियों को आमंत्रित किया तथा प्रसाद के माध्यम से कृपा पाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि 15 दिन अज्ञातवास के बाद शनिवार शाम में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा दर्शन देंगे. नेत्र उत्सव मनाया जायेगा. आकर्षक तरीके से श्रृंगार होगा. रविवार की सुबह विशेष आरती-पूजा के बाद रथयात्रा निकाली जायेगी.

नव निर्वाचित सांसद जोबा मांझी शनिवार को जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचीं, महागठबंधन के नेताओं ने किया स्वागत, बोलीं

जगन्नाथपुर समेत पूरे झारखंड से भाजपा का होगा सफाया : जोबा मांझी

सुकेश कुमार। चाईबासा

सिंहभूम की नव निर्वाचित सांसद जोबा माझी शनिवार को जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचीं. सांसद के साथ चाईबासा के विधायक सह पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ भी मौजूद थे. आभार यात्रा सह अभिनंदन कार्यक्रम की शुरुआत मोंगरा पंचायत से हुई. यहां पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, अभिषेक सिंकू के नेतृत्व में जोबा माझी और दीपक बिरुवा का जोरदार स्वागत किया गया. इसके बाद जगन्नाथपुर बाजार में महागठबंधन के नेताओं ने स्वागत किया. कार्यकर्ता और समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशियों का इजहार किया. सांसद जोबा माझी ने जगन्नाथपुर विस क्षेत्र समेत सिंहभूम के तमाम मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि चुनाव में जनता ने सूझबूझ से अपने मताधिकार का प्रयोग किया है. जनता ने जिस उम्मीद से उन्हें चुना है, उसे व्यर्थ नहीं जाने देंगी. हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी रहेंगी. आगामी विस चुनाव में भी महागठबंधन के प्रति विश्वास और समर्थन बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि जगन्नाथपुर समेत पूरे झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा. इसके बाद झारखंड का विकास होगा. उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि रोजगार के मुद्दे पर वह बेहद गंभीर हैं. जरूरत पड़ी तो लोकसभा में खदानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाएगी. मोंगरा, जगन्नाथपुर बाजार, कासिरा, पोकाम, जैंतगढ़, सियालजोड़ा, कलैया, डांगुवापोसी, नोवामुंडी आदि इलाकों में अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ. मौके पर झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, अभिषेक सिंकू, इजहार राही, लक्ष्मी नारायण लागुरी, सुभाष बनर्जी, नवाज हुसैन, इकबाल अहमद, आसमान सुंडी, जगत माझी, डोगर हुसैन, अजीत लागुरी, राजू कुंकल समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

आभार यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करतीं सांसद जांबा मांझी.

खास बातें

- विभिन्न प्रखंडों में सांसद जोबा मांझी का हुआ स्वागत
- पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने भी समारोह में भागीदारी निभाई

सांसद बंद खदानों का मामला सदन में उठाएं : दीपक

आभार यात्रा सह अभिनंदन समारोह में चाईबासा के विधायक सह पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि क्षेत्र की खदानें बंद होने से यहां के लोगों के समक्ष बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हुई है. उन्होंने स्थानीय लोगों की तरफ से सांसद से आग्रह किया कि संसद में खदानों का मामला उठायें. इसके साथ ही दीपक बिरुआ ने कहा कि आने वाले विस चुनाव में भी भाजपा को सबक सिखाना है. पूर्व मंत्री ने राज्य सरकार की सर्वजन पेंशन योजना और 200 यूनिट बिजली मुफ्त का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड और यहां के लोगों के हित में कई योजनाएं चला रही हैं.

कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद से बनेगी हमारी सरकार

पार्टी में कार्यकर्ता सर्वोपरि, वही लड़ता है जमीनी लड़ाई : मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची/हजारीबाग

प्रदेश भाजपा ने विजय संकल्प सभा के जरीए अपनी ताकत झोंक दी है. यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक विधानसभा वार चलेगा.शनिवार को हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में विजय संकल्प सभा और कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम हुआ. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा की पूंजी कार्यकर्ता ही है. पार्टी के नेता तो मंच, माला माइक से जुड़े रहते हैं लेकिन एक सामान्य कार्यकर्ता चुपचाप पार्टी के लिए असाधारण कार्य करता है. जमीनी लड़ाई बूथ का साधारण कार्यकर्ता ही लड़ता है. चाहे पन्ना प्रमुख हो या बूथ की समिति, सभी अभिनंदन के पात्र हैं. कदम कदम पर जनता के सवालों का जवाब कार्यकर्ता ही देता है, घर-घर संपर्क कार्यकर्ता ही करता है. इसलिए कार्यकर्ताओं को सम्मान देना पार्टी का धर्म है.

तीसरी बार मोदी सरकार कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का फल : मरांडी ने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार यह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का फल है, जिसे आज कांग्रेस झामुमो सहित इंडी एलायंस के लोग पचा नहीं पा रहे. चाय वाले का बेटा तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बने यह उन्हें बर्दाश्त नहीं. लोकसभा चुनाव में इंडी एलायंस ने झूठ और दुष्प्रचार का सहारा लिया।तरह तरह के अफवाह फैलाए, लेकिन देश की जनता ने उन्हें करारा जवाब दिया. केवल केंद्र में मोदी सरकार ही नहीं बनायी, बल्कि कई प्रदेशों में भाजपा एनडीए की सरकारें बनी. झारखंड में भी एनडीए को 81लाख वोट मिले, नौ सीटों पर विजय मिली जबकि इंडी ठगबंधन 66 लाख वोट के साथ पांच सीटों पर सिमट गया.

विजय संकल्प सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद दीपक प्रकाश, मनीष जायसवाल व अन्य नेतागण.

ध्वस्त है विधि व्यवस्था

आज राज्य की स्थिति बद से बदतर होती जा रही. विधि व्यवस्था ध्वस्त है. व्यवसायियों को अपराधियों के कॉल आते हैं, रंगदारी मांगी जाती है. एक भी उद्योगपति उद्योग लगाने को तैयार नहीं. पुलिस पदाधिकारियों ने वसूली में महारत हासिल कर लिया है। युवाओं की प्रतियोगिता परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही. नौकरियों को लाखों में बेंचा जा रहा.

बदल रही डेमोग्राफी

संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल रही. 1951 से 2011 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार आदिवासियों की आबादी तेजी से घटती ही जा रही और मुस्लिम आबादी दिनोंदिन अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही. ऐसा लगता है कि कुछ दिनों में संथाल परगना से आदिवासियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा. ऐसे हालात में जनता आशा भरी निगाहों से भाजपा और एनडीए की ओर देख रही.

बयानों में दिखने लगी है चंपाई की पीड़ा: बाबूलाल

रांची। चंपाई सोरेन को हटाकर हेमंत सोरेन के सीएम बनने पर झारखंड में सिसायत गर्म है. विपक्षी पार्टी भाजपा लगातार झामुमो और हेमंत सोरेन पर हमलावर हो रही है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी निशाना साधते हुए कहा है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की पीड़ा बयानों में दिखने लगी है. मरांडी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि हेमंत सोरेन में असुरक्षा की भावना इस कदर घर कर गयी है कि उन्हें अपने ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों पर भरोसा नहीं रहा. हेमंत सोरेन और उनका परिवार झामुमो के आदिवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं को सिर्फ दरी बिछाने और झंडा ढोने के योग्य समझता है. चंपाई सोरेन ने धीरे-धीरे ही सही लेकिन सकारात्मक राजनीति की ओर कदम बढ़ाया था. पार्टी कैडरों के बीच चंपाई की बढ़ती स्वीकार्यता देख हेमंत विचलित हो उठे. चंपाई के प्रकरण को देखकर अब उम्मीद है कि जल-जंगल-जमीन और झारखंड राज्य का आंदोलन करने वाले आदिवासी नेता और कार्यकर्ता झारखंड की अस्मिता और यहां के संसाधनों को किसी बदमिजाजी, सनकी और परिवारवादी व्यक्ति के हाथ में नहीं सौंपेंगे.

नियुक्ति में बाधा डालना सरकार की संस्कृति बन गयी है

बाबूलाल ने अपने दूसरे एक्स पोस्ट में कहा कि पिछले 5 सालों से जानबूझकर युवाओं की नियुक्ति में बाधा डालना जेएमएम-कांग्रेस सरकार की संस्कृति बन गयी है. नौकरी के लिए कोर्ट-कचहरी से लेकर सड़क पर आंदोलन करते-करते राज्य के लाखों परीक्षार्थी हताश और निराश हो चुके हैं. जनवरी में संपन्न हुई जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा हेमंत सरकार के संरक्षण में पेपर लीक होने की वजह से रद्द हो गयी थी.

फॉरेस्ट की रेस्क्यू टीम ने दो खतरनाक सांपों को पकड़ा

संवाददाता। लातेहार

लातेहार वनों के क्षेत्र कार्यालय द्वारा गत शुक्रवार की देर शाम शहर के जुबली एवं माको मुहल्ला में दो खतरनाक कोबरा सांपों का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया. वनों के क्षेत्र पदाधिकारी नंदकुमार मेहता के नेतृत्व में गठित रेस्क्यू टीम में जय जयेंद्र कुमार प्रभारी वनपाल लातेहार, पिंटू कुमार वनरक्षी एवं आशीष कुमार झा वनरक्षी की टीम ने बखूबी खतरनाक कोबरा सांपों का सफल रेस्क्यू किया. जानकारी के अनुसार जुबली रोड स्थित कार्निवल होटल के पास एक खतरनाक कोबरा फन फैलाकर इधर-उधर घूम रहा था. उसे देखकर लोग काफी भयभीत थे. लोगों ने वनों के क्षेत्र पदाधिकारी श्री मेहता को गत शुक्रवार की रात्रि 8:30 बजे इसकी सूचना दिया. श्री मेहता ने 10 मिनट के अंदर दलबल के साथ स्थल पर पहुंचकर बहुत मशक्कत से फन फैलाये कोबरा को जीवित पकड़ने में सफलता पाया. पकड़ने के बाद रेस्क्यू टीम द्वारा ललमटिया जंगल में उक्त सांप को छोड़ा गया. तब तक शहर के माको मोहल्ले में सांप होने की सूचना श्री मेहता को मिली पुनः रेस्क्यू टीम माको मोहल्ला जाकर सांप को रेस्क्यू किया. जिसकी पहचान खतरनाक कोबरा के रूप में की गई. रेस्क्यू के उपरांत जलता जंगल में उक्त सांप को छोड़ा गया. बताया जाता है कि वन विभाग सांपों की रेस्क्यू के लिए विशेष प्रशिक्षित दल को तैयार किया है.खतरनाक सांप को भी बहुत ही आसानी से रेस्क्यू कर इस टीम को काफी उपलब्धियां मिल रही है.

महिला की हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। खूंटी

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हत्या के आरोपित कंदरू तिग्गा उर्फ कंदरू उरांव (45) को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में खूंटी पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग 10.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि डुमारी गांव में एक महिला की हत्या कर दी गई है. इसके आलोक में वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर तोरपा के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया. छापामारी दल ने डुमारी गांव स्थित मृतक अमृता देवी के शव को कब्जे में लिया तथा घटना में प्रयुक्त लकड़ी के टुकड़े को भी जब्त कर लिया. छापामारी दल ने डुमारी स्थित आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल से अभियुक्त कंदरू उरांव को गिरफ्तार कर लिया. घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहनी हुई खून लगी शर्ट को भी जब्त कर लिया. इस संबंध में कर्रा थाने में मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

आजसू का अंचल कार्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम

झारखंड सरकार सिर्फ राज्य को लूटने में मस्त है : चंद्र प्रकाश चौधरी

संवाददाता। रामगढ़

आजसू पार्टी रामगढ़ प्रखंड, छावनी परिषद, रामगढ़ सदर, कमेटी ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के दौरान रामगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष हल्ला बोल कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी एवं संचालन जिला सचिव लालचंद महतो ने किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी शामिल हुए. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक सुनीता चौधरी, बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी, मांडू विधान सभा प्रभारी तिवारी महतो जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी उपस्थित हुए.

हल्ला बोल कार्यक्रम में आजसू पार्टी जिला कार्यालय रामगढ़ से सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक सुनीता चौधरी, बड़कगांव विधान सभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी मांडू विधान सभा प्रभारी तिवारी महतो के नेतृत्व में आजसू पार्टी जिला कार्यालय रामगढ़ से सुभाष चौक, बिजुलिया होते हुए जुलूस रामगढ़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचा. अंचल कार्यालय पहुंचकर पार्टी नेताओं ने हल्ला बोल कार्यक्रम को संबोधित किया. मौके पर मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार सिर्फ लूटने में मस्त है,जनता भ्रष्टाचार से त्रस्त है. पूरे प्रदेश भर में भ्रष्टाचार की बुनियाद खड़ी कर रखी है. हर क्षेत्र में इस सरकार के और सरकार के शासन प्रशासन में भ्रष्टाचारी कूट कूट के भरी हुई है. वहीं विधायक सुनीता चौधरी ने कहा कि ये जेएमएम की सरकार जो कहती है कि हम आदिवासियों-मूलवासियों की पार्टी है वही हेमंत सोरेन जो लूट खसोट भ्रष्टाचारी के चलते पांच महीना जेल की सलाखों के पीछे चले गए.

डीवीसी के स्थापना दिवस पर विशेष

...और बंगाल का शोक बन गया देश की शान

रंजीत सिंह/शेष नारायण सिंह। धनबाद

देश में ऊर्जा के क्षेत्र में दामोदर घाटी निगम यानी डीवीसी लगभग आठ दशक से महत्वपूर्ण योगदान निभाता आ रहा है. आजादी के बाद पूरे देश में सबसे पहला डैम बनने का खिताब भी डीवीसी के नाम है. आजादी के एक वर्ष बाद 1948 से ही बहुउद्देशीय उद्देश्य के साथ बिजली, पानी ,रोजगार समेत कई आयामों के साथ आगे बढ़ा और आज भी अग्रसर है. दामोदर घाटी निगम की स्थापना सात जुलाई 1948 को भारतीय जनमानस की धरोहर दामोदर नदी पर डैम बनाने के साथ शुरू हुई थी. तब से लेकर आज तक देश की शान बनकर अविरल बिजली बनाने से लेकर सिंचाई रोजगार आदि उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी डीवीसी बखूबी निभा रहा है.

प्रलय के तूफान से ऐसे निकली कल्याण की राह

बंगाल का शोक कहे जानेवाले दामोदर नदी के प्रलय कारी प्रवाह को रोकने और उसके पानी से बहुद्देशीय परियोजना खोलने की परिकल्पना 1943 में आए भयंकर बाढ़ के बाद की गई थी. क्योंकि दामोदर नदी में हर साल बाढ़ आने के बाद बंगाल में भयंकर तबाही होती थी. 1943 में दामोदर नदी के प्रवाह ने ऐसा प्रलय मचाया कि पश्चिम बंगाल के इतिहास में इसे काला अध्याय माना जाता है. तब दामोदर में आई बाढ़ ने हजारों लोगों कको मौत की नींद सुला दिया था और लाखों लोग बेघर हो गए थे. इसे देखते हुए पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल ने बर्दवान के महाराज व भौतिक विज्ञानी मेघनाद साहा के नेतृत्व में बतौर जांच टीम गठित की थी. उसमें तय किया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के टेनेसी घाटी प्राधिकरण की तर्ज पर दामोदर नदी पर भी बांध बनाकर न सिर्फ प्रलय कारी प्रवाह को रोका जा सकता है बल्कि इसी धारा से कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जा सकती है. इसके लिए अमेरिका से टेनेसी घाटी प्राधिकरण के सीनियर इंजीनियर डब्ल्यूएल बुरदईन को देश बुलाया गया. उन्हें दामोदर नदी की भौगोलिक हालात से रूबरू कराया गया. 1944 में डब्ल्यू एल बुरदईन ने दामोदर नदी पर एकीकृत दामोदर घाटी निगम के साथ सिंचाई के अलावा बहुउद्देशीय परियोजना के रूप में स्थापना करने का सुझाव दिया. इस मशवरे के बाद दामोदर घाटी निगम की स्थापना का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया, फिर बिहार ,पश्चिम बंगाल व केंद्र सरकार ने मिलकर योजना बनाई. आखिरकार 7 जुलाई 1948 को दामोदर घाटी निगम की स्थापना हुई. फिर दामोदर की प्रलयकारी प्रवाह को कल्याण की दिशा में मोड़ दिया गया. डीवीसी के अंतर्गत फिलहाल मैथन, पंचेत, तिलैया ,कोनार डैम हैं.

चिंताजनक

वर्ष 2025 में यहां का उत्पादन लक्ष्य घटकर एक मिलियन टन से भी कम हो जाने की उम्मीद

सेल मेघाहातुबुरु ने उत्पादन लक्ष्य घटाकर 2.5 मिलियन टन किया

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सेल की मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान में लौह अयस्क का भंडार खत्म होने के बाद निरंतर बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर प्रबंधन ने खदान का उत्पादन लक्ष्य 3.7 मिलियन टन से घटाकर 2.5 मिलियन टन कर दिया है. मेघाहातुबुरु खदान में सबसे अधिक 4.4 मिलियन टन उत्पादन होता था. खदान की खराब होती स्थिति के बाद 3.7 मिलियन टन व अब 2.5 मिलियन टन किया गया. अगर यही स्थिति रहा तो वर्ष 2025 में यहां का उत्पादन लक्ष्य घटकर एक मिलियन टन से भी कम हो जाएगा, अर्थात बंदी के कगार पर होगा. लक्ष्य घटाने के बाद सेलकर्मियों की चार रविवार की ड्यूटी में से दो की कटौती की गयी. प्रबंधन महीना में पहले और तीसरे रविवार को ड्यूटी देने पर राजी हुआ. अगर किसी महीना में पांच रविवार आता है, तो अंतिम रविवार को भी ड्यूटी देने की बात कही गई है. इससे प्रत्येक सेलकर्मियों को कम से कम 5-7 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा.

मेघाहातुबुरु खदान गेट की तस्वीर

खास बातें

- सेलकर्मियों को दो रविवार को ड्यूटी पर नहीं बुलाया गया
- खदान की खराब स्थिति के कारण उठाया गया यह कदम

सीजीएम ने मांगा सहयोग

इस मामले को लेकर मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम ने महाप्रबंधक (पीएंडए) विकास दयाल व तमाम मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में मेघाहातुबुरु खदान और लौह अयस्क की स्थिति से अवगत कराते हुए इस विकट स्थिति में सहयोग मांगा. सेलकर्मियों ने भी स्थिति को देखते हुए प्रबंधन को पूरा सहयोग का भरोसा दिया है.

10 वर्षों से लीज के लिए प्रयासरत

उल्लेखनीय है कि मेघाहातुबुरु का सेंट्रल व किरीबुरु का साउथ ब्लॉक पहाड़ी का लीज के लिए दोनों प्रबंधन पिछले 10 वर्षों से प्रयासरत है, लेकिन केंद्र सरकार ने सारंडा जंगल में निवास करने वाले वन्यप्राणियों की सुरक्षा व संरक्षण से जुड़ी वन्यजीव संरक्षण प्लान को लेकर फाइल क्लियर नहीं कर हर बार एक नया सवाल खड़ा कर वापस कर दे रही है. इस कारण दोनों खदानों की स्थिति निरंतर खराब होती जा रही है. खासकर मेघाहातुबुरु खदान की स्थिति दयनीय हो गई है एवं यह खदान बंद होने के कगार पर पहुंच गई है.

केंद्र बंद करना चाहती है खदान

मजदूर नेता अफताब आलम ने कहा कि केन्द्र सरकार सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु आदि पब्लिक सेक्टर की लाभ वाली खदानों को एक साजिश के तहत बंद करना चाहती है. ताकि इसे प्राइवेट कंपनियों को दे सके. लेकिन हमलोग केंद्र सरकार की ऐसी मंशा को सफल नहीं होने देंगे.

खूंटी में खुला झारखंड का सबसे बड़ा वाटर पार्क

संवाददाता। खूंटी

खूंटी के बेलाहाथी में झारखंड के सबसे बड़े वाटर पार्क एनडीए एक्वा अम्यूजमेंट पार्क का उद्घाटन शनिवार को सांसद कालीचरण मुंडा ने फीता काटकर किया. इसके पूर्व सांसद के पार्क पहुंचने पर पार्क के संचालकों ने उनका जोरदार स्वागत किया. मौके पर सांसद ने कहा कि खूंटी में झारखंड के सबसे बड़े पार्क का खुलना हर्ष की बात है. उन्होंने कहा कि पार्क के बनने से लोगों का खूंटी में आवागमन बढ़ेगा. इससे इस क्षेत्र में पर्यटन का बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि खूंटी में पर्यटन को बढ़ावा मिले. इसके लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे. एनडीए एक्वा अम्यूजमेंट पार्क के संचालक दीपक कुमार, अंबिका, रमेश महतो, बबलू आदि ने बताया कि पार्क में मनोरंजन के कई साधन उपलब्ध हैं. इनमें रेन डांस, फैमिली स्लाइड, स्पाइडर स्लाइडर, एमपीडब्ल्यूपीएस, नॉर्मल रील आदि शामिल हैं.

खास बातें

- सांसद कालीचरण मुंडा ने किया उद्घाटन
- एक्वा अम्यूजमेंट वर्क खुलने से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

हरियाली का मौसम आया, टप-टप बरसे पानी

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जब वर्षा ऋतु का आगमन होता है तो सूना गगन घहराते काले-उजले मेघों से भर जाता है और संतप्त सूखी धरती की छाती शीतल हो जाती है. चराचर जगत चहक उठता है. वर्षा ऋतु यानी प्रकृति के श्रृंगार का ऋतु, सौंदर्य का ऋतु, प्रीत का ऋतु, मिलन और विरह का ऋतु. चारों और हरियाली का साम्राज्य. शीतल मंद बयार के साथ कभी रिमझिम तो कभी मीठी फुहार तन-मन को आनंद के सागर में निमग्न कर देती है. पावस का दूसरा पक्ष यह भी है कि इसका आगमन सुखी लोगों का सुख और दुखी जनों के दुख में वृद्धि कर देता है. संयोग और वियोग दोनों ही श्रृंगारों में निखार आ जाती है. संयोगिनी धन्य हो जाती है तो वियोगिनी की तड़प और बढ़ जाती है. यह ऋतु जन मानस को तो प्यार से सहलाती ही है, कवियों को भी गुदगुदाने से बाज नहीं आती. यही कारण है कि आदि कवि वाल्मीकि से लेकर आधुनिक युग के नवगीतकारों तक को वर्षा ऋतु काव्य-सृजन की प्रेरणा देती रही है. संस्कृत साहित्य में कालिदास के वर्षा के सौंदर्य के अप्रतिम चित्रण से प्रायः साहित्यप्रेमी परिचित हैं. हिंदी साहित्य के मध्य युग में गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास, जायसी आदि कवियों द्वारा पावस ऋतु के सुंदर और सरस चित्रण ने जनमन को आह्लादित किया है तो आधुनिक हिंदी साहित्य में छायावादी कवियों में प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी, आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, नागार्जुन और डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र जैसे नवगीतकार आदि ने सरस साहित्य का सृजन किया है. इस कड़ी में रांची की कवयित्री **पुष्पा पाण्डेय** की बारिश की फुहारों से भीगी रचनाएं काव्य प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करने लगी हैं. प्रस्तुत है इनकी सार छंद में रचित यह रचना, जिसका शीर्षक है-बरसात.

हरियाली का मौसम आया, टप- टप बरसे पानी.
पावस लेकर आया है अब, जो ऋतु की है रानी.
उमड़-घुमड़ कर बादल आया, श्याम और कुछ काला-
आसमान में देख मेघ को, धरा हुई दीवानी..
शोर मचाने लगा वारिधर, चपला आंख दिखाती.
दिल की धड़कन बढ़ जाती है, फिर भी मन को भाती.
चली गगन से बरखा रानी, छम- छम पायल करती-
नृत्य करे रम्भा के जैसे, दिल को बड़ी लुभाती..
ओढ़ ओढ़नी धानी धरती, मंद-मंद मुस्काई.
दुल्हन बनी सेज पर बैठी, रात मिलन की आई.
कुदरत तो अब जश्न मनाती, यही सृजन की बेला-
पता-पता बूटा- बूटा, फूल कली इठलाई..
धरा कोख में पड़े बीज अब, छोड़ तमस को आए.
फूट पड़े अब कोमल कोंपल, नये सृजन को पाए.
कल-कल करती नदियां भी अब, चलीं नदीश मिलन को-
पुरवइया भी सरगम छेड़े, मधुर राग में गाए..
मधुर मिलन की ऋतु यह सावन, अमर प्रेम की रातें.
करूं यायना मेघ राज से, संदेशा पहुंचाते.
मुझे डराती रही दामिनी, कैसे रात बिताएं-
अबकी सावन आते साजन, प्रीत अमर कर जाते..

पुष्पा जी की इस रचना में जहां सार छंद के अनुशासन का पूर्णतः पालन किया गया है, वहीं रूपक, उपमा, विरोधाभास, संदेह, अनुप्रास आदि अलंकारों की छटा निराली है. यति, गति और प्रवाह की स्वाभाविक उपस्थिति के कारण यह कविता पाठकों पर हावी और प्रभावी होने में सक्षम है. पुष्पा जी अपनी इस कविता से प्रमाणित करती महसूस होती हैं कि काव्य साहित्य में छंद और अलंकार निरर्थक नहीं होते. यदि कवि में रचनाशीलता हो छंदों के माध्यम से अपने भावों को प्रभावशाली अभिव्यक्ति देना असंभव नहीं है. आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मन को थोड़ा समझा लें और साधना करें. कुछ ऐसी ही सलाह दे रही हैं जमशेदपुर की कवयित्री **सविता सिंह मीरा**. इनकी कविता का शीर्षक है-मन को थोड़ा समझा लें हम.

मन को थोड़ा समझा लें हम
क्यों करना ऐसा हनन
कैसे उपजे है यह चिंतन
क्यों होना इतना मुंहफट
कर लेते कुछ तो मंथन.
उपालम्भ और आलोचना
जायज है क्या तकरार?
शब्दों से करना छलनी
सच में इसकी है दरकार.
आवरण धारण है मौन का
पर खामोशी में भी शोर है
क्या गरल पीने लगे हो तुम?
यह तुम ही हो या कोई और है.
कुछ क्षण व्यथित रही
और थोड़ी भ्रमित रही
धत तेरी सुन पगली
अब भी तू चकित रही.
विद्वान सर्वत्र पूज्यते
क्यों इसको तू गई भूल
फूल बिछाए राहों पर कौन
लांघते चलो पथ के शूल.
होगा निश्चित पथ प्रशस्त
खुद में रहना तुम आश्वस्त,
एकला चल तू बंधु
इक दिन होना सबका अस्त.

वर्षा ऋतु के सुख से पहले ज्येष्ठ का तपन आता है. अभिप्राय यह कि दुख से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि दुख के बाद सुख आता ही है. मृगशिरा नक्षत्र में जहां लोग सूर्य के कठिन आतप में तपते हुए शिथिल हो जाते हैं, तब वर्षा के आगमन की आस बंधती है. फिर भी जब धूप सताती है तो भविष्य नहीं वर्तमान ही नजर आता है तो दिल से पुकार उठती है-ऐ धूप अब तो मान जा....अब तो जान छोड़. पलामू के डालटनगंज निवासी कवि **अमित गुप्ता** की कविता से यही भाव अभिव्यक्त हो रहा है.

इनकी कविता का शीर्षक है-ऐ धूप, तू मान मेरी.
ये धूप, तेरा यूं नित्य बढ़ना लाजमी है मानता हूं मैं,
तेरी तपन तुझको मानवों ने ही दिए, जानता हूं मैं
पर क्या तू भी बन जाओगे निर्मोही और निष्ठुर
तू मान मेरी, कर दे ऐसी सभी नाराजगी तू दूर
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरे तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
दर्द तेरा समझता हूं, ऐसे ही नहीं ढा रहा तू ये कहर
इच्छाओं की परिसीमा लांघते गए हम इंसान इस कदर
पेड़ काटे, पर्वत-पहाड़ तोड़े, और क्या-क्या न किए
पर तुझसे तो हमने ना कभी ऐसी उम्मीद की
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरी तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
अच्छे, बुरे, लोभी, लालची, मतलबी चाहे जैसे भी
आखिर ये भी तो तेरे संगी हैं, तू रखे चाहे जैसे भी
मान जा, तू जिद न कर, बढ़ तू पर न इस तरह
प्रकृति प्रेमियों के भी आंसू बहे पसीने की तरह
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरे तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है .
नन्हे बच्चों की छुट्टियां अभी-अभी तो खत्म हुई
नई जोश नई उमंग है, पर ये गर्मी से बेहाल हैं
ये तपन उन्हें सताती है, न जाऊंगा स्कूल, कहलवाती है
ये भविष्य कल के, पढ़ कर समझेंगे तेरी वेदना को
मेरी सुन, खामखां तू दिन-ब-दिन बढ़ रहा है
तेरी तपन से पिघल जाए ऐसा कोई दिल नहीं है.

यह सुखद है कि कवि ने समझाया तो धूप की भी समझदारी बढ़ गयी. उसने मेघों की चादर ओढ़ ली. मेघों ने भी किया कमाल. रिमझिम के तराने शुरू हो गये. धरती की छाती जुंड़ा गयी. चराचर जगत के चेहरे खिल उठे. अधरों पर मधुर मुस्कान थिरक उठी. चारों ओर आनंद ही आनंद है. अब तो मुझे आज्ञा दीजिए. जय हिंद! जय झारखंड!!

आधुनिक, विकसित मनुष्य की व्यथा

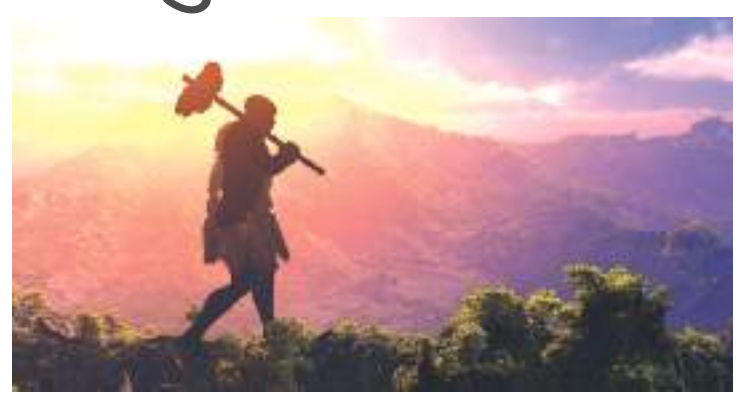

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

मनुष्य के हज़ारों, लाखों सालों की विकास यात्रा आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां यह निर्णय करने में भी कठिनाई हो रही है कि सुख क्या है, कहां है! हम भारत के परिपेक्ष्य में बात करें तो कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं. भारत की बड़ी आबादी मूल रूप से दुनिया के अलग क्षेत्रों से यहां आये और हज़ारों सालों से यहां बस गए. अलग भौगोलिक, प्राकृतिक परिस्थिति के अनुरूप उन पूर्वजों ने अपनी सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, नियम, कानून और समाज को विकसित किया. फिर ज़मीन को सबसे बड़ी संपत्ति और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी मानते रहे सदियों तक. यूं तो इतिहास में ऐसे बहुत सारे लोगों के भारत आने का प्रमाण उपलब्ध सबूतों में मिलता है, पर यहां इस बात की चर्चा अप्रासंगिक नहीं है कि सबसे ज्यादा आक्रमणकारी लुटेरा बनकर भारत से सोना और संपत्ति लूटने आया था.हूण-कुषाण और बाद में मुग़ल वंश के लोग यहीं आकर बस गए. सब शासकों का अच्छा -बुरा जो भी शासन रहा उसमें भारतीय मूल ग्रामीण जीवन शैली बहुत वृहत पैमाने पर प्रभावित नहीं हुआ था. अठारहवीं शताब्दी में व्यापारी बनकर भारत में प्रवेश करने वाले यूरोपीय लोगों में कालांतर में इंग्लैंड के लोग तो शासक ही बन बैठे. उन लोगों ने बहुत चतुराई से भारत के लोगों में अपनी भाषा, संस्कृति, लिबास, शिक्षा, स्वास्थ्य, ज्ञान इत्यादि से घृणा करना सिखाया . इसमें अलग अलग समय में धर्म परिवर्तन और सांस्कृतिक परिवर्तन पर भी जोर दिया गया. भारत के लोग अपनी संस्कृति और भाषा से धीरे धीरे दूर ही नहीं होते गए, उस 'यूरोपीकरण ' के दौड़ में पिछड़ने पर दूसरे और तीसरे दर्जे का आदमी बनना मानसिक रूप से स्वीकार कर लिया. फिर आया औद्योगीकरण का दौर, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण पैसा हो गया. गांव के बड़े भूखंड अर्थहीन और निरर्थक हो गए. खेतों में काम करने वाले करोड़ों ग्रामवासी महानगरों के आसपास झुग्गियों में जीवन गुज़ारते हुए फैक्टरी मज़दूर बन गए. उनका मूल श्रम और सोच मालिकों को और अमीर बनाने में लगा रहा! धीरे धीरे उनकी भाषा संस्कृति पीछे छूट गयी. और भाषा छूटने के साथ ही उनका अस्तित्व भी मिटने लगा. ध्यातव्य है कि ईख मज़दूरों और अन्य कुली मज़दूरों के रूप में मॉरीशस, फिजी, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे भारतीय मूल के लोग दो तीन सौ सालों के बाद भी अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार सम्हाले बैठे हैं! इक्कीसवीं सदी में मूल चंपारण का निवासी, पढ़ा लिखा भी दिल्ली के मयूर बिहार में रहने वाले बच्चों से अपनी मातृभाषा में बात नही करता और उसे अपनी संस्कृति ,संस्कार की ज्यादा चीजें घिनौनी और दकियानूसी लग रही हैं.यह एक अलग संक्रमण काल है.

अद्भुत एवं अद्वितीय है बुद्ध स्तूप

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

बिहार का वैशाली वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठित है, क्योंकि यह एक ओर गौतमबुद्ध की उपदेश भूमि है तो दूसरी ओर जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर की जन्मभूमि है. तीसरी ओर गणतंत्र की जननी, चौथी ओर रामायण कालीन क्षत्रिय राजा विशाल की राजधानी और पांचवीं ओर वैशाली की नगर वधू आम्रपाली की दीक्षा भूमि है. बहुविध चतुर्दिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर आज वैशाली वैश्विक धरातल पर अजर अमर हो चुकी है.

वैशाली में अनेक स्तूप बने हुए हैं. यथा आनंद स्तूप, विश्व शांति स्तूप, अशोक स्तूप आदि. उनमें गौतमबुद्ध की स्मृति में बना गौतमबुद्ध स्तूप अद्भुत एवं अद्वितीय है. आज मैं गौतमबुद्ध के अवशेष पर बने बौद्ध स्तूप के संदर्भ में अपने पाठकों को बताना चाहता हूं. कहा जाता है कि गौतमबुद्ध का महापरिनिर्वाण होने पर उनके शरीर का एक भाग लिच्छिवियों को मिला, जिसके ऊपर उन्होंने एक स्मारक खड़ा किया. मार्च 1958 में अभिषेक पुष्पकरिणी के उत्तर हरपुर वसंतपुर गांव के एक टीला की पुरातात्विक खुदाई की गई. खुदाई में गौतमबुद्ध का शरीरावशेष प्राप्त हुआ. उत्खनन कर्ता डॉ. एएस अल्तेकर थे. खुदाई से मिले स्तूप को एक छतरी से ढककर सुरक्षित किया गया और उसे एक सुंदर पार्क से सुशोभित किया गया.

सुप्रसिद्ध चीनी यात्री युवाड-च्वांग ने अपनी पुस्तक यात्रा विवरणी में लिखा है कि राजकीय नगर के 150 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर-पश्चिम की ओर एक संधाराम है, जिसके बगल में एक स्तूप है, उसी स्थान पर तथागत ने 'विमल कीर्ति' सूत्र को व्यक्त किया था. वहीं पर एक कृषक के बेटे रत्नाकर ने छोटा छाता भेंट किया था. उक्त स्तूप के दक्षिण पूरब में एक अंतिम बौद्ध स्तूप है, जिसे वैशाली के राजा ने बनवाया था.

गौतमबुद्ध के निर्वाण के बाद वैशाली के राजा को उनकी राख का एक अंश मिला, जिस पर उनके सम्मान में वहां एक ऊंचा स्तूप बनवाया गया था. सर्वप्रथम उस स्तूप के अंदर भगवान गौतम बुद्ध के शरीरावशेष को एक खोह में 10 भाग अंश सुरक्षित रखा गया था. अपने शासन काल में सम्राट अशोक उसे खुदवाकर नौ भाग ले गये और उसमें एक भाग छोड़ दिया. उसके बाद एक और राजा ने दोबारा उसे खुदवाने का प्रयास किया था, लेकिन वह सफल नहीं हुआ. स्तूप को खुदवाते समय वहां की धरती कांपने लगी और फिर कभी किसी ने उसे खुदवाने का प्रयास नहीं किया.

गौतमबुद्ध के शरीरावशेष को बहुत दिनों बाद बिहार सरकार ने खुदवाया, जो इन दिनों पटना संग्रहालय में संरक्षित है. चीनी यात्री फाहियान के अनुसार वैशाली नगर में आम्रपाली नाम की एक विश्व सुंदरी नर्तकी रहती थी, उसने ही गौतमबुद्ध का वर्तमान स्तूप बनवाया था, जिसे आज भी देखा जा सकता है.

सबको मालूम है और सबको खबर हो गई

नश्तर

सुधीर राघव

रामराज्य का शोर थम चुका है. अब धड़ाधड़ पुल गिर रहे हैं. सड़कें धंस रही हैं. हवाई अड्डों की छत गिर रही है. पेपर लीक हो रहे हैं. महंगाई रोज नए मिसाइल टेस्ट कर रही है. उसने गरीबों से युद्ध छेड़ दिया है. टमाटर में नया मूल्यवर्धन इंजन लगाकर उसे हाइपरसोनिक मिसाइल बना दिया गया है. एंटीलिया वालों ने सारे प्लान महंगे कर दिए हैं, ताकि टमाटर सिर्फ उनकी थाली और सलाद में रहे. वे अपने हाथियों को ड्राई-फ्रूट्स के लड्डू खिला रहे हैं. इसलिए ड्राई-फ्रूट्स की मांग बढ़ गई. नेता प्रचार कर रहा है कि देखो देश अमीर हो रहा है.

ड्राई-फ्रूट्स वाले टनों लड्डू रोज हाथियों को खिलाने से बादाम इतने महंगे हो गए हैं. इतने कि अब वे गरीबों के बच्चों के सपने में भी नहीं आते. उधर, हाथी सोच रहे हैं कि भगवान ने हमारी आंतों को कच्ची शाकाएं पचाने के लिए बनाया है तो हमें पका हुआ दलिया और लड्डू क्यों खिलाया जा रहा है. हाथियों को गैस बन रही है.बदहजमी की डकारें आ रही हैं. वे और फूल गये हैं. वजन कम करने के लिए हाथियों

के जोड़े मोहम्मद रफी और सुमन कल्याणपुर का गीत 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर जुबान पर..सबको मालूम है और सबको खबर हो गई...' फुल वॉल्यूम पर लगाकर नाच रहे हैं. गैस फिर भी कम नहीं हो रही. वजन तब भी नहीं घट रहा. इस तरह गरीबों को रौंदने के लिए धनपशु और जंगली पशु एक हो गए हैं. दाल, तरकारी, हींग, तेल, दूध सबके दाम बे-रोकटोक बढ़ रहे हैं. ऐसा लगता है कि दिल्ली के तख्त पर बैठा सुल्तान भूख-प्यास कुछ नहीं समझता. उसे गरीब की रोजी-रोटी से कोई मतलब ही नहीं है. उसे नहीं परवाह कि महंगाई के कारण गरीब के बच्चे को दूध नहीं मिल पा रहा. गरीब का बच्चा चावल के चार दाने डालकर उबाला गया पानी पी रहा है.

विदेश से कोई न्योता नहीं है. नेता आराम कर रहा है. मगर उसकी जुबान चल रही है. काम उसे कोई आता नहीं है, इसलिए करता भी नहीं है. देश को उसने ठेकेदारों के भरोसे छोड़ दिया है. जो सीमेंट की जगह गोबर से पुल बना रहे हैं. तारकोल की जगह कीचड़ से सड़कें लीप रहे हैं. सरकार इस काम के लिए उन्हें करोड़ों रुपए दे रही है. देश के खजाने की इस खुली लूट को मीडिया इको-फ्रेंडली प्रोजेक्ट बता रहा है. पहले आतंकवादी बम लगाकर पुल गिराते थे. अब पुल अपने आप गिर रहे हैं. बिना आतंकवाद के. अब आतंकवादियों को बम लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ती. इस तरह उनके मिशन की लागत शून्य हो गई है. सरकार ने पुल बनाने के ठेके ही आतंकवादियों को दे दिए हैं. नेता प्रचार कर रहा है-हमने आतंकवाद खत्म कर दिया. निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ा दिया. जनता समझदार है. उसे अपनी और अपने बच्चों की जान की फ़िक्र है. इसलिए उसने पुलों का इस्तेमाल करना छोड़ दिया है. बच्चे रस्सी से लटककर नदी पार कर स्कूल जा रहे हैं. लोग केले के तने पर बैठकर धारा पार कर रहे हैं. लकड़ी के तख्ते पर बैठकर जा रहे हैं, गले में ट्यूब डालकर तैरते हुए जा रहे हैं. उन्होंने कसम खा ली है कि वे कभी पुल से नहीं जाएंगे. पुल से गये तो जान गई. और जान है तो जहान है. उधर, मीडिया खबर बना रहा है, दस दिन में सात पुल गिरे मगर कोई जनहानि नहीं. इससे सरकार खुश है, नेता खुश हैं, भ्रष्टाचारी खुश हैं और निस्संदेह आतंकवादी भी खुश हैं. मगर जनता का दुःख बढ़ गया है, जिससे किसी का कोई लेना-देना नहीं.

शैलजा केडिया की कलाकृतियों में गांव के रहन-सहन

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

भावनाओं की अभिव्यक्ति चित्रों के माध्यम से अति प्राचीन काल से होती चली आ रही है. वस्तुतः लिपि के आविष्कार के पूर्व चित्र ही एक -दूसरे के बीच चिह्नित रूपों में संचार माध्यम के साधन थे. स्वाभाविक रूप से हर बुद्धिजीवी के लिए चित्रकार होना अनिवार्य ही होता होगा, लेकिन कालान्तर में मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ चित्रों का स्थान लिपि ने ले लिया. हालांकि चित्रकला सीधे अपने समय से टकराती है. अपने समय के विश्वासों की रक्षा का भार उस पर होता है, उसकी समूची चित्तवृत्ति भी उसी से अभिव्यक्त होती है. समय की धारा के साथ-साथ कला का यह स्वरूप सदैव परिवर्तित होता रहता है. कभी कलात्मकता के आधार पर, कभी राजनीतिक उथल-पुथल के आधार पर, कभी सामाजिकता और विचारों के आधार पर तो कभी रूप रेखा तथा विषय-वस्तु के आधार पर. कला इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार हमेशा कलाकार चले आ रहे वादों के प्रतिकूल अपनी-अपनी अभिव्यक्तियों का मूर्त रूप प्रदान करते रहे हैं. तभी एक नई कला का जन्म होता है. आज झारखंड के कई चित्रकारों ने नई पृष्ठभूमि तैयार करने और कला में

स्पंदन लाने हेतु अपनी कल्पनाओं को रंगों-रेखाओं के माध्यम से मूर्त रूप दे रहे हैं. इनमें से एक हैं- शैलजा केडिया.

आज भी लोग गांव में रहते हैं, लेकिन विकास ने उनकी चाल ढाल व कार्यशैली और रहन-सहन में बदलाव ला दिया है. धीरे-धीरे ही सही, लेकिन शहरी सुविधाएं अब गांवों तक पहुंच चुकी हैं. एक तरफ ग्रामीण जीवन जीना तो आसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर गांवों में प्रकृति के साथ जीने की जो जीवनशैली थी, अब खत्म होती जा रही है. हालांकि आज भी भारतीय ग्रामीण जीवन शैली लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, तभी तो शैलजा केडिया जैसे कलाकारों की कलाकृतियों में गांव के लोग, उनके रहन सहन उनके उत्सव से लेकर शहर की गलियों तक के दृश्य दिखते हैं. शैलजा के चित्र सामाजिक अनुभवों की अभिव्यक्ति है, यही कारण है कि इनके चित्रों की संप्रेषणीयता में कोई रुकावट नहीं है. शैलजा दूसरों के बनाये रास्ते पर नहीं, बल्कि अपने द्वारा बनाये रास्ते पर चलना चाहती हैं. इनमें परंपरागत की जगह अलग हटकर पहचान बनाने की जुनून है. इसलिए इन्होंने कला की नई परिभाषा गढ़ने की हिम्मत जुटाई है. इनकी कलाकृति में एक अलग झलक मिलती है. चित्रों में रंग संयोजन, रेखाओं की उभार और अद्भुत भाव दिखता है. बचपन से ही शैलजा का कला के प्रति लगाव रहा. आगे चलकर इनके अंदर की सुषुप्त कला धीरे-धीरे पल्लवित और विकसित होने लगी. शुरू से ही अपने गहन विचारों को उन्मुक्त भाव से अपनी सुंदर कलाकृतियों के रूप अभिव्यक्त करती आ रही शैलजा ने सत्यम श्री से चित्रकला की बारीकियों को समझकर नई कृतियों का सृजन कर रही हैं और समाज में एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में स्थापित होने को अग्रसर हैं. इनके चित्रों का अपना स्वतंत्र संसार है. पिछले कुछ दिनों से इनके माध्यम में परिवर्तन हुआ है और आज कल ये अधिकतर कलाकृतियां कलम से ही बना रही है और इस माध्यम में ये अपने आपको पूर्ण रूप से व्यक्त कर पाती हैं.

रथ यात्रा विशेष

झारखंड में सदियों पुरानी प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा

हिमकर श्याम

झारखंड में महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है. राज्य के ऐतिहासिक महोत्सवों में यह सबसे प्रमुख और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है. राजधानी रांची के अलावा कई जिलों में बड़े धूमधाम से रथ यात्रा निकाली जाती है. ढोल, नगाड़ों, तुरही और शंखध्वनि के बीच भक्तगण प्रभु के रथ को खींचते हैं. मान्यता है कि प्रभु के रथ का रस्सा खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है. रथ यात्रा का उत्सव आस्था के साथ-साथ सम्मिलित विश्वास का भी प्रतीक है. रथ मेले की रौनक देखते बनती है.

रांची : 333 साल पुरानी परंपरा

रांची में रथयात्रा का शुभारम्भ वर्ष 1691 में हुआ था. तभी से ही यह परंपरा चली आ रही है. रथ यात्रा जगन्नाथपुर मंदिर से लेकर मौसीबाड़ी तक निकाली जाती है. रथ का रूप श्रद्धा के रस से परिपूर्ण होता है. बड़ी संख्या में लोग यात्रा में शामिल होते हैं. बड़कागढ़ के ठाकुर महाराजा रामशाह के पुत्र ठाकुर ऐनीनाथ शाहदेव ने 25 दिसंबर, 1691 में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण करवाया था. मुख्य मंदिर से आधे किमी की दूरी पर मौसीबाड़ी का निर्माण किया गया है.

खरसावां : सरकार उठाती है खर्च

सरायकेला खरसावां के हरिभंजा में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकलती है. यहां रथ यात्रा की परंपरा लगभग ढाई सौ साल पुरानी है. रथ पर सवार होकर प्रभु जगन्नाथ, प्रभु बलभद्र व देवी सुभद्रा मौसीबाड़ी गुंडिचा मंदिर जाते हैं. कहा जाता है कि सिंहदेव वंश के द्वारा 17 वीं सदी में प्रभु जगन्नाथ के मंदिर की स्थापना की गई थी. आजादी से पूर्व रथ यात्रा में होने वाले सभी खर्च राज परिवार उठाता था. आजादी के बाद यात्रा के आयोजन पर होने वाला सारा खर्च राज्य सरकार उठाती है.

सिमडेगा : 700 साल पुराना इतिहास

सिमडेगा में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का इतिहास करीब सात सौ साल पुराना है. 1326 ई में हटंबर सिंह देव के द्वारा बीरुगढ़ के ठाकुरबाड़ी में पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई थी. हटंबर सिंह ने ही यहां मंदिर की स्थापना की थी. ठेठईटांगर प्रखंड के टुकुपानी स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर से भी रथ यात्रा निकाली जाती है. 1925 में पहली बार चित्रसेन परिवार के द्वारा रथयात्रा निकाली गई थी. जिले के कोलेबिरा प्रखंड के भंवरपहाड़ गढ़ में लगभग 180 सालों से रथ मेला लगता है. भंवरपहाड़ गढ़ परगना के रणबहादुर सिंह के द्वारा रथयात्रा की परंपरा शुरू की गई थी. रथ यात्रा कोलेबिरा मौसीबाड़ी तक जाती है.

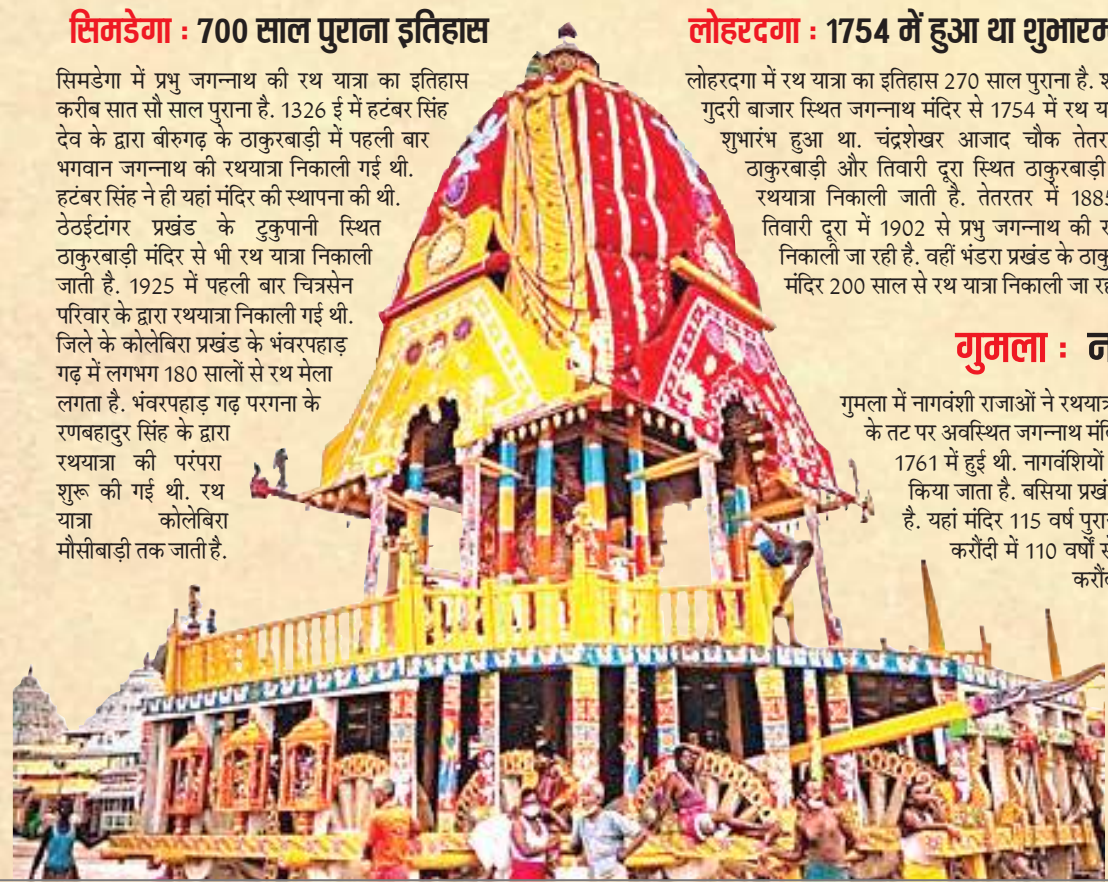

लोहरदगा : 1754 में हुआ था शुभारम्भ

लोहरदगा में रथ यात्रा का इतिहास 270 साल पुराना है. शहर के गुदरी बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से 1754 में रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ था. चंद्रशेखर आजाद चौक तेतरतर के ठाकुरबाड़ी और तिवारी दूरा स्थित ठाकुरबाड़ी से भी रथयात्रा निकाली जाती है. तेतरतर में 1885 और तिवारी दूरा में 1902 से प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा रही है. वहीं भंडरा प्रखंड के ठाकुरबाड़ी मंदिर 200 साल से रथ यात्रा निकाली जा रही है.

पलामू : 1840 में हुई थी शुरुआत

पलामू के चैनपुर पुर गढ़ में स्थित भगवान जगन्नाथ के मंदिर से मौसी बाड़ी कुसुमदाहा मंदिर तक भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है. कहा जाता है कि चैनपुर स्टेट के छत्रधारी सिंह ने 1840 के आसपास यहां जगन्नाथ मंदिर का निर्माण कराया था. तब से रथ यात्रा की परंपरा कायम है. जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शास्त्री नगर में स्थित राम जानकी मंदिर से लगभग सौ वर्षों से रथ यात्रा निकलती है.

गुमला : नागवंशी राजाओं की परंपरा

गुमला में नागवंशी राजाओं ने रथयात्रा की परंपरा शुरू की थी. सिसई प्रखंड के नागफेनी में कोयल नदी के तट पर अवस्थित जगन्नाथ मंदिर की स्थापना रातू गढ़ के राजा रघुनाथ शाही के द्वारा विक्रम संवत 1761 में हुई थी. नागवंशियों की उप राजधानी रही पालकोट में भी रथ यात्रा मेला का आयोजन किया जाता है. बसिया प्रखंड के नारेकेला गांव के जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा निकाली जाती है. यहां मंदिर 115 वर्ष पुराना है जिसका निर्माण जमींदार रणबहादुर लाल ने कराया था. वहीं करौंदी में 110 वर्षों से रथयात्रा मेला का आयोजन हो रहा है. बड़ाइक देवनंदन सिंह ने करौंदी बगीचा में रथ यात्रा मेला की शुरूआत की थी.

लातेहार : 191 सालों से चल रही है परंपरा

लातेहार के बाजारटांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर से महंत पूरन दास जी महाराज ने 1833 में रथ यात्रा आरम्भ हुआ था. उस समय यह रथयात्रा प्राचीन शिव मंदिर से प्रारंभ होकर धर्मपुर मौसीबाड़ी तक जाती थी. 1995 में लातेहार शहर के मेन रोड में ठाकुरबाड़ी का निर्माण हुआ. तब से ठाकुरबाड़ी से रथ यात्रा निकाली जाने लगी.

प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है. आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ यात्रा पर निकलते हैं. रथ की यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर मौसी बाड़ी मंदिर तक पहुंचती है. नौ दिनों के बाद वापसी की यात्रा होती है, जिसे घूरती यात्रा कहा जाता है.

सब मनिसा मोर परजा

डॉ मयंक मुरारी

भारत की परम चेतना ने मानव के संपूर्ण विकास को विराट पुरुष के भीतर देखा है. उसमें अनंत मस्तक, अनंत नेत्र, अनंत भुजाएं और अनंत चरण हैं. यह पुरुष धरती के चारों ओर है, जितने मनुष्य हैं, उतने उसके स्वरूप. इस विराट जगत का सनातन स्वरूप ही जगन्नाथ में विद्यमान है. यह भूतल उसके बिंब से बना प्रतिबिंब है. समस्त विकास की श्रेष्ठतम सीमा का बोध जगन्नाथ है. वह दर्शन की प्रखर प्रज्ञा है. उस एक पुरुष के भीतर विश्व का संपूर्ण मानव समाज समाहित है. उनका मूल हमारा भूमंडल है, हमारा भारतवर्ष है.

विष्णु का जाग्रत रूप

दुर्गा सप्तशती (1.66,71) में कहा गया है कि जगन्नाथ विष्णु के जाग्रत रूप हैं. जब तक भगवान सोये हुए थे, उनको विष्णु कहा गया, जब योगनिद्रा उनके शरीर से निकली, तब उनको जगन्नाथ कहा गया है. जब भगवती निद्रा रूप थीं, वे वाम थीं, निद्रा त्याग कर जगन्नाथ की क्रिया रूप में आयीं तो दक्षिणा काली हो गयी. जगन्नाथ को दक्षिणाकाली का रूप कहा गया है. काली का प्रतीक नीम के पेड़ की तनाओं से उनका विग्रह बनता है. यह जीवाणु नाशक के रूप में रक्तबीज का नाश करती है. शिव का ज्ञानरूप दक्षिणामूर्ति है. इसके त्रिविध विभाजन में जगन्नाथ का मूर्ति रूप ऋग्वेद, गति रूप यजुर्वेद, ज्ञान रूप सामवेद है. इन सबका स्थिर आधार अथर्व है. जगन्नाथ सहित तीन विग्रह सत चित आनंद और सत श्री आकाल का बोध कराता है. इस त्रिविध स्वरूप को लेकर कहा गया है कि उभय बीच सिय सोहति कैसी. ब्रह्म जीव बीच माया जैसी. उनको स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक का स्वामी कहा गया. वह सदैव ब्रह्मस्वरूप में होते हैं, उनका कार्य, करण और कर्तापन नहीं दिखता है. यह पता नहीं चलता कि इसका संचालक कौन है. इसे जगत के समक्ष बताने के लिए ही जगन्नाथ स्वामी के हाथ नहीं है. जगन्नाथ की शक्ति ब्रह्म की तरह है तीन रूपों में दिखती है-ज्ञान, बल और क्रिया. ज्ञानघन में वह जगन्नाथ, बलरूप में बलभद्र और क्रियारूप में वह सुभद्रा है.

कब तक ताकेंगे राह

जगन्नाथ का मास आषाढ़ है जब आकाश और धरती का मिलन होता है. यह जगत और जीव के बीच को जोड़ने का अवसर है. आषाढ़ मास आते ही आसमान में मेघ उमड़ने-घुमड़ने लगते हैं. काले-काले मनभावन. जगन्नाथ की गोपियां गीत गाती है कि-लोग पुकारे और जगन्नाथ ना आए. राह हम कब तक ताकेंगे. ऊधोजी कहियों जायें, श्याम यहां कब तक आवेंगे? भक्त बुलाए तो भगवान को निकलना ही पड़ता है. रथ की पालकी बनायी जा रही हैं, सभी भक्त लगे हुए हैं. भगवान को कोई दिक्कत नहीं हो. इसलिए नारियल की कोमल लकड़ी रखी जाती है. लाल, काले, हरा और सभी रंग में हाथ बनाना है. लोग व्याकुल हैं. अब भगवान स्नान करेंगे, फिर सवारी निकलेगी. गंडीचा जाना है.

काष्ठ में ब्रह्म

जगन्नाथ के इस जगत में वे खुद काष्ठमूर्ति में विराजते हैं. सारे जगत में ऐसा कहीं नहीं देखा गया कि काष्ठ प्रतिमाएं सिद्ध चावल का भोग ग्रहण करती हो, निश्चित तिथि पर अपने कलेवर बदलते हों तथा जिनमें ब्रह्मरूप में प्राण का स्पंदन हो. दारू यानी काष्ठ में ब्रह्म. ये प्रतिमाएं भी अपूर्ण हैं. इनके हाथ और पैर नहीं हैं, मुखमंडल का निर्माण भी पूरा नहीं है. इसके बावजूद जगन्नाथ यानी इस सृष्टि के स्वामी को सगुण स्वरूप दिया जाता है. इस कर्मकांडीय क्रिया के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि जन्म और मृत्यु से कोई वंचित नहीं है, सभी इसके अधीन हैं. चाहे वह देव हो या मानव. वैसे भी जब जगत के स्वामी इस धरती पर आये हैं, तो उनकी क्रिया और कार्यकलाप मानव की तरह ही होना चाहिए. इसलिए समय अंतराल पर एक आनुष्ठानिक क्रिया से ईश्वर को स्वरूप दिया जाता है. यह धार्मिक के साथ हिंदू जनमानस की मानसिक क्रिया है, जो सामूहिक चेतना का प्रकटीकरण करती है. यजुर्वेद में कहा गया है कि ईंशावास्य मिदं... सब कुछ उस ईश्वर का है, तो उसकी अनुभूति के लिए सामूहिक चेतना से उस अवचेतन की यात्रा करनी होगी.

धरती और मानव शरीर

भगवान जगन्नाथ का नया स्वरूप सदैव ही नीम के तनों से किया जाता है. यह एकमात्र ऐसा पेड़ है जो एंटीफंगल है. शरीर परिवर्तनशील है, लेकिन उसमें रोग लग सकता है. अतएव इससे बचाने की प्रक्रिया जीवन के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है. भगवान का शरीर भी नीम के तनों से बनता है, जो स्वस्थ और चैतन्य जीवन का वाहक होता है. जगन्नाथ ने इस धरती पर मानव शरीर धारण किया है, तो उनकी दिनचर्या है. वे तैयार होते हैं, उनको भूख लगती है, वे सोते हैं और रोजाना कपड़ा भी बदलते हैं. वह ऋतुओं का आनंद लेते हैं, उत्सव में मग्न होते हैं और अपने परिवार से भी मिलते हैं. उनका स्वरूप भक्तों के लिए एक संदेश है.

क्षणभंगुरता में शाश्वत की खोज

जगन्नाथ स्वामी का स्वरूप क्षणभंगुरता में शाश्वत की खोज है. उनकी आंखों में भक्तों को मुक्ति का आश्वासन दिखता है. वह जगत के नाथ हैं, तो कुछ भी संभव है. भगवान जगन्नाथ की पलकें, हाथ और पैर नहीं हैं, क्योंकि वे भगवान के अवतार रूप में (मानव स्वरूप) में नहीं बल्कि स्वयं भगवान रूप में इस धरती पर विराजमान हैं. यही कारण है कि अपूर्ण शरीर में भी उनके मुख पर सदा मुस्कान का वास होता है. जगन्नाथ स्वामी सदैव हमारी अपूर्णता और मानवीय दशाओं की अधूरेपन का स्मरण कराते हैं, जो जीवन में दुख, शोक, बीमारी और मृत्यु के रूप में हमको भोगना होता है. इन सब के बावजूद इस जीवन चक्र में ऋतुचक्र की तरह सबकुछ स्थायी नहीं होता है, इस अमर संदेश के साथ जीवन जीना ही भगवान जगन्नाथ की आराधना है.

सामूहिकता और सामंजस्य का दर्शन

भारतीय परंपरा की संरचना में निर्धारित मूल्यों, विश्वासों, व्यवस्थाओं एवं सामाजिक प्रक्रियाओं का अमूल्य योगदान रहता है. ये मूल्य, विश्वास, प्रक्रिया और व्यवस्थाएं ही हमारी परंपरा की आधारशिला होती हैं. जगन्नाथ रथयात्रा हो या कुंभ स्नान, होली हो या छठोत्सव, इनमें भारतीय परंपरा के अनेक रूप दिखते हैं, जो आपस में विरोधी होते है फिर भी समन्वयवादी स्वभाव और सामूहिक व्यवहार का स्वरूप प्रकट होता है. जिस प्रकार होली में अमीर-गरीब, बड़ा-छोटा सब बराबर रूपों से रंगों में सराबोर होते हैं, इसी प्रकार जगन्नाथ की रथयात्रा में संरचनात्मक विरोधी अनुष्ठान के बाद भी सामूहिकता और सामंजस्य का प्रदर्शन होता है. इस रथयात्रा में क्या राजा, क्या रंक ? सब समान रूप से श्रद्धा के सैलाब में अपनी भागीदारी करते हैं. कोई सड़क को साफ करता है, कोई पानी देकर झाड़ लगाता है तो कोई निहारता रहता है. यह ऐसा सात्विक भाव और आत्मिक आरोहण का अवसर होता है कि भगवान जगन्नाथ भी अपने एकांत गर्भगृह से बाहर आने का

लोभ संवरण नहीं कर पाते हैं. मंदिर के गर्भगृह में गुप्त पूजाविधान को छोड़कर भक्तों के बीच आ जाते हैं. अपने भक्तों, अपने दीन-हीन प्रजा और अपने लोगों की आर्तनाद को सुनने के लिए वह लकड़ी के रथों पर सवार हो जाते हैं, ताकि भक्तों के बीच उनके सुख-दुख का सहभागी हो सके.

आलू व चीनी रहित प्रसाद

वैष्णव मत में भगवान विष्णु को विशुद्ध और सात्विक गुणों का प्रतिनिधि माना जाता है. जैसे भगवान विष्णु नित्य शुद्ध हैं, वैसे ही उनका प्रसाद भी शुद्ध हैं. जगन्नाथ का प्रसाद और गंगाजल दोनों बराबर है. स्कंध पुराण के अनुसार भगवान जगन्नाथ भी इस तीर्थ में किए गए नैवेद्य का साक्षात भोजन करते हैं. यही कारण है कि जगन्नाथ स्वामी के प्रसाद की महिमा अनंत है. यहां के महाप्रसाद में उच्छिष्टता तथा स्पर्श का दोष नहीं लगता. जगत का जब स्वरूप एक है तो जगन्नाथ के समक्ष क्या ब्राह्मण और क्या छूत. सब एक साथ प्रसाद का भोग लगाते हैं. यही नहीं महाप्रसाद में कुछ भी छोड़ा नहीं जा सकता है. यह भी अनुष्ठान का एक अनूठा तरीका है. महाप्रसाद के लिए रसाई में आज भी लोकायत के तत्वों का समावेश है. महाप्रसाद में आज भी आलू और चीनी का प्रयोग नहीं किया जाता है. जगन्नाथ स्वामी का दैनिक भोज चावल के चोकर की टिकियां और सबसे साधारण उन साग-सब्जियों से बनाया जाता है, जो उड़ीसा के गरीब किसानों द्वारा उपजाया जाता है और खाया जाता है. जगन्नाथ स्वामी एक समय में गजपति राजाओं के देवता थे, बावजूद इसके उनके रथ को न ही हाथी द्वारा खींचा गया और न ही सेनाओं द्वारा या किसी भाड़े के मजदूरों द्वारा ही खींचा गया. उनके रथ को उस समय भी आमजन और भक्तों द्वारा खींचा जाता था, और आज भी भक्तजन ही खींचते हैं. यह सनातन परंपरा का परिचायक है, जिसमें भक्त और भगवान के बीच किसी प्रकार का कोई दुराव या गैप नहीं होता है.

इसी कारण ब्रह्मांड के संरक्षक जगन्नाथ स्वामी अपने भक्तों की प्रार्थनाओं को धैर्यपूर्वक सुनते हैं और फिर उन्हें कई रंग-बिरंगे त्योहारों की खुशी और भोजन की सबसे मनोरम पेशकश करते हैं. ऐसे विशिष्ट भगवान भी इस रथयात्रा में सामान्य जन की तरह अपने पद और महिमा को भुलाकर समानता का प्रदर्शन करते हैं. विशिष्ट जनों का देवता, पवित्र मंत्रों का देवता, राजाओं में राजपद का देवता एक बार सामान्य जन का देवता बन जाता है. यह भारतीय परंपरा की अनूठी व्यवस्था है जो विष्णु राजाओं का राजा है, वह शिव की तरह अघोड़दानी बन जाता है. यह ऐसा अवसर है जब हरेक व्यक्ति अपनी पीड़ा और दुख को अपने तौर-तरीके से जगत के प्रतिनिधि और सूर्य के नियामक देव के समक्ष रख सकता है. जगन्नाथ की शोभायात्रा पूरी तरह विनयशीलता और निःशब्दता की कहानी पर आधारित है, जिसमें भक्त और भगवान के बीच कुछ भी दूरी नहीं होता है. भाव और भावना की भक्ति से भगवान को विशिष्ट से सामान्य बना लिया जाता है.

जगन्नाथ स्वामी और उनकी रथ संस्कृति की मुख्य विशेषता जीवन के प्रति आदरभाव और समाज के प्रति सहकारिता का प्रदर्शन है. भगवान को समर्पित सैकड़ों कथाओं और कविताओं में उनके साथ भावपूर्ण संबंधों एवं अभिव्यक्तियों को दिखाया गया है. उड़ीसा के 17वीं सदी के यायावर भिखारी कवि सरिया विका के प्रार्थना गीत है- ओ थके मन चलें, गोल-गोल आंखें देखें. शंख-नाभि वलय में, दोनों आंख पखारें।। इसी प्रकार वनमाली की प्रसिद्ध भावगीत है- हे जगन्नाथ, नहीं मांगता मैं तुझसे कुछ, न धन और न ही जन, मांगता हूं तुझसे श्रद्धा-बाली में, बस हाथ भर जगह।। जगन्नाथ पूजा कोई हिंदू धर्म का दर्शन, संप्रदाय की मान्यता का भाग नहीं है, बल्कि यह वह सांस्कृतिक अनुष्ठान है जिसमें धर्म व दर्शन से ज्यादा संस्कृति का वृहद रूप और प्रौराणिक कथाओं की परंपरा है, जिसने संकट के समय समाज को आत्मिक जागरण का मूलमंत्र दिया. चाहे समय कितना भी जटिल क्यों न हो, अपने को नवीनीकरण के साथ उसका सामना किया जा सकता है. भारतीय स्वाभिमान की कथाओं में जगन्नाथ की पौराणिक कहानी भी है, जो देश और काल से परे है.

जनता के बीच जगन्नाथ

रथयात्रा उन भगवान जगन्नाथ को समर्पित है जिनके चरण में संपूर्ण ब्रह्मांड में फैले हैं, जिनकी नाभि असीम है. सभी दिशाएं, जिनके कान हैं, सूर्य एवं चंद्र जिनके नेत्र हैं और स्वर्ग ही जिनका मस्तक है. साल में एक बार भगवान जगन्नाथ चलकर अपने जनता के बीच आते हैं और उनके सुख-दुख में सहभागी होते हैं. जगन्नाथ का उदघोष है कि सब मनिसा मोर परजा (सब मनुष्य मेरी प्रजा है) है, इस कारण वह मनुष्य को ऋतु परिवर्तन के साथ सीख देते हैं. गरमी में व्यक्ति की सहिष्णुता, धैर्य और साहस की परीक्षा लेते हैं. फिर परीक्षा के बाद भगवान जगन्नाथ चलकर जनता के बीच आते हैं उनके सुख दुख में सहभागी होते हैं. उन्हे सांत्वना देते हैं, सलाह देते हैं और साधना के लिए पुनः वह शयन को चले जाते हैं. भगवान जगन्नाथ तो पुरुषोत्तम हैं. उनमें श्रीकृष्ण, श्रीराम, बुद्ध के साथ अद्वैत का ब्रह्म समाहित है. वह अनेक हैं, अनेक में एक हैं. इस कारण वह जगन्नाथ हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंबानी के संगीत समारोह में क्रिकेटर्स की शान में बजा सांग...लहरा दो...

मुंबई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरिमनी में शुक्रवार की रात को क्रिकेट स्टार भी पहुंचे. जब मंच पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान हार्दिक पंड्या और धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पहुंचे, तो फिल्म 83 का गाना लहरा दो...बजने लगा. फिर तो एक वक्त के लिए टी20 विश्व कप 2024 के विजेताओं को समर्पित हो गयी.वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि नीता अंबानी अपने सभी सितारों से गले मिलकर उन्हें बधाई देती हैं और आकाश अंबानी भी मंच पर मौजूद रहते हैं. मुंबई इंडियंस के मालिक फैमिली ने गजब उत्साह दिखाया और लहरो दो सॉन्ग पर रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव के साथ झूमते नजर आयीं. इस इवेंट में पूर्व कप्तान एमएस धोनी, मुंबई इंडियंस के विकेटकीपर ईशान किशन भी पहुंचे थे. जहीर खान पत्नी सागिरका घाटगे के साथ पहुंचे थे, जबकि सूर्यकुमार यादव के साथ उनकी पत्नी देविशा शेट्टी थीं.

ब्रीफ खबरें

ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ी फिट : दिनशॉ

नयी दिल्ली। मशहूर खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला ने शनिवार को कहा कि भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सहित पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं. भारतीय ओलंपिक संघ संघ ने पारदीवाला को भारतीय दल का मुख्य चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया है. पारदीवाला ने कहा, ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अभी पूरी तरह से फिट हैं. कुछ खिलाड़ियों को मामूली परेशानी हो सकती है. मैं किसी खिलाड़ी को लगी किसी विशेष चोट के बारे में चर्चा नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन वे सभी टीम में इसलिए हैं क्योंकि वे सक्षम हैं.

लंदन टूर्नामेंट में 14वें स्थान पर रही दीक्षा

लंदन। भारत की दीक्षा डागर तीसरे और अंतिम दौर के 16वें होल में ट्रिपल बोगी कर बैठी, जिससे वह अरामको टीम सीरीज लंदन गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पायी. पेरिस ओलंपिक में खेलने की तैयारी में लगी दीक्षा ने अंतिम दौर में दो ओवर 75 का कार्ड खेला, जिससे वह 14वें स्थान पर रही. यह भारतीय खिलाड़ी एक समय शीर्ष पांच में जगह बनाने की स्थिति में दिख रही थी लेकिन आखिर में की गई गलती उन्हें भारी पड़ी. कट में जगह बनाने वाली एक अन्य भारतीय खिलाड़ी त्वेसा मलिक (75) संयुक्त 48वें स्थान पर रही. लेओना मैगुएर लेडीज यूरोपियन टूर पर जीतने वाली पहली आयरिश महिला बनीं.

गगनजीत मोरक्को में दूसरे स्थान पर रहे

रबात (मोरक्को)। ओलंपिक की तैयारी में लगे भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने दूसरे दौर में पांच अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे वह 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए. पहले दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले भुल्लर का कुल स्कोर आठ अंडर हो गया है और वह शीर्ष पर चल रहे अमेरिकी खिलाड़ी जॉन कैटलिन से केवल एक शॉट पीछे हैं. भारत के अन्य खिलाड़ियों में रेहान थॉमस (69-73) संयुक्त 15वें, वरुण चोपड़ा (71-74) और राशिद खान (70-75) संयुक्त 39वें तथा वीर अहलावत (70-76) संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं. भारत के केवल पांच खिलाड़ी ही कट में जगह बना पाए.

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहला ही मैच हार गई टीम इंडिया

जिम्बाब्वे के सामने फेल हुए आईपीएल के भारतीय धुरंधर

एजेंसी। हरारे

टी20 की वर्ल्ड चैंपियन बनने के एक हफ्ते बाद भारतीय टीम पहली बार मैदान पर उतरी. सामने उस जिम्बाब्वे की चुनौती थी, जो टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर सकी थी. भारतीय टीम में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाला कोई खिलाड़ी नहीं था, लेकिन आईपीएल के सितारे भरे थे. इसके बाद भी मेजबान टीम ने 5 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले को 13 रनों से अपने नाम किया. शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम 116 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई. इस साल टी20 इंटरनेशनल में भारत की यह पहली हार है. पहले खेलते हुए जिम्बाब्वे ने 9 विकेट पर 115 रन बनाए थे. भारतीय पारी 102 रनों पर सिमट गई.

अंत तक लड़ते रहे सुंदर : भारत के लिए वॉशिंगटन सुंदर अंत तक लड़ते रहे. 61 रन पर 7 विकेट गिरने के बाद आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर के बीच 23 रनों की साझेदारी हुई. आवेश 16 रन बनाकर आउट हुए तो सुंदर अकेले पड़ गए. आखिरी तीन ओवर में भारत को 30 रनों की जरूरत थी. 18वें ओवर में 12 रन बने. सुंदर सामने 11वें नंबर का बल्लेबाज होने की वजह से सिंगल भी नहीं ले सकते थे. 19वें ओवर में मुजरबानी ने सिर्फ 2 रन दिए. आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर सुंदर 27 रन बनाकर आउट हो गए.

115 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई भारतीय टीम

खास बातें

- जिम्बाब्वे ने पहले टी20 में भारत को 13 रनों से हराया
- हार के साथ शुभमन गिल की कप्तानी की हुई शुरुआत

गेंद से सुंदर और बिश्नोई चमके : लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने दबदबा बनाते हुए जिम्बाब्वे की टीम को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया. बिश्नोई (13 रन देकर चार विकेट) को ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर (11 रन देकर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे जिम्बाब्वे की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद उछाल भरी पिच पर कोई मजबूत साझेदारी करने में जूझती नजर आयी. जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में उसने दो विकेट पर 40 रन बना लिये थे. इनोसेंट काइया के मुकेश कुमार की गेंद पर आउट होने के बाद वेस्ली मधेवेरे (21 रन) और ब्रायन बेनेट (22 रन) ने तेजी से 34 रन जोड़े.छठे ओवर में बिश्नोई ने बेनेट को अपनी गुगली पर आउट कर जिम्बाब्वे की पारी का रुख ही बदल दिया. फिर जिम्बाब्वे के तीन और बल्लेबाज पवेलियन लौट गये जिसमें

मधेवेरे के अलावा ब्लेसिंग मुजारबानी और ल्यूक जोंगवे शामिल थे. कप्तान सिकंदर रजा (17 रन) के संयम से टीम ने संभलने की कोशिश की. टीम में हड़बड़ाट साफ दिख रही थी. जोनाथन कैंपबेल (शून्य) रन आउट हो गये. अब जिम्बाब्वे की उम्मीदें कप्तान रजा पर लगी थीं, उन्होंने आवेश पर सिर के ऊपर से छक्का जड़कर उम्मीद जगाई. फिर आवेश ने अतिरिक्त उछाल का पूरा फायदा उठाते हुए रजा को जल्द ही आउट कर दिया. वाशिंगटन ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट झटके. उन्होंने मायर्स (23 रन) और वेलिंगटन मास्काद्जा (शून्य) को पवेलियन भेजा.

टॉप-6 में से 5 दहाई तक भी नहीं पहुंचे

भारतीय टीम के विकेट गिरने का सिलसिला पहले ही ओवर में शुरू हो गया. अभिषेक शर्मा बिना कोई रन बनाए पवेलियन लौट गए. तीसरे नंबर पर उतरे रुतुराज गायकवाड़ भी सिर्फ 7 रन ही बना सके. रियान पराग के बल्ले से 2 रन निकले तो रिंकू सिंह का खाता नहीं खुला. पावरप्ले के बाद भारत का स्कोर 28 रन पर 4 विकेट था. 43 के स्कोर पर ध्रुव जुरेल (7) भी आउट हो गए. 31 रनों की पारी खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल जब आउट हुए तो भारत का स्कोर 47 रन था.

टीम में लगातार बदलाव करना बिल्कुल पसंद नहीं था: द्रविड़

- कोविड के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली : राहुल

भाषा। मुंबई

राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारतीय टीम के मुख्य कोच के अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें टीम में बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं था और उन्होंने हमेशा कप्तान रोहित शर्मा के सहायक की भूमिका निभाई ताकि वह अपनी रणनीति के अनुसार चल सके. भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया. द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा, मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है. मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है. क्योंकि मेरा मानना है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता. मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों. यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है. द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था. हमने काफी क्रिकेट खेला.

प्रज्ञाननंदा और गुकेश टाईब्रेकर में हारे, कारुआना ने जीता खिताब

भाषा। बुखारेस्ट (रोमानिया)

भारत के आर प्रज्ञाननंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया. कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञाननंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए. प्रज्ञाननंदा मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे. यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती. लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने बाजियां ड्रॉ खेली.

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी विंबलडन से हो गयी बाहर

भाषा। लंदन

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए. भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनायी, लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में 6-4 4-6 3-6 से हार गए. भांबरी और ओलिवेटी ने पहले दौर में कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया था. भारत की निगाहें अब रोहन बोपन्ना पर टिकी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ जोड़ी बनायी है. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त यह जोड़ी दूसरे दौर में जर्मनी के हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रैंटजेन से भिड़ेगी. ओलंपिक में जगह बना चुके सुमित नागल और एन श्रीराम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे.

राजावत ने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को हराया

कैलगरी (कनाडा)। भारत के उदीयमान खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीय और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने शुक्रवार रात एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया. त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई. यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी चीनी ताइपे के पेई शान हसीह और एन-त्जु हंग से 18-21 21-19 16-21 से हार गयी. राजावत ने एंटोनसेन को हरा अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की.

यूरो 2024 : स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो का सपना टूटा

पुर्तगाल को हराकर फ्रांस सेमीफाइनल में

एजेंसी। हैम्बर्ग (जर्मनी)

फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनाई और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना तोड़ दिया. इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा. दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पायी. इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया, जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल

पोस्ट से टकरा गया. इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया. फ्रांस को यूरो 2021 के अंतिम 16 में और विश्व कप 2022 के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यहां किस्मत उसके साथ थी. पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली. वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं. रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया. फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा, जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया.

स्पेन सेमीफाइनल में मेजबान जर्मनी बाहर

माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी. जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था, तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई. स्पेन सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना करेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में पुर्तगाल पेनाल्टी शूटआउट में हराया.

महिला क्रिकेट — दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 'करो या मरो' वाला मैच आज

दूसरे टी20 में वापसी करना चाहेगी भारतीय महिला टीम

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला टीम पहले मैच में 12 रन से मिली हार के बाद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में वापसी करने के लिए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना चाहेगी. भारत को शुक्रवार को हुए पहले मैच में कैच छूटने और बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे टीम दक्षिण अफ्रीका के चार विकेट पर 189 रन के जवाब में 20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन ही बना सकी.

दक्षिण अफ्रीका के इस मौजूदा दौरे में यह पहली जीत थी और इससे पहले उसे वनडे श्रृंखला में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से शिकस्त मिली थी. शुक्रवार के मैच के बाद दोनों टीमों के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं. भारत की ऋचा घोष और दक्षिण अफ्रीका की तजमिन ब्रिट्स को क्रमशः सिर में चोट और मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार ऋचा को कैच लेने में असफल रहने के बाद गर्दन में दर्द और चक्कर आया, जिससे यह गेंद उनके चेहरे पर लगी.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव.

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), तज़मिन ब्रिट्स, मीके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बॉश, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजान कप्प, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने.

मैच का समय : शाम सात बजे से.

ओलंपिक पदक खिलाड़ी की जिंदगी और समाज को बदल देता है: साक्षी

मुंबई। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक का मानना है कि ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी की जिंदगी नहीं बदलती बल्कि इसका असर समाज पर भी पड़ता है. साक्षी रियो 2016 में कांस्य से ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान बनी थीं. साक्षी ने शुक्रवार को मुंबई में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ओलंपिक का सपना सिर्फ खिलाड़ी का सपना नहीं होता बल्कि यह पूरे परिवार का सपना होता है. ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी का जीवन नहीं बदलता है, बल्कि उसके परिवार, समाज का जीवन भी बदल जाता है.

भारत की 23 सदस्यीय महिला फुटबॉल टीम की हुई घोषणा

भाषा। नयी दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को म्यांमा के खिलाफ यांगून में नौ और 12 जुलाई को होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की. मुख्य कोच चाओबा देवी ने एआईएफएफ की विज्ञप्ति में कहा, टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है. मैं टीम के संयोजन से संतुष्ट हूं. पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिन अंदर अपना राष्ट्रीय शिविर शुरू कर दिया. उन्होंने कहा, सभी खिलाड़ी फिट हैं जो अच्छी बात है. खिलाड़ी अपने क्लबों में ट्रेनिंग ले रही थीं.

भारतीय टीम : गोलकीपर : श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी. डिफेंडर : लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग. मिडफील्डर : नाओरेम प्रियंगका देवी, संगीता बसफोर, कार्तिका अंगमुथु, नेहा, नोंगमाईथेम रतनबाला देवी, मौसमी मुर्मू. फॉरवर्ड : काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, संध्या रंगनाथन, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइकर, लिंडा कोम सेर्टो, प्यारी खाका, ज्योति, रिम्पा हलधर.

ब्रीफ खबरें

पटना को मिलेगा पहला अमृत भारत एक्सप्रेस

पटना । वंदे भारत के बाद पटनावासियों को अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने वाली है. अब पटना के लोगों के लिए दिल्ली जाना और आसान हो जाएगा. इस सुपर फास्ट ट्रेन से 1000 किमी का सफर मात्र 12 घंटे में पूरा होगा. ट्रेन में कुल 22 बोगियां होंगी. इसी साल से लोग अमृत भारत एक्स. ट्रेन का आनंद उठा सकेंगे. रेलवे ने 2024-25 में अमृत भारत के लिए 2605 जनरल कोच और 1470 स्लीपर कोच तैयार किया है. अमृत भारत एक्स. गैर एसी स्लीपर-अनारक्षित श्रेणी की सेवा है.

पारिवारिक विवाद में पत्नी ने खाया जहर

गोपालगंज । जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया किलपुर कांटा गांव निवासी एक विवाहिता ने जहर खा लिया, जिससे वह अचेत हो गई. अचेतावस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है. पीड़िता की पहचान बंधु सिंह की पत्नी रंजीता देवी के रूप में की गई. दरअसल इस संदर्भ में बताया जाता है, की यूपी के कुशीनगर जिले के गौरी शुक्ल थाना क्षेत्र के बरवा पट्टी गांव निवासी रंजीता की शादी दस वर्ष पूर्व गोपालपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया किलपुर कांटा गांव निवासी बंधू सिंह के साथ हुई थी. शादी के बाद 3 बच्चों ने जन्म लिया जिसमें एक पेटी और दो बेटा शामिल है.

नवादा में करंट लगने से अधेड़ की मौत

नवादा । नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के अकरी गांव में शनिवार को करंट से एक अधेड़ की मौत हो गई. मृतक अकरी निवासी फागु महतो के 48 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार है. बताया जाता है कि सुनील बाहर पेशाब करने के लिए निकला और समीप में ट्रांसफार्मर के पास गया. ट्रांसफार्मर के पास स्टेक में बिजली करंट प्रवाहित था. उसकी चपेट में आने के बाद उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी के बाद दल बल के साथ थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर उमाशंकर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे. घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है. स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

लगातार बारिश से कोसी समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर

संवाददाता । पटना

बिहार में पिछले 24 घंटे में हुई मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के नदी-नाले जहां उफान पर हैं, वहीं कोसी समेत कई नदियों का जल स्तर विभिन्न जगहों पर खतरे के निशान को पार कर चुका है. बिहार के जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार जुलाई से बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, गया, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, मुंगेर, नालंदा, पटना, नवादा, पूर्णिया, सारण, शेखपुरा, सीवान और वैशाली सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई. विभाग के अधिकारियों ने कहा, राज्य के कुछ जिलों में लगातार बारिश के कारण नदियां और नाले

कोसी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है

उफान पर हैं. इसके अलावा नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण भी कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान को छू रही हैं या उससे ऊपर बह रही हैं. उन्होंने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ निचले इलाकों के ग्रामीणों को जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है.

डब्ल्यूआरडी की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य के कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश के कारण कोसी, बागमती, गंडक, कमला और अड़हरवा जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर पिछले कुछ दिनों से बढ़ गया है. कोसी नदी सुपौल और बसंतपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि खगड़िया और बेलदौर इलाके में भी इसने शुक्रवार को चेतावनी के स्तर को छू लिया. इसी तरह, कमला नदी का जलस्तर मधुबनी, जयनगर और झंझारपुर इलाकों में चेतावनी के स्तर तक पहुंच गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि परमान नदी शुक्रवार को अररिया जिले में खतरे के निशान को पार कर गई है, खगड़िया और बेलदौर में कोसी नदी खतरे के निशान को छू रही है. गोपालगंज और सिधवलिया इलाके में गंडक नदी खतरे को निशान को पार कर गई है. जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, लगभग सभी नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है जो अपने किनारे के निचले इलाकों को अपनी चपेट में ले रही हैं.

वज्रपात की चपेट में आने से नौ लोगों की मौत

पटना । बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान छह जिलों में वज्रपात की चपेट में आकर नौ लोगों की मौत हो गई. मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की. सीएमओ द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, जहानाबाद में तीन, मधेपुरा में दो, पूर्वी चंपारण, रोहतास, सारण और सुपौल में एक-एक लोगों की वज्रपात की चपेट में आकर मौत हुई. सीएम ने लोगों से आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया.

सुगौली में पोखर में डूबने से दो की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले सुगौली प्रखंड में शनिवार की सुबह पोखर में डूबने से दो किशोर की मौत हो गई. मृतक दोनों किशोर की पहचान पंजिअरवा पंचायत परसौना निवासी उपमुखिया जय प्रकाश गुप्ता के 13 वर्षीय पुत्र दीपांशु कुमार व परसौना गांव के ही चमन साह के 12 वर्षीय पुत्र अमन कुमार के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची अंचल प्रशासन व सुगौली थाना पुलिस दोनों शव को अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया.

दो दिनों की बारिश में झील बना रक्सौल शहर

पूर्वी चंपारण । जिले में दो दिनों से रूक-रूक कर हो रही झमाझम बारिश से हर जगह जलजमाव की स्थिति देखने को मिल रही है. भारत-नेपाल का सीमाई शहर रक्सौल में तो स्थिति काफी नारकीय बन गई. नगर परिषद की अकर्मण्यता के कारण शहर के मुख्य मार्ग पर घुटनों तक पानी भर गया है, जबकि निचले इलाके में लोगों के घरों तक में बरसात का पानी भर गया है. बाजारों में बाढ़ जैसी हालात बन गई है. कई दुकानों में पानी भरने के बाद लोग बाल्टी से पानी निकालते दिख रहे है. जिस कारण पूरा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. भारत नेपाल को जोड़ने वाली मेन रोड सड़क, सब्जी बाजार, मौजे, ब्लॉक रोड, रेलवे कालोनी सहित अन्य मोहल्ले में लोगों के घरों में पानी घुसने के कारण महिलाएं व बच्चे खासा परेशानी का सामना कर रहे हैं.

एनएच 139 पर औरंगाबाद-हरिहरगंज मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा

हाइवा ने बाइक सवार दंपती को रौंदा, पत्नी की मौत, पति चोटिल

संवाददाता । औरंगाबाद

एनएच 139 पर औरंगाबाद-हरिहरगंज मुख्य पथ स्थित मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिजौली मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित हाइवा ने ओवर टेक करने के दौरान बाइक सवार पति-पत्नी को रौंद दिया. इस घटना में घटनास्थल पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई. वैसे पति को हल्की चोट आई है. मृतका की पहचान नगर थाना क्षेत्र के करमा रोड स्थित वार्ड नं 7 के रामराजनगर मुहल्ला निवासी रामप्रवेश साहू की 60 वर्षीय पत्नी शांति देवी के रूप में हुई है. घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है.

मृतका का पति रामप्रवेश साहू ने बताया कि दोनों पति-पत्नी अपने घर से बाइक पर सवार होकर अंबा स्थित सतबहिनी मंदिर पूजा करने के लिए जा रहे थे. जैसे ही मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बिजौली मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे, तभी हरिहरगंज की तरफ से औरंगाबाद जा रही एक

घटना के बाद गाड़ियों की लगी लंबी कतारें
इनसेट में भीड़ को समझाते पुलिसकर्मी.

अनियंत्रित हाइवा ओवरटेक करने के दौरान दोनों को रौंदती हुई निकल गयी. बताया जाता है कि दुर्घटना इतनी भयावह थी कि महिला के परख्च्चे उड़ गए. महिला का सिर धड़ से अलग हो गया. वहीं महिला का पति रामप्रवेश साहू चोटिल हो गए. घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. विभिन्न मांगों को लेकर स्थानीय लोग हंगामा करने लगे. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मुफस्सिल थाना की पुलिस को दी. सूचना पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया.

परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे : घटना के कुछ हीं देर बाद परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए. परिजन शव देख चीत्कार उठे. स्थानीय लोग व परिजन मुआवजे व सड़क पर डिवाइडर की मांग को लेकर अड़े रहे. स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई. काफी देर तक समझाने बुझाने का दौर चला. इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई. घंटों तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा.

परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल : अंततः मुफस्सिल थाना की पुलिस किसी तरह परिजनों व आक्रोशितों को समझा-बुझाकर शव को सदर अस्पताल भेजवाया और भीड़ को नियंत्रित किया. इसके बाद बाधित आवागमन को शुरू कराया गया. परिजनों से जरूरी पूछताछ के उपरांत मुफस्सिल थाना की पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया. जैसे हीं शव घर पहुंचा, शव को देखकर परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है.

गिरिराज ने कहा, लालू से कमजोर नेता कोई नहीं

पटना । राजद सुप्रीमो लालू यादव के इस बयान पर कि अगस्त के महीने में नरेंद्र मोदी की सरकार गिर जाएगी, भाजपा ने हमला बोला है. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि लालू प्रसाद से कमजोर नेता कोई नहीं है. क्योंकि, जो नेता अपने परिवार तक ही सिमट गया उससे बड़ा कमजोर कोई नहीं है. लालू यादव को सलाह देते हुए गिरिराज ने कहा कि लालू को नीतीश कुमार का पैर छूकर प्रणाम करना चाहिए और नीतीश कुमार का फोटो लगा हुए एक लॉकेट गले में धारण करना चाहिए. उन्होंने कहा कि नीतीश से 2015 में एक भूल हुई कि उन्होंने लालू फैमिली को नई राजनीतिक जिंदगी दी.

ससुराल वालों ने गर्भवती महिला के पेट पर मारी लात

गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है. जहां एक नव विवाहिता के ससुराल वाले ने उसे गर्भावस्था के दौरान पेट पर चोट किया है, जिससे उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत मोतिहारी सदर अस्पताल में हो गई है. गर्भावस्था के दौरान ही ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से भी निकाल दिया है. पीड़िता ने महिला थाने में पति व ससुराल के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कराई है.

इस मामले में महिला थानाध्यक्ष ने कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर पीड़िता के ससुराल वालों के विरुद्ध छापेमारी की है. हालांकि भनक लगते ही सभी आरोपी फरार बताए जा रहे है. घटना में संबंध दिये आवेदन में पीड़िता ने बताया है कि उसकी शादी हिंदू रीति रिवाज के अनुसार गोढ़वा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रहने वाले दीपू कुमार के साथ अरेराज के सोमेश्वर महादेव मंदिर में 30 अगस्त 2023 को हुई थी. वहां से विदा होकर अपने ससुराल गई. शादी के बाद मेरे पति के पिता कृष्णा प्रसाद एवं मां के द्वारा कहा गया कि अभी तुम लोगों को पढ़ाई करनी है. इस कारण मोतिहारी में ही भाड़े पर मकान लेकर रहो.

यूपी के हाथरस हादसे का मामला

पटना सिविल कोर्ट में दर्ज हुई एफआईआर

संवाददाता । पटना

यूपी के हाथरस में बीते दिनों एक सत्संग के दौरान भगदड़ हुई थी. इस भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई. वहीं, इसको लेकर पटना सिविल कोर्ट में केस दर्ज हुआ है. भोले बाबा पर पटना में मुकदमा दर्ज किया गया है. वहीं, इस मामले में पहले ही यूपी में मामला दर्ज हो चुका है. यूपी पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. अब पटना में मुकदमा दर्ज होने के बाद

फाइल फोटो

भोले बाबा की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं. बता दें कि हाथरस में भगदड़ दो जुलाई को स्वयंभू संत और उपदेशक नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' के सत्संग के दौरान हुई थी. इसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं. यूपी में दर्ज एफआईआर के अनुसार, कार्यक्रम में 2.50 लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे, जबकि प्रशासन ने केवल 80 हजार लोगों को ही अनुमति दी थी. एफआईआर के अनुसार, सत्संग आयोजकों ने सबूत छिपाकर तथा बाबा के अनुयायियों की चप्पलें और अन्य सामान पास के खेतों में फेंक कर कार्यक्रम में मौजूद लोगों की वास्तविक संख्या को छिपाने की कोशिश की थी.

कारोबार

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस ने शुरू की योजना

चेन्नई । निजी क्षेत्र की श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने ग्राहकों को एक स्थिर सेवानिवृत्ति आय प्रदान करने के मकसद से एक 'डेफर्ड एन्युटी प्लान' शुरू किया है. यह योजना 60,000 रुपये प्रति वर्ष से शुरू होती है. इस योजना का लाभ 40 से 75 वर्ष की आयुवर्ग के लोग ले सकते हैं. इसमें क्रय मूल्य की वापसी के साथ या उसके बिना भुगतान शामिल है. इसमें आस्थगन अवधि पांच से 10 वर्ष है जिसके बाद वार्षिकी भुगतान शुरू हो जाएगा.

एयरटेल ने खबरों को खारिज किया

नयी दिल्ली । दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल ने अपने ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध की खबर को खारिज कर दिया. उसने कहा कि इस तरह का दावा ब्रांड की छवि को खराब करने का एक हताश प्रयास है. दूरसंचार कंपनी ने बयान में कहा, एक रिपोर्ट में एयरटेल के ग्राहकों से जुड़ी जानकारी में सेंध का आरोप लगाया गया है. यह निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा एयरटेल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का एक हताश प्रयास है. हमने गहन जांच की और हम पुष्टि कर सकते हैं कि एयरटेल में ग्राहकों से जुड़े आंकड़ों में कोई सेंध नहीं लगी है.

कॉफी डे एंटरप्राइजेज ने भुगतान में चूक की

नयी दिल्ली । कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से लिए गए कर्जों का मूलधन और ब्याज भुगतान में जून तिमाही तक कुल 433.91 करोड़ रुपये की चूक की है. कैफे कॉफी डे श्रृंखला का संचालन करने वाली कंपनी सीडीईएल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को इसकी सूचना दी. उसने कहा कि तरलता संकट की वजह से उसे कर्ज भुगतान में विलंब का सामना करना पड़ रहा है. कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड की भुगतान चूक राशि में कोई बदलाव नहीं हुआ है क्योंकि कंपनी ने पिछली तिमाहियों में भी इसी राशि की सूचना दी थी. इसकी वजह यह है कि कंपनी वर्ष 2021 से ब्याज को बकाया भुगतान में नहीं जोड़ रही है.

चीन ने इनर्जी सोल्यूशंस की गैस टर्बाइन बिजनेस को खरीदने के लिए डील की थी

जर्मनी सरकार ने रोकी गैस टर्बाइन डील

भाषा । नयी दिल्ली

वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन का सीधा मुकाबला अमेरिका से है. इसके बाद भारत से है. यही वजह है कि चीन इन देशों को छोड़कर यूरोपीय देशों के साथ व्यापारिक दोस्ती को तवज्जो देता रहा है. लेकिन यहां पर भी उसके लिए मुसीबत खड़ी होने लगी हैं. इसका उदाहरण जर्मनी द्वारा हाल ही में रोका गया एक डील. दरअसल चीन ने दिग्गज ऑटो कंपनी फॉक्सवैगन की एक सहयोगी कंपनी को खरीदने के लिए एक डील की थी. लेकिन जर्मन सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए इस डील को रोक दिया. इस तरह से यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी ने अपने सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर चीन को एक और जोर का झटका दे दिया. यह फैसला ऐसे समय आया है जबकि यूरोपीय यूनियन ने हाल में चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ बढ़ा दिया था. चीन ने भी बदले की कार्रवाई करते हुए यूरोप से होने वाले सुअर के मांस की कीमतों पर जांच शुरू कर दी. इस तरह दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत हो चुकी है.

मिली जानकारी के अनुसार फॉक्सवैगन ग्रुप की कंपनी मैन इनर्जी सोल्यूशंस ने पिछले साल जून में

लगा झटका

- जर्मनी का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन
- स्थानीय मैन्युफैक्चरर्स को बढ़ावा दे रहा है जर्मनी

कहा था कि वह अपने गैस टर्बाइन बिजनस को चीन की सरकारी कंपनी सीएसआईसी लौंगजियांग जीएच गैस टर्बाइन (जीएचजीटी) को बेच रही है. जर्मन सरकार ने पिछले साल सितंबर में इसकी समीक्षा शुरू की थी. इसमें आशंका जताई गई है कि चीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल वॉरशिप में कर सकता है. जर्मनी के इकॉनमी मिनिस्टर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि उनका देश विदेशी निवेश का स्वागत करता है लेकिन पब्लिक सिक्योरिटी से जुड़ी टेक्नोलॉजी ऐसे देशों के हाथ नहीं पड़नी चाहिए जिनके आपके साथ हमेशा अच्छे संबंध नहीं रहते हैं. देश की इंटीरियर मिनिस्टर नैंसी फेजर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत कर सरकार के कदम के सही ठहरा दिया. वहीं चीन को एक और जोरदार झटका लग गया.

बता दें कि जर्मनी का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन है. पिछले साल दोनों देशों के बीच $275.3 अरब का ट्रेड हुआ. लेकिन हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई है. जर्मनी स्थानीय मैन्युफैक्चरर्स को बढ़ावा दे रहा है और चीन पर निर्भरता कम कर रहा है. नवंबर, 2022 में जर्मनी ने अपनी एक सेमीकंडक्टर

जर्मन सरकार ने की थी समीक्षा

फॉक्सवैगन ग्रुप की कंपनी मैन इनर्जी सैल्यूशंस ने पिछले साल जून में कहा था कि वह अपने गैस टर्बाइन बिजनेस को चीन की सरकारी कंपनी सीएसआईसी लोंगजियांग जीएच गैस टर्बाइन कंपनी (जीएचजीटी) को बेच रही है. जर्मन सरकार ने पिछले साल सितंबर में इसकी समीक्षा शुरू की थी। इसमें आशंका जताई गई है कि चीन गैस टर्बाइन का इस्तेमाल वॉरशिप में कर सकता है। कॉनमी मिनिस्टर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि उनका देश विदेशी निवेश का स्वागत किया है.

फैक्ट्री की चीन की टेक कंपनी को बिक्री पर रोक लगा दी थी. इसमें भी सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था. चीनी विदेश मंत्रालय ने जर्मन सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह सामान्य कमर्शियल संबंधों के राजनीतिकरण के खिलाफ है.

रेमंड का शेयर 17 प्रतिशत से अधिक चढ़ा

नयी दिल्ली । कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रेमंड के शेयर में 17 प्रतिशत से अधिक उछाल आया. रेमंड लिमिटेड के शेयरधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने तथा भारतीय संपत्ति बाजार में वृद्धि की संभावनाओं का दोहन करने के लिए अपने रियल एस्टेट कारोबार को अलग करने की घोषणा के बाद कंपनी के शेयर में उछाल आया.

बीएसई पर कंपनी का शेयर 17.30 प्रतिशत बढ़कर 3,450.95 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया. एनएसई पर 16.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,434.75 रुपये प्रति पर रहा. कारोबार के दौरान रेमंड के शेयर ने बीएसई और एनएसई पर क्रमशः 3,480.35 रुपये और 3,484 रुपये के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर को छुआ. इस बीच, 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 357.95 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 79,691.72 अंक पर आ गया. निफ्टी 64.90 अंक या 0.27 प्रतिशत फिसलकर 24,240.05 अंक पर रहा. रेमंड लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि उसके निदेशक मंडल ने रेमंड लिमिटेड (अलग हुई कंपनी) और रेमंड रियल्टी लिमिटेड तथा उनके संबंधित शेयरधारकों की व्यवस्था की योजना को मंजूरी दे दी है.

स्टेनलेस स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए

सरकार ने आईएसआई मार्क किया अनिवार्य

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार ने स्टेनलेस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा यह कदम उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था. बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है. यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है. बीआईएस के अनुसार, आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो.

कल्याण ज्वेलर्स का राजस्व 27% बढ़ा, विस्तार की योजना

एजेंसी । नयी दिल्ली

कल्याण ज्वैलर्स का वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत राजस्व सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़ा. भारतीय और पश्चिम एशिया बाजारों में मजबूत प्रदर्शन इसकी मुख्य वजह रही. कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकीकृत शुद्ध राजस्व 4,376 करोड़ रुपये था. कल्याण ज्वैलर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत में उसके परिचालन में 29 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी.

पश्चिम एशिया परिचालन से राजस्व में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसने एकीकृत राजस्व में 15 प्रतिशत का योगदान दिया. कंपनी के अनुसार, इस साल अप्रैल-जून की

अवधि में भारत में 13 नए फ्रेंचाइजी-स्वामित्व - कंपनी- संचालित (एफओसीओ) शोरूम खोले गए, जबकि डिजिटल मंच कैनडेयर ने 13 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज की. कंपनी ने कहा कि वह अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद अपने कैनडेयर कारोबार को पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी में बदलने की योजना बना रही है. कल्याण ज्वैलर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 में 130 से अधिक नए शोरूम शुरू करना है, जिसमें भारत में कल्याण के करीब 40 शोरूम, कैनडेयर के करीब 30 शोरूम और दिवाली तक अमेरिका में पहला शोरूम खोलना शामिल है.

आई गिरावट — क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट का दावा

शाकाहारी थाली की कीमत में जून में 10% की बढ़ोतरी

रिपोर्ट के अनुसार

शाकाहारी थाली की कीमत में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि को बताया गया है

एजेंसी । मुंबई

शाकाहारी थाली की कीमत जून में औसतन 10 प्रतिशत तक बढ़ गई. प्याज, टमाटर और आलू की कीमतों में आई तेजी इसकी प्रमुख वजह रही. क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रिपोर्ट 'रोटी राइस रेट' के अनुसार, ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में गिरावट से मांसाहारी भोजन की

लागत में कमी आई है. इसमें कहा गया कि शाकाहारी थाली की कीमत जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 29.4 रुपये प्रति थाली हो गई, जो जून 2023 में 26.7 रुपये थी. मई 2024 में यह 27.8 रुपये थी. शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर तथा आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है. रिपोर्ट में शाकाहारी थाली की कीमत में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि को बताया गया है.

क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, प्याज के मामले में रबी की फसल के रकबे में भारी गिरावट से आवक कम रही, जबकि मार्च में बेमौसम बारिश के कारण आलू की पैदावार कम हुई. कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उच्च तापमान के कारण ग्रीष्मकालीन फसल में संक्रमण होने से टमाटर की आवक पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत कम हुई. रिपोर्ट में कहा गया, इसके अलावा रकबे में कमी के कारण चावल की कीमतों में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप आवक कम रही. प्रमुख खरीफ महीनों में सूखे के कारण दालों की कीमतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

मांसाहारी थाली की कीमत जून में घटकर 58 रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसकी कीमत 60.5 रुपये थी. मई में इसकी कीमत 55.9 रुपये प्रति थाली थी. इसमें सामग्री शाकाहारी थाली के समान होती हैं, लेकिन दाल की जगह चिकन होता है. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत में करीब 14 प्रतिशत की कमी, अधिक आपूर्ति और चारे की कम लागत के कारण मांसाहारी थाली की लागत में कमी आई है.

शादी की धूम

जस्टिन बीबर ने अनंत-राधिका के संगीत समारोह में अपने प्रसिद्ध गीतों 'पीचेस' और 'बेबी' से मचाई धूम

मुंबई । मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर ने जाने-माने उद्योगपति एवं अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुतियों से मनोरंजन जगत और खेल जगत की नामचीन हस्तियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. जस्टिन बीबर लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे थे. उन्होंने रात में प्रसिद्ध गानों 'बेबी', 'सॉरी', 'लव योर सेल्फ' और 'पीचेस' से धूम मचा दी. संगीत समारोह में सलमान खान, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, अर्जुन कपूर और जाह्नवी कपूर जैसी बॉलीवुड की हस्तियों के अलावा क्रिकेटर एमएस धौनी और टी-20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य हार्दिक पांड्या व सूर्यकुमार यादव भी शामिल हुए. सोशल मीडिया पर इस समारोह के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं. मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर को अनंत और राधिका के संगीत समारोह में प्रस्तुति देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया. वह अपनी खास प्रस्तुति देने के बाद मियामी रवाना हो गए.

ब्रीफ खबरें

कुलगाम में मुठभेड़ एक सैनिक शहीद

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैनिक शहीद हो गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के मोडरगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान प्रारंभ किया था, इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलियां चलाईं. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में भारतीय सेना का एक सैनिक घायल हो गया.

17वीं ओडिशा विस का पहला सत्र 22 जुलाई से

भुवनेश्वर । ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के अभिभाषण के साथ 17वीं ओडिशा विधानसभा का पहला सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और यह 13 सितंबर तक चलेगा. विधानसभा सचिवालय की ओर से शुक्रवार को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में 22 जुलाई को चर्चा शुरू होगी और 24 जुलाई को समाप्त होगी. ओडिशा विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव भी 24 जुलाई को होगा. अधिसूचना के अनुसार, वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे हैं.

भूस्खलन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

गोपेश्वर (उत्तराखंड) । उत्तराखंड के चमोली जिले में शनिवार को भूस्खलन के बाद पहाड़ी से गिर रही चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई है. पुलिस ने बताया कि यह घटना बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गौचर और कर्णप्रयाग के बीच स्थित चटवापीपल के पास हुई. पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान निर्मल शाही (36) और सत्य नारायण (50) के रूप में हुई है. वे दोपहिया वाहन पर सवार होकर बद्रीनाथ से लौट रहे थे, तभी यह घटना हुई.

पेजेशकियन ने जीते राष्ट्रपति पद का चुनाव

दुबई। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए पिछले सप्ताह हुए मतदान में शीर्ष स्थान पर रहे दो उम्मीदवारों के बीच सीधे मुकाबले में सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियन ने सईद जलीली को हराकर शनिवार को जीत हासिल कर ली. ईरान में पिछले महीने एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु हो जाने के बाद, शुक्रवार को पेजेशकियन और जलीली के बीच मतदान हुआ था. पेजेशकियन एक करोड़ 63 लाख मतों के साथ विजयी घोषित किए गए जबकि जलीली को एक करोड़ 35 लाख वोट मिले.

छज्जा गिरने से तीन भाई-बहनों की मौत

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद जिले में सीकरी गांव में एक मकान का छज्जा गिरने से तीन भाई-बहनों की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि वे तीनों छज्जे के नीचे बैठे थे, छज्जा जर्जर था और बारिश होने से ढह गया. उसने बताया कि मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं. मकान की हालत खराब होने के बावजूद उसने मकान किराए पर दिया था. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

बाढ़ का कहर : जम्मू-कश्मीर में हीट वेव, स्कूलों में दे दी गयी छुट्टी

दिल्ली से लेकर असम तक बाढ़ का कहर

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

झारखंड-बिहार समेत पूरे देश में मॉनसून सक्रिय है. कहीं भारी बारिश से बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है या बाढ़ आ गई है, लेकिन झारखंड, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में मॉनसून आने के बाद अब भी जोरदार बारिश का इंतजार है. हालांकि मौसम विभाग की मानें, तो कम बारिश वाले राज्यों में भी झमाझम बारिश जल्द ही होगी. उधर, एमपी और राजस्थान में भारी बारिश से बाढ़ के हालात हैं. शनिवार को दोनों राज्यों में हुई मूसलाधार बारिश से जगह-जगह बाढ़ आ गई है. जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में भारी बारिश के चलते हालात बिगड़ गए हैं. इस दौरान देश में जगह-जगह से हादसों की भी खबरें आई हैं. स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है.

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से में भारी बारिश के कारण आम जीवन प्रभावित है, जबकि असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है. पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ से करीब 22 लाख लोग प्रभावित हैं. उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है. देहरादून में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में पांच साल का बच्चा डूब गया, जबकि हरिद्वार में एक किशोर की नाला में डूबने से मौत हो गई. हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश से 64 सड़कें बंद हैं. क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने अगले 24 घंटों में कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर, मंडी, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ आने की चेतावनी दी है.

पूरे उत्तर भारत में भारी बारिश

बता दें कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में समेत पूरे उत्तर भारत में भारी बारिश का दौर जारी है. राजस्थान के टोंक जिले के मालपुरा में 24 घंटे में 176 मिमी बारिश दर्ज की गई. राजस्थान के ही साजनगढ़ (बांसवाड़ा) में 116 मिलीमीटर, तिजारा में 107 मिमी, दानपुर में 101 मिमी, नैनवां (बूंदी) में 102 मिमी, थानागाजी में 97 मिमी, पीपल्दा (कोटा) में 90 मिमी, टपूकड़ा में 88 मिमी और जयपुर के फागी में 82 मिमी बारिश दर्ज की गई. एमपी में भी पिछले दो दिन से लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश के साथ-साथ गरज और बिजली गिरने का अनुमान जताया है. विभाग ने अगले चार से पांच दिनों के दौरान भारी बारिश का भी अनुमान जताया है. उत्तराखंड में राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि भूस्खलन के कारण 88 ग्रामीण सड़कें, दो सीमा सड़कें, एक राज्य राजमार्ग और बदरीनाथ मंदिर की ओर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है. इस बीच हिमाचल प्रदेश में जुलाई में सामान्य 27.2 मिलीमीटर के मुकाबले 43.2 मिमी बारिश हुई है जो सामान्य से 59 प्रतिशत अधिक है.

कश्मीर में हीटवेव

स्कूलों में 13 दिन की छुट्टी

एक तरफ जहां बाकी देश मॉनसूनी बारिश से सराबोर हो रहा है, वहीं गर्मियों में भी ठंडी रहने वाली कश्मीर घाटी इन दिनों तप रही है. श्रीनगर हो या गुलमर्ग, सोनमर्ग हो या फिर अमरनाथ यात्रा रूट, पहली बार पूरी घाटी लू की चपेट में है. पारा लगातार 32 डिग्री से ऊपर बना हुआ है. श्रीनगर पहली बार बीते 7 दिन से 35 डिग्री से ज्यादा तापमान झेल रहा है. शनिवार को यह 35.7 डिग्री रहा. यह सामान्य से करीब 7 डिग्री ज्यादा है. इससे पहले 9 जुलाई 1999 को श्रीनगर में 37 डिग्री तापमान था. हीटवेव के चलते घाटी के स्कूलों में 17 जुलाई तक गर्मी की छुट्टी घोषित कर दी गई है.

आईएमडी ने शनिवार के लिए 17 राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, उत्तरी पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, असम, नगालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, गोवा में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. 11 राज्यों- हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है.

झारखंड में 50% कम बारिश : बादल तो आ रहे लेकिन बारिश का इंतजार

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्यभर में मानसून सक्रिय हो चुका है. झारखंड में सामान्य से 50 प्रतितश कम वर्षा अबतक रिकॉर्ड की गई है. सबसे कम वर्षा पाकुड में हुई है. यहां 78 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है. सिमडेगा की स्थिति सबसे बेहतर है. यहां 241 एमएम बारिश होनी चाहिए थी. अभी तक 245 एमएम बारिश हो चुकी है. मात्र 15 प्रतिशत की कमी है. इसके अलावा सभी जिलों में 30 से 78 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है. इधर, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 76 एमएम बारिश गढ़वा के बारडीहा में दर्ज की गई. बता दें कि मॉनसून आने के बाद से झारखंड में बारिश हो रही है, लेकिन कम या न के बराबर. रोजाना बादल छा रहे हैं. कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी या बारिश हो रही, लेकिन बादल छाने के कुछ देर बाद मौसम साफ भी हो जा रहा हा है. राजधानी रांची की बात करें, तो अब तक मॉनसून आने के बाद एक भी दिन मूसलाधार बारिश नहीं हुई है. मौसम विभाग ने बताया है कि रांची में अगले पांच दिनों तक हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा की संभावना है. दिनभर बादल छाये रहेंगे. वर्षा के कारण न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री गिरावट आ सकती है. मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी में अच्छी वर्षा की संभावना है. उन्होंने कहा कि किसानों को रोपनी की शुरुआत कर देनी चाहिए.

नीट मामले में सफेद झूठ बोल रही है सरकार : खरगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 के मामले में केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर शनिवार को कहा कि लाखों युवाओं से सफ़ेद झूठ बोला जा रहा है तथा उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है. दरअसल विवादों में घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा को रद्द करने की बढ़ती मांग के बीच, केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि इसे रद्द करना बेहद प्रतिकूल होगा और व्यापक जनहित के लिए, विशेष रूप से इसे उत्तीर्ण करने वालों के करियर की संभावनाओं के लिए, काफी हानिकारक होगा. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार ने माननीय उच्चतम न्यायालय को बताया है कि नीट-यूजी में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है ! लाखों युवाओं से ये सफ़ेद झूठ बोला जा रहा है. उनके भविष्य को बर्बाद किया जा रहा है. शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि केवल कुछ जगहों पर अनियमितताएं/चीटिंग हुई हैं. यह गुमराह करने वाली बात है.

3डी फिल्म : 'कल्कि 2898 एडी'

कमाई में 800 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मुंबई । निर्देशक नाग अश्विन की 3डी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने वैश्विक स्तर पर 800 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी. कल्कि 2898 एडी फिल्म का बजट 600 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. यह फिल्म 27 जून को छह भाषाओं में विश्व स्तर पर रिलीज हुई थी. वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 ई.' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और प्रभास मुख्य भूमिका में हैं.

प्रदर्शन

सूरत । शनिवार को सूरत में फिल्म महाराज के खिलाफ एक विरोध रैली के दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के समर्थक.

प्रशासनिक चूक से सबक लें नहीं तो दुर्घटनाएं होती रहेंगी : अखिलेश

एजेंसी। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि अगर हाथरस में हुई भगदड़ की घटना में प्रशासनिक चूक से सबक नहीं लिया गया तो भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं और होंगी. यादव ने अरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार भगदड़ की घटना में मामूली गिरफ्तारियां करके अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है. इस हादसे में 121 लोगों की जान चली गई थी. अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र शासन-प्रशासन हाथरस हादसे में अपनी नाकामी छुपाने के लिए छोटी-मोटी गिरफ़्तारियां दिखाकर सैकड़ों लोगों की मौत से अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है. उन्होंने कहा, अगर ऐसा हुआ तो इसका मतलब ये निकलेगा कि इस तरह के आयोजन में हुई शासनिक-प्रशासनिक विफलता से किसी ने कोई सबक़ नहीं लिया और ऐसी दुर्घटनाएं भविष्य में भी होती रहेंगी. उन्होंने कहा, शासन-प्रशासन किसी ख़ास मंशा से व्यर्थ में ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर रहा है जो मूल आयोजन स्थल से दूर थे और गिरफ्तारी के बाद उनको ही दोषी ठहराये जाने की तैयारी कर रहा है. ये गिरफ्तारियां स्वयं में एक षड्यंत्र हैं.

यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के विकल्प खुले हैं : व्लादिमीर पुतिन

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन यदि यूक्रेन की मदद कर रहे पश्चिमी देश सोचते हैं कि मॉस्को ऐसा कभी नहीं करेगा तो यह उनकी गलती है. पुतिन ने यह संदेश ऐसे समय में दिया है जब यूक्रेनी सैन्य बलों को नाटो के सहयोगी देश मदद पहुंचाने के लिए कदम उठा रहे हैं. पुतिन ने इन नाटो सदस्यों को स्पष्ट संदेश दिया कि यूक्रेन को सैन्य सहायता मुहैया कराने पर उनका रूस के साथ संघर्ष हो सकता है जो परमाणु संघर्ष में बदल सकता है.

अदालत ने 12 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को 26 सप्ताह के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति दी

एजेंसी। हैदराबाद

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 12 वर्षीय एक बलात्कार पीड़िता को 26 सप्ताह के भ्रूण का गर्भपात कराने की अनुमति दी है. अदालत ने राज्य सरकार द्वारा संचालित गांधी अस्पताल के अधीक्षक को पीड़िता का गर्भपात 48 घंटे में कराने के लिए आवश्यक इंतजाम करने का निर्देश दिया. न्यायमूर्ति बी विजयसेन रेड्डी ने आदेश दिया कि बच्ची के गर्भपात की प्रक्रिया अस्पताल की वरिष्ठतम स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा की जाएगी और डीएनए एवं अन्य जांच के लिए भ्रूण के ऊतक और रक्त के नमूने एकत्र किए जाएंगे. इससे पहले, गांधी अस्पताल के चिकित्सकों ने पीड़िता

की मां (याचिकाकर्ता) से कहा था कि चूंकि पीड़िता को गर्भधारण किए 24 सप्ताह से अधिक समय हो चुका है, इसलिए गर्भ का चिकित्सकीय समापन (संशोधन) विधेयक, 2021 के प्रावधानों के तहत उसका गर्भपात नहीं किया जा सकता. इसके बाद पीड़िता की मां ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था. न्यायमूर्ति रेड्डी ने गांधी अस्पताल के अधीक्षक को एक मेडिकल बोर्ड गठित करने और पीड़िता का गर्भपात कराने की संभावना का पता लगाने तथा लड़की की पहचान उजागर किए बिना एक सीलबंद लिफाफे में अदालत को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था. याचिकाकर्ता की वकील वसुधा नागराज ने तर्क दिया कि पीड़िता से कई लोगों ने बलात्कार किया था और यदि उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो इससे उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा. उन्होंने यह भी तर्क दिया कि न केवल पीड़िता, बल्कि जन्म लेने वाले बच्चे को भी शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा.

जम्मू से 5,800 तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए 5,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था शनिवार सुबह जम्मू के दो आधार शिविर से रवाना हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बीच शनिवार सुबह वाहनों के दो अलग-अलग काफिलों में 1,118 महिलाओं और 18 बच्चों समेत कुल 5,876 तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ. अधिकारियों ने बताया कि 3,759 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 134 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ, जबकि 111 वाहनों पर सवार 2,117 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था बालटाल के लिए रवाना हुआ. अमरनाथ यात्रा 52 दिन की है.

साक्षात्कार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनावी दौर से बाहर होने के अटकलों पर लगाया विराम

'सर्वशक्तिमान ईश्वर' ही मुझे चुनावी दौड़ से बाहर कर सकता है

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुई पहली बहस में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके चुनावी दौड़ से बाहर होने को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें मुकाबले से बाहर होने के लिए राजी कर सकते हैं. बाइडन (81) ने यह बात एक टेलीविजन चैनल से साक्षात्कार के दौरान कही. राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत अटलांटा में 27 जून को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन की लोकप्रियता की 'रेटिंग' गिर गई है, जिसके बाद उन्हीं

राष्ट्रपति जो बाइडन

बाइडन ने ट्रंप पर आदतन झूठा होने का आरोप लगाया

की पार्टी (डेमोक्रेटिक पार्टी) के कुछ नेताओं ने उनसे राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया था. बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई अपनी पहली बहस से पहले वह थके हुए और बीमार थे. अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने साथ ही कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं. बाइडन ने दावा किया कि वह दुनिया को चला रहे हैं'' और राष्ट्रपति बनने के लिए उनसे ज्यादा योग्य कोई नहीं है.

दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का लक्ष्य लिए चुनावी मैदान में उतरे बाइडन ने ट्रंप पर आदतन झूठा होने का आरोप लगाया. बाइडन ने 'एबीसी न्यूज' से साक्षात्कार के दौरान राष्ट्रपति पद के चुनाव के तहत हुई अपनी पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कहा, मैं थक गया था. मैंने तैयारी के दौरान अपने मन की बात नहीं सुनी. अपनी पहली बहस के बाद किसी टेलीविजन चैनल के साथ उनका पहला साक्षात्कार था. उन्होंने कहा, मैं बीमार था. मैं बहुत अस्वस्थ महसूस कर रहा था. चिकित्सक मेरे साथ थे. मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मेरी कोविड-19 संबंधी जांच की है. वह यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि मेरे बीमार होने का कारण क्या है. उन्होंने मेरी कोविड जांच की लेकिन मुझे संक्रमण नहीं हुआ था. मुझे बस सर्दी लगी थी. बाइडन ने कहा कि बहस में उनके खराब प्रदर्शन में किसी और की नहीं बल्कि मेरी गलती थी. बाइडन ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के किसी भी प्रमुख नेता ने उनसे चुनाव से हटने के लिए नहीं कहा है. उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से तभी हटेंगे जब सर्वशक्तिमान ईश्वर उनसे ऐसा करने के लिए कहेंगे. उन्होंने कहा, अगर सर्वशक्तिमान ईश्वर धरती पर आकर कहेंगे कि 'जो (बाइडन), दौड़ से बाहर हो जाओ', तो मैं चुनावी दौड़ से बाहर हो जाऊंगा.

इजराइल का गाजा पर एयर स्ट्राइक

दो बच्चे समेत छह की मौत

एजेंसी। दीर अल-बलाह (फिलिस्तीन)

इजराइल और गाजा के बीच युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. इजराइल ने एक बार फिर मध्य गाजा के अलग-अलग जगहों पर हवाई हमला किया है. इस हमले में छह लोगों की मौत हो गयी. इसमें संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मी और दो बच्चे भी शामिल है. इस हमले में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है.

फलस्तीनी अस्पताल (अल अक्सा शहीद) के अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है. हालांकि इजराइली सेना ने इन हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. अस्पताल के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इजराइल ने गाजा के सलाह अल-दीन मार्ग पर स्थित मघाजी शरणार्थी शिविर के पास हमला

किया. जिसमें तीन व्यस्कों की मौत हो गयी. जबकि कई लोग घायल हो गये. इनमें से संयुक्त राष्ट्र का कर्मी बताया जा रहा है. वहीं नुसेरात शरणार्थी शिविर में हुए हमले में भी एक वयस्क और दो बच्चों की मौत हो गयी. इन हमलों के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली वार्ताकारों का एक दल हमास के साथ संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली के समझौते पर अगले सप्ताह फिर से वार्ता शुरू करेगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)